RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 September-2020

अंक – 3 (मासिक) वर्ष – 16 सितम्बर, 2020 मूल्य 20/-

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

प्रतिभा - सम्मान

समाज के भविष्य की मजबूत नींव

प्रतिभाओं ने फहराया परचम

बूंदी : महिला संगठन द्वारा मना तीजोत्सव

IAS में चयनित
दीपक करवा

बहुप्रतिक्षित
श्री माहेश्वरी मेलापक 2020
वैवाहिक डायरेक्ट्री प्रकाशित

Visit us
@ www.srimaheshwaritimes.com

देखें प्रति मंगलवार
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

RR KĀBEL

MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME

DO THE
AKALMAND
THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-03 सितम्बर 2020 वर्ष-16

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
महेन्द्र काबरा, मुंबई

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

प्रतिभा सम्मान विशेषांक पर सभी प्रतिभाओं का
हार्दिक अभिनंदन एवं बधाई
माहेश्वरी टाईम्स परिवार

प्रतिभा और अर्जुन होने का अर्थ

विचार क्रान्ति

आचार्य द्रोण के 100 कौरव व पाँच पाण्डव सहित 110 से अधिक शिष्यों में अकेले अर्जुन क्यों सबसे अलग, सबमें श्रेष्ठ और सदियों बाद आज तक समूची मानव जाति के 'नायक' और प्रेरक हैं, यह समझना हो तो हमें द्रोण के गुरुकुल में झांकना पड़ेगा। विशेषकर उन बच्चों को जो अभी विद्यार्थी हैं, ताकि वे जान सकें कि 'प्रतिभा' जन्मजात तो होती ही है, लेकिन गुरु के प्रति समर्पण, सेवा, श्रम, साधना, समझदारी, सजगता, सतर्कता और एकमात्र 'लक्ष्य' पर नज़र रखने से किस तरह भीड़ में एक को 'अर्जुन' बना देती है। विद्यार्थियों की भीड़ में अर्जुन के 'अर्जुन' बनने की कथा महाभारत के आदिपर्व के 131 और 132 वें अध्याय में लिखी है। अपने विद्यार्थी जीवन के इन्हीं कुछ वर्षों में अर्जुन ने अपने अन्य भाइयों से हटकर जो किया, उसी ने उन्हें आगे चलकर महाभारत का महानायक बना कर चिर यशस्वी बना दिया।

समझने के लिए पाँच प्रसङ्ग सार रूप में यूँ हैं:

पहला, जब शिक्षा प्रारम्भ से ठीक पूर्व गुरु ने सभी बच्चों को बुलाकर कहा, 'शिक्षा पूरी होने के बाद मैं जो कहूंगा, मेरी वह इच्छा तुम्हें पूरी करना होगी।' तब आचार्य की बात सुनकर केवल अर्जुन ने 'हाँ' कहा, बाक़ी सब चुप रहे। इस 'समर्पण' से गदगद हो उसी पल आचार्य ने अर्जुन को 'चुन' लिया था। गुरु इतने भावुक हुए कि रो पड़े थे।

दूसरा, द्रोण पानी भरने के लिए सब शिष्यों को कमण्डलु देते थे, लेकिन अपने पुत्र अश्वत्थामा को बड़े मुँह का घड़ा। उद्देश्य था अश्वत्थामा जल लेकर शीघ्र आ जाए और बाकी देर से ताकि उनका बेटा दूसरों के मुकाबले एक पाठ अधिक सीख सकें। बाक़ी द्रोण की चाल में फंसे रहे, केवल अर्जुन ने इसे समझा। परिणाम यह कि जैसे ही द्रोण पानी लाने भेजते, अर्जुन दौड़कर जाते और आते। उन्होंने अपनी 'सजगता' के बूते वह 'अतिरिक्त' भी सीखा जो द्रोण केवल अपने बेटे को ही सिखाना चाहते थे।

तीसरा, द्रोण ने गुरुकुल के रसोइये को आज्ञा दी थी कि अर्जुन को कभी अंधेरे में भोजन न परोसना। इसी बीच एक दिन देर शाम अर्जुन भोजन कर रहे थे कि तेज हवा से दीपक बुझ गया मगर अर्जुन भोजन करते रहे। अभ्यासवश उनका हाथ मुँह से अन्यत्र न गया। बस फिर क्या था, 'अभ्यास ही चमत्कार है' यह मानकर अर्जुन ने रात के अंधेरे में ही बाण चलाने का अभ्यास शुरू कर दिया। जब सब सोते थे तब अर्जुन 'जागते' और 'अभ्यास' करते थे।

चौथा, एक दिन द्रोण गङ्गा नदी में स्नान कर रहे थे। तभी एक मगर ने उनका पैर पकड़ लिया। उस समय सारे शिष्य नदी तट पर थे। द्रोण ने आज्ञा दी, 'इस मगर को मारकर मुझे बचाओ!' तब जब सब मगर को देख हक्के-बक्के रह गए, अकेले अर्जुन ने बड़ी फुर्ती से धनुष-बाण उठाकर मगर को मार डाला और द्रोण की प्राणरक्षा की। तब प्रसन्न हो गुरु ने उन्हें ब्रह्मशिर नामक दिव्यास्त्र का उपदेश दिया। 'सतर्कता' और 'प्रत्युतपन्न मति के साथ कर्म' ने उन्हें द्रोण का प्रिय पात्र बना दिया।

पाँचवा, शिक्षा पूरी होने पर परीक्षा की घड़ी आई। आचार्य ने पेड़ पर एक नकली गिद्ध टांगा और सभी शिष्यों को बुलाकर पूछा, 'बोलो, तुम्हें क्या-क्या दिखाई देता है?' सभी को वृक्ष, बादल, गुरु आदि बहुत कुछ दिखाई दिए किन्तु अकेले अर्जुन को केवल गिद्ध नज़र आया। गुरु की आज्ञा पर अर्जुन ने बाण साधा और 'लक्ष्य' का संधान कर डाला। तब प्रसन्नचित गुरु ने अर्जुन को हृदय से लगा लिया था।

साधो! समझदार के लिए संकेत पर्याप्त है और मूर्ख के लिए महा विस्तार भी निरर्थक है। इन सन्दर्भों से आप और हमारे बच्चे समझ सकते हैं कि प्रतिभा को निखारने के लिए हमें कब क्या कैसे करना है।

■ विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

जिद का एकलव्य

कहानी बहुत पुरानी है और बहुत बार सुनी हुई भी। धर्नु विद्या में पारंगत होने के लिए एकलव्य ने गुरु द्रोण द्वारा गुरु दक्षिणा में अंगूठा मांग लेने के बाद भी अपनी जिद नहीं छोड़ी। वह ऐसा धनुर्धर बना कि एक दिन वही गुरु उसकी साधना के सामने नतमस्तक से हो गए। यह कहानी हमेशा स्कूलों में भी सुनाई जाती है, विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने के लिए। जब कोई विद्यार्थी यह ठान लेता है कि उसे अपना लक्ष्य हासिल करना ही है, तो फिर उसके लिए यह महत्वपूर्ण नहीं हो जाता कि उस लक्ष्य को पाने के लिए उसके पास मार्गदर्शक और जरूरी संसाधन है या नहीं। वह अपनी एकाग्रता, लगन और परिश्रम से उस लक्ष्य को हासिल करके ही रहता है। लेकिन जो लक्ष्य पाने के लिए एकाग्र नहीं होते उनके लिए लाख बहाने हो सकते हैं।

एकलव्य का उदाहरण इसीलिए दिया जाता है कि उसने न तिरस्कार की परवाह की और न ही किसी अभाव को ध्यान में रखा। तभी वनवासी होकर भी वह राजपरिवार के अर्जुन को भी पीछे छोड़ने में कामयाब माना गया। इस कहानी का सार यही है कि वे बच्चे ही अपनी मंजिल पर पहुंचते हैं जो बिना किसी किंतु-परंतु के अपने लक्ष्य को पाने की जिद पर अड़े रहते हैं। हम अपने परिवारों में देख सकते हैं कि कई बच्चे सब कुछ साधन होने के बाद भी परीक्षा में अपेक्षित सफलता नहीं हासिल कर पाते, जबकि कुछ ऐसे होते हैं जो संसाधन विहिन होने के बाद भी ऊंचाइयों को छू लेते हैं। ऐसे विद्यार्थियों का ही समाज में सम्मान होता है। अखबारों में उनके फोटो छपते हैं और विभिन्न मंचों पर उन्हें बधाई के साथ पुरस्कार भी दिए जाते हैं। कई संस्थाएं उन्हें और भी प्रोत्साहित करने के लिए मदद के लिए भी आगे आती हैं। कहने का तात्पर्य यही है कि हमें अपने बच्चों को भी इसी तरह प्रेरित करना चाहिए। वे संसाधनों के भरोसे आगे बढ़ने की सीढ़ी तलाशने की बजाए अपने पैरों की मजबूती से आगे बढ़ाना सीखें। बच्चों के लिए भी यह महत्वपूर्ण संदेश है कि सब कुछ होने के बाद भी लक्ष्य हासिल करने के लिए किया गया परिश्रम ही वह अंतिम सीढ़ी है, जो मंजिल पर पहुंचा सकती है। इसलिए लक्ष्य पाने की पहली सीढ़ी हमारा परिश्रम ही बनायी जानी चाहिये।

श्री माहेश्वरी टाइम्स ने लक्ष्य हासिल करने वाले समाज के 10 वीं और 12 वीं के विभिन्न बोर्ड परीक्षा के उन बच्चों का अपने प्रतिभा विशेषांक के माध्यम से सम्मान गत वर्ष की तरह इस बार भी किया जा रहा है, जो 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल करने में कामयाब हुए। इस बार भी हम करीब 450 ऐसे बच्चों को सम्मानित कर रहे हैं। इन बच्चों में कई ऐसे हैं जिन्हें लक्ष्य हासिल करने में अभाव का भी सामना करना पड़ा। इन बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। वे दूसरों के लिए प्रेरणा भी बने हैं। हम उन बच्चों का भी अभिनंदन करते हैं जो इनसे कम अंक ला पाए और उनका भी जो सफलता की सीढ़ी नहीं चढ़ सके। जो मंजिल से दूर रह गए हैं, उनके लिए अभी अवसर खत्म नहीं हुए हैं। वे दोबारा मेहनत कर अपनी काबिलियत साबित कर सकते हैं। जो कमी रह गई उसे दोगुनी ताकत से पूरी करने का संकल्प कर आगे बढ़ें। खींवसर के दीपक करवा आप सब के लिए बेस्ट उदाहरण हैं। वे आईएएस बन गए हैं। उन्होंने इस लक्ष्य को दिन-रात परिश्रम के बाद पाया है। उन्हें हम संपूर्ण समाज की ओर से बधाई देते हैं।

घरों को सहेजने, संवारने वाली गृहिणियों के लिए भी श्रीमाहेश्वरी टाइम्स ने सातुड़ी तीज पर फोटो प्रतियोगिता का आयोजन किया था। जिन गृहिणियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रविष्ठियां भेंजी, जिनमें से 6 का चयन करना कठिन कार्य था, क्योंकि सभी एक से बढ़कर एक थे। आखिरकार चयन समिति द्वारा चयनीत 6 प्रतियोगियों के फोटो को सम्मानित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज की परंपरा को नई पीढ़ी में संप्रेषित करना मात्र है। वास्तव में माहेश्वरी समाज का उत्पत्ति पर्व सातुड़ी तीज ही है। हमारी उत्पत्ति की कथा और उससे जुड़ी परंपरा अगली पीढ़ी में पहुंचे तथा उसमें और निखार आए, इस प्रेरणा से आयोजित स्पर्धा में बड़ी संख्या में गृहिणियों ने भागीदारी की है। सभी को इसकी बधाई। पुरस्कार के लिए उन्हें चुना गया जिन्होंने इस परंपरा में पूजन विधि, सामग्री और वेशभूषा का विशेष ध्यान रखा। वस्तुतः परंपराओं को बनाए रखने में गृहिणियों का विशेष योगदान है। वे जिस खूबी के साथ इनका पालन करती हैं, उतनी ही शुद्धता से वे इन्हें अगली पीढ़ी में पहुंचाती भी हैं। इसलिए माहेश्वरी समाज अपनी परंपराओं के पालन के लिए पहचाना जाता है।

यह अंक समाज की प्रतिभाओं को समर्पित है। इसमें सभी स्थायी स्तंभों के साथ पठनीय और ज्ञानवर्द्धक सामग्री का समावेश किया गया है। निश्चित तौर से यह अपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। अगला अंक समाज के वरिष्ठ नागरिकों पर आधारित होगा। अपनी प्रतिक्रिया से भी अवश्य अवगत करवाऐं।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

प्रतिष्ठित उद्योगपति के रूप में अपनी पहचान रखने वाले महेंद्र रामेश्वरलाल काबरा का जन्म 25 अगस्त 1957 को विराटनगर (नेपाल) में हुआ था। सन 1962 में आपका परिवार नेपाल से इंदौर तत्पश्चात मुंबई आ बसा। स्नातक (इंजीनियरिंग) तथा डिप्लोमा इन मैनेजमेंट की डिग्री प्राप्त कर पारिवारिक उद्योग व्यवसाय से जुड़ गए। तकनीकी ज्ञान के कारण आप उद्योग व्यवसाय में दिन-प्रतिदिन नए-नए आयाम स्थापित करते गए और आज उनका 'राम रत्ना समूह' एक प्रतिष्ठित स्थान पर पहुंच गया है। उनकी बाल्यावस्था से ही सामाजिक कार्यों के प्रति भी विशेष रुचि रही है। समाजसेवा अंतर्गत आप पूर्व जिला संघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-घाटकोपर एवं बड़ौदा, संस्थापक अध्यक्ष भारत विकास परिषद -घाटकोपर, अध्यक्ष राम रत्ना विद्या मंदिर भाईंदर, कोषाध्यक्ष गीता परिवार, कार्यकारिणी समिति सदस्य-माहेश्वरी प्रगति मंडल, पूर्व अध्यक्ष मध्य मुंबई क्षेत्रीय समिति, प्रबंध न्यासी हेमा फाउंडेशन सहित विभिन्न रूप में कई सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक संस्थाओं से संबद्ध होकर विशेष योगदान दे रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कार्यकारी निदेशक रामरत्ना समूह के साथ समूह के तकनीकी, अन्वेशन एवं विकास व उत्पादन कार्य का दायित्व संभाल रहे हैं। संरक्षक सदस्य दी एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया तथा उपाध्यक्ष वाइडिंग वायर्स एसोएिसशन के रूप में भी योगदान दे रहे हैं।

संस्कार : सुनहरे भविष्य का ब्लू प्रिंट

मानव सभ्यता की वैज्ञानिक और पौराणिक मान्यताओं में मानव जीवन की खुशहाली का रास्ता संस्कारों से होकर गुजरता है, ऐसा बताया गया है। ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर मानव सभ्यता अफ्रीका के जंगलों से शुरू हुई, जिसने धीरे-धीरे पूरी पृथ्वी पर अपना अधिकार जमा लिया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार-सृष्टि की उत्पत्ति से अब तक असुरों के संहार के लिए हमारे त्रिदेवों की रचना का आधार भी मनुष्य का जीवन ही है। वैज्ञानिक मान्यताओं के अनुसार पृथ्वी के निर्माण से लेकर अब तक का समय लगभग 4.5 अरब वर्ष है, जिसमें मानव की उत्पत्ति सिर्फ 2.5 लाख साल पुरानी है। मनुष्य ने अपनी बुद्धि-विवेक और खोजी क्षमता के आधार पर पूरी पृथ्वी पर विजय तो प्राप्त कर ली, लेकिन स्वयं के जीवन को भस्मासुर की तरह अनेक खतरों से भर दिया।

हमारी पृथ्वी जिस युग से गुजर रही है, उसे एन्थ्रोपोसीन काल नाम दिया गया है। इसकी अवधारणा है कि पृथ्वी पर होने वाले सभी प्रकार के परिवर्तन के लिए अब केवल मनुष्य ही जिम्मेदार है। यहां तक कि कोरोना महामारी का कारण भी मनुष्य को ही माना जा रहा है, यदि आधुनिकता एवं सभ्यता अपने चरम पर पहुंच गई, तो वर्तमान में मानवता को यदि खतरा है तो सिर्फ मनुष्य से। आखिर ऐसा क्यों हुआ? आखिर कहां त्रुटि रही? यहां मैं विशेष रूप से दो बिंदुओं को स्पष्ट करना चाहूंगा। प्रथम-आज का आधुनिक दृष्टिकोण और दूसरा-हमारा सनातनवादी दृष्टिकोण। आधुनिक दृष्टिकोण-मूलतः पश्चिम विचारकों की देन है, जिसकी शुरुआत ईसा से लगभग 100 वर्ष पूर्व यूनान में उस काल में हुई जब मनुष्य ने पृथ्वी और उसके संसाधनों का दोहन करना शुरू ही किया था। फिर धीरे-धीरे संसाधनों की प्राप्ति और नियंत्रण का अंधा युग प्रारंभ होता चला गया।

इसके विपरीत हमारे देश की सभ्यता, जो अब तक अत्यंत उन्नत और विकसित है, इसमें चारों ओर खुशहाली छाई हुई थी। इसका प्रमुख कारण था हमारे जीवन दर्शन के लिए प्रमुख आधार और हमारे मूल्य। कल्पना कीजिए कहां, आज का आधुनिक एकल परिवार का स्वार्थ सिद्धांत और कहां वसुधैव कुटुम्बकम् की विशाल परिकल्पना। बहुत सीधी सच्ची और साधारण बात है- संस्कार हमें जोड़ कर रखता है और उसकी अनुपस्थिति हमें विखंडित करती है। मैं आधुनिकता का समर्थक हूं, परंतु ऐसा विकास जिसमें परिवार, प्यार, समाज, राष्ट्र आदि की परिभाषा ही बदल गए हों, ऐसे विकास का मैं कतई समर्थक नहीं हूं। मैं भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण का पक्षधर हूं, परंतु दिशाहीन विकास का नहीं। विज्ञान को दिशा सिर्फ संस्कार दे सकते हैं। यदि संस्कार नहीं हैं, तो सारा विकास संहार की एक परिकल्पना मात्र बनकर रह जायेगा तथा सारी सृष्टि एक आत्मा विहीन शरीर।

मानव शरीर सिर्फ पांच तत्वों से निर्मित पदार्थ नहीं है। यदि उसमें आत्मा नहीं होगी तो ये सब निर्जीव की भांति बेकार हैं। आत्मा शब्द की परिकल्पना ही मूल्यों से होती है, संस्कार से होती है। यदि संस्कार ही नहीं होंगे तो जीवन एक अंधियारी भूलभुलैया के अलावा और कुछ नहीं रह जाएगा। जिस प्रकार कोई भी बड़ी वस्तु आकार में तो बड़ी हो सकती है परंतु पूरी तरह से समृद्ध नहीं हो सकती। उसी प्रकार विज्ञान हमें आकार दे सकता है परंतु समृद्धता नहीं। इसे तो सिर्फ मूल्यों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए मेरा मानना है कि समाज निर्माण में प्रथम शिल्पकार के रूप में संस्कार की आवश्यकता है। संस्कार संवर्धन जीवन का ब्लू प्रिंट है। यदि इसकी अनदेखी की गई तो विध्वंसक परिणाम सुनिश्चित है।

महेन्द्र काबरा
अतिथि सम्पादक

श्री नौशल्या माताजी

टीम SMT

श्री नौशल्या माताजी माहेश्वरी समाज की खटोड़ खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर श्री नौशल्या माताजी के प्रति लोगों की अपार श्रद्धा है। अग्रवाल समाज वाले भी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

श्री नौशल्या माताजी का भव्य मंदिर नागौर जिले के ग्राम जायल में स्थित है। इसकी स्थापना करीबन 200-250 वर्ष पूर्व हुई थी। यहाँ लगे शिलालेख के अनुसार इस मंदिर का जीर्णोद्धार 21 अप्रैल सन् 1947 को हुआ। यह मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि यहाँ माताजी की प्रतिमा नहीं है। केवल माताजी का त्रिशुल बना हुआ है जिसकी शक्ति स्वरूप में मांडना मांडकर पूजा होती है। नवरात्रि में विशेष श्रंगारित त्रिशुल की रचना होती है। आम श्रद्धालुओं की माताजी के प्रति इतनी श्रद्धा है कि दूर-दूर से श्रद्धालु यहाँ आते हैं। मान्यता के अनुसार यह ऐसा सिद्ध स्थान है जहाँ मांगी गई मिन्नतें अवश्य पूरी होती हैं। प्रतिदिन सुबह यहाँ पूजा होती है और मिश्री आदि पंच मेवे का भोग लगाया जाता है।

विशेष आयोजन

चेत्र व आसोज नवरात्रि में यहाँ भव्य मेला लगता है जिसमें दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं तथा चुनड़ चड़ा कर मिन्नत मांगते हैं व पूरी भी करते हैं। इस दौरान यहाँ विशाल भंडारा भी होता है। स्थानीय ग्रामीण इस आयोजन में विशेष सक्रियता निभाते हैं।

कैसे पहुँचें-कहाँ ठहरें

ग्राम जायल सड़क मार्ग से जुड़ा है। नागौर, डेगाना, जयपुर, सीकर, झुंझुनू, पिलानी, दिल्ली, हिसार, जोधपुर, बाड़मेर, बालोहरा, सूरत, अहमदाबाद, फलौदी आदि से ग्राम जायल की बसें उपलब्ध रहती हैं। मंदिर पुजारी ताराचंदजी मंदिर परिसर में ही निवास करते हैं। अतः चाहे जाने पर भोजन व ठहरने की व्यवस्था वे करवा देते हैं।

सातुड़ी तीज प्रशंसित चित्र

उत्साह ने बढ़ाया आयोजन का 'सौन्दर्य'

समाज के परंपरागत गरिमामय पर्व सत्तु तीज के आयोजन को लेकर कई चित्र प्राप्त हुए। सभी आयोजन अत्यंत उत्साह के साथ समाज की परंपरानुसार हुए। अतः इसमें से शीर्ष 6 चित्रों का प्रकाशन हेतु चयन अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था। लेकिन परम्परागत नियमानुसार यह चयन भी अनिवार्य था। अतः चयन मंडल ने अपने विशिष्ट मानदंडों के आधार पर 6 चित्रों का प्रकाशन के लिए चयन किया। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार उन समस्त समाजजनों का हार्दिक अभिनंदन करता है, जिन्होंने उत्साह के साथ अपने आयोजन के चित्र प्रेषित किए। जिनके चित्र प्रकाशित नहीं हो पा रहे हैं उनसे क्षमा प्रार्थी हैं।

बूंदी (राज.). स्थानीय माहेश्वरी समाज की युवतियों एवं महिलाओं ने कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए मनाया तीज पर्व।

दिल्ली। श्यामा भागंड़िया (प्रदेश अध्यक्ष माहेश्वरी महिला संगठन दिल्ली)

कोटा (राज). श्रीमती निधि लाहोटी।

कोटा. किरण और नीता बागड़ी ने अपनी पुत्रवधुओं के साथ पर्व मनाया।

वर्धा (महा.)। श्रीमती संतोष मूरलीधर पनपालिया

मालेगांव. श्रीमती श्रीकांता मूंदड़ा अपनी पुत्रवधू सुमिता मूंदड़ा के साथ.

शिव–पार्वती से की अखंड सौभाग्य की कामना

माहेश्वरी समाज ने भादव कृष्ण पक्ष तृतीया को अपना परंपरागत पर्व सातुड़ी तीज एवं कजली तीज के रूप में भी मनाया गया। दोनों ही पर्वों के अंतर्गत महिलाओं ने व्रत रखकर भगवान शिव-पार्वती से अखंड सौभाग्य की कामना की।

उज्जैन. माहेश्वरी समाज का विशिष्ट पर्व सातुड़ी तीज के रूप में परंपरानुसार मनाया गया। महिलाओं ने पति की दीर्घायु एवं युवतियों ने श्रेष्ठ वर की कामना से निराहार व्रत रखा। रात्रि को नीम के वृक्ष की टहनी नीमड़ी माता की स्थापना कर शिव परिवार की पूजा अर्चना के साथ अपना व्रत कच्चे दूध, ककड़ी, गेहूं, चना, चावल तथा मगज से निर्मित सत्तू अर्पित कर व चंद्रमा को अर्घ्य देकर सत्तू का प्रसाद ग्रहण कर पूर्ण किया। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष हेमलता गांधी, अलका काकाणी, रुचि गांधी, सुरभि काकाणी ने पूजन किया।

कोलकाता. कजरी तीज के मौके पर लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए डागा परिवार की बहू-बेटियों ने ऑनलाइन तीज का उत्सव मनाया। तीज का उत्सव माहेश्वरी समाज के प्रमुख त्योहार में से एक है एवं इस दिन पूरे परिवार की बहू-बेटियां एक साथ पूर्ण शृंगार करके भगवती गौरी से अखंड सुहाग की कामना करती हैं। इस वर्ष रजनी डागा व उमा डागा की पहल पर जूम एप्प पर तीज मनाई गई।

उज्जैन. श्री माहेश्वरी महिला समाज नृसिंह मंदिर द्वारा विगत 40 वर्षों से पूर्ण शुद्धता एवं स्वच्छता के साथ सत्तू का आटा तैयार किया जा रहा है। इस बार कोरोना महामारी के समय भी मंडल द्वारा सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का पालन करते हुए सत्तू का आटा तैयार किया गया। सचिव उषा भट्टर ने बताया कि आटा उज्जैन के अलावा कई शहरों में भेजा जाता है। इस वर्ष सातुड़ी तीज पर नीमड़ी एवं पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

भटिंडा. माहेश्वरी समाज के पारंपरिक पर्व कजली तीज कोविड-19 के चलते माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा ऑनलाइन मनाया गया। इस में प्रादेशिक अध्यक्ष एवं सचिव पूर्व अध्यक्ष मंजू सोमानी, आशा लड्ढा, शीला शारदा, संध्या काबरा, सरोज शारदा व प्रदेश से लगभग 20-22 संगठनों ने हिस्सा लिया। बठिंडा संगठन की अध्यक्ष सविता होलानी, सचिव अंजू मालपानी व पूनम राठी सहित संगठन के सभी सदस्यों का योगदान रहा। मंच संचालन दिव्या मालपानी व रिम्पी कोठारी ने किया।

इंदौर. सातुड़ी तीज पर महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण और 'जल बचे तो, अच्छा कल' का संकल्प लिया। संस्था 'आनंद गोष्ठी' द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 'सातुड़ी तीज' का पर्व उत्साह उमंग से कोविड नियमों का पालन करते हुए मनाया गया। इस अवसर पर सुधा मालू ने आकर्षक रंगोली बनाई। कार्यक्रम संयोजिका सुषमा मालू ने तीज के गीतों को स्वर दिए। अलका बाहेती, दीपिका बाहेती, शीला काबरा, नूपुर मालू, पूजा काबरा, रीना विजयवर्गीय, स्वाति देशपांडे ने पूजा विधि संपन्न करवाई।

बहादुरगढ़. सावन शुक्ल तृतीया को हरियाली तीज मनाई जाती है। इस तीज पर कुंवारी लड़कियां और सुहागिनें सभी भगवान शिव और पार्वती की पूजा करती हैं। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा हर साल माहेश्वरी भवन में तीज का सिंजारा धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन इस बार सिंजारा व्हाट्सएप द्वारा अपने-अपने घरों में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मनाया गया। इस उत्सव पर 'हरी सब्जियों' द्वारा शृंगार प्रतियोगिता रखी गई। सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कनक सोमानी, कुसुम भुराड़िया, सविता माहेश्वरी, संजना खटोड़, बबीता खटोड़, सोनल खटोड़, अंजना राठी, रितु पच्चीसिया और स्वीटी मंत्री ने इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। अध्यक्ष अनुराधा सोमानी और सचिव अमृता चांडक ने सभी प्रतियोगियों का आभार व्यक्त किया।

बरेली. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा 2 अगस्त को 2 दिवसीय तीजोत्सव मनाया गया। इसमें जूम एप के माध्यम से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षिकाओं एवं अध्यक्ष द्वारा किया गया। कुमकुम काबरा एवं शशि साबू ने उद्बोधन दिया। राखी माहेश्वरी ने कोविड 19 के साथ जीना सिखाया। मंजू बियानी ने बिना घी और चीनी की मिठाई बनाना सिखाई। मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ तीज एवं सावन के गीत प्रस्तुत किए गए। अंत में कोषाध्यक्ष अंजलि काबरा ने रिपोर्ट पढ़ी एवं सहसचिव मनीषा झंवर ने आभार व्यक्त किया। 2 अगस्त को सीमा, अंजलि काबरा, मनीषा एवं दिव्या झंवर के द्वारा वाट्सएप तीज गेम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव रेनू परवाल ने किया।

बुरा वक्त एक ऐसी तिजोरी है,
जहां से सफलता के हथियार मिलते हैं ?
'धैर्य धारण करें'

प्रतिरक्षण चूर्ण का किया वितरण

भीलवाड़ा. आरोग्य भारती चित्तौड़ प्रांत तथा टिम्बर एंड प्लायवुड समिति के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिरक्षण चूर्ण वितरण समारोह स्थानीय हरिसेवा उदासीन आश्रम धर्मशाला में गत 1 जुलाई को आयोजित किया गया। आरोग्य भारती के प्रांत सचिव कैलाश सोमानी ने बताया कि शुभारंभ स्वामी हंसाराम महाराज के कर कमलों से किया गया। प्रवक्ता प्रमोद राठी ने बताया कि भगवान धन्वंतरि का पूजन व दीप प्रज्वलन सेवा भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मूलचंद, सहक्षेत्रीय संगठन मंत्री महेंद्र भारती, चित्तौड़ प्रांत सहसेवा प्रमुख रवींद्र जाजू, भीलवाड़ा महानगर संघचालक चांदमल सोमानी, आरोग्य भारती के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. डीएल काष्ट, टिम्बर एवं प्लाईवुड समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल राठी व संत मायारामजी के कर-कमलों द्वारा किया गया। संस्था द्वारा इस अवसर पर 5 हजार पैकेट का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी 5 हजार पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

समाज के प्रस्तावित भवन की नींव का मुहूर्त

भीलवाड़ा. बापूनगर माहेश्वरी समाज सेवा समिति के मंत्री गोपाल जागेटिया ने बताया कि पटेल नगर स्थित समाज के प्लाट पर 18 जुलाई को भवन निर्माण हेतु विधि-विधानपूर्वक मंत्रोचार करके नींव का मुहूर्त किया गया। जयप्रकाश नौलखा, शरद गांधी, कैलाश लखोटिया, ओमप्रकाश काकानी, रोशन नुवाल, भगवतीलाल नौलखा, शिवरतन करवा, दिनेश लखोटिया सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद थे। समाज अध्यक्ष दिनेश पेड़ीवाल ने सभी का आभार प्रकट किया।

शतायु होने पर किया यज्ञ का आयोजन

शाहपुरा. वरिष्ठ आर्य समाजी सोहनलाल शारदा के शतायु होने पर वैदिक मंत्रोचार के साथ विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें विश्व शांति व मानव मात्र के कल्याण को लेकर विशेष आहुतियां डाली गईं। श्री शारदा के सुपुत्र जयप्रकाश शारदा व पौत्र प्रेमप्रकाश शारदा ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती के अनुयाई के तौर पर करीब 85 वर्ष से नियमित हवन, संध्या और गीता का पाठ करना भी शारदा की दिनचर्या में शामिल रहा है। इन्हें चारों वेद, भगवत गीता, मनुस्मृति, संस्कार विधि और कई आर्य ग्रंथ, भगवत गीता आदि के 700 श्लोक और वेदों के कई मंत्र कंठस्थ हैं।

51 जोड़ों का करवाएंगे नि:शुल्क विवाह

पुष्कर. स्व. श्री नंदलाल तोषनीवाल एवं स्व. श्री सीताराम काबरा के पौत्री-पौत्र के विवाह के उपलक्ष्य में तोषनीवाल और काबरा परिवार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसके अनुसार वे समाज के 51 विवाह योग्य जोड़ों की शादी निःशुल्क करवाएंगे। उन्होंने अपील की कि यदि किसी परिवार में विवाह तय हो गया है और वर्तमान परिस्थितियों में आर्थिक कारणों से स्थगित करना चाहते हैं। तो कृपया स्थगित न करें। उसे संपन्न कराने का सौभाग्य उन्हें प्रदान करें। उक्त जानकारी ओमप्रकाश तोषणीवाल व रामानंद काबरा ने दी।

उत्तम से सर्वोत्तम वही हुआ है;
जिसने बड़ा दिल रखकर
आलोचनाओं को सुना और सहा है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

सांगवी. कोरोना के कारण ब्लड बैंक में खून की कमी होती जा रही है। ऐसे में सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से 21वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कोविड 19 के सभी नियमों का पालन करते हुए पिंपळे सौदागर स्थित शिवम सोसायटी में इसका आयोजन किया गया। इसमें पिंपरी चिंचवड नगरसेविका निर्मला कुटे (सभापति महिला बालकल्याण समिति), सतीश लोहिया, संदीप भोळे, राम बांगड़ आदि मौजूद थे। शिविर में 47 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। उक्त जानकारी सतीश लोहिया ने दी।

रवि बने चार्टेर्ड इंजीनियर

पीलीबंगा (हनुमानगढ़). जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व उपाध्यक्ष दीवानचंद माहेश्वरी व रतनीदेवी होलानी के सुपुत्र रवि माहेश्वरी को विश्व के सबसे पुराने प्रोफेशनल संस्थान इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर इंडिया द्वारा चार्टेड इंजीनियर की उपाधि प्रदान की गई। वे वर्तमान में एसोसिएट मेंबर इंस्टीट्यूशंस ऑफ वेल्यूअर के सदस्य हैं तथा भूमि मूल्यांकन, संपत्ति मूल्यांकन का कार्य कर रहे हैं।

टैलेंट हंट का हुआ आयोजन

कोलकाता. वीआईपी अंचल कोलकत्ता माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गत 26 जुलाई को ऑनलाइन टैलेंट हंट आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा शोभा सादानी, पूर्वांचल उपाध्यक्ष मंजु कोठारी, प्रदेशाध्यक्षा निर्मला मल्ल, मंत्री सीमा भट्टड़, प्रदेश सभा अध्यक्ष विनोद जाजू, सयुंक्त मंत्री गणेश बागड़ी, प्रदेश युवा अध्यक्ष केशव डागा, वीआईपी अंचल सभा अध्यक्ष राजेंद्र झंवर, मंत्री राजेंद्र बागड़ी, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष शोभा लाखोटिया, पुष्पा मूंदडा, निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा डागा आदि उपस्थित थे। सभी प्रतियोगी को प्रमाण-पत्र देकर एवं विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं नकद राशि पेटीएम द्वारा प्रदान करके सम्मानित किए जाएगा। विशेष सहयोगी विनोद जाजू, थे। जूम, यू-ट्यूब पर इसका आयोजन हुआ।

अखंड शिव महाजाप का आयोजन

जोधपुर. कोरोना काल के इस समय में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए जिला पर्व एवं सांस्कृतिक समिति जोधपुर की ओर से अखंड शिव महाजाप का आयोजन किया गया। इसमें कार्यक्रम संयोजिका सुनीता हेड़ा ने व्हाट्सएप में ग्रुप बनाकर उसके माध्यम से अखंड महा शिवजाप का आयोजन करवाया। अध्यक्ष शिवकन्या धूत और उषा बंग ने बताया कि पूरे भारतवर्ष कोलकाता, हैदराबाद, अहमदाबाद, सूरत, चित्तौड़गढ़ और भी कई जगह से शिव भक्तों ने इसमें हिस्सा लिया। यह अखंड शिव जाप सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक अनवरत जारी रहा। 200 भक्तों के सहयोग से ओम नमः शिवाय की 8020 माला और 866166 बार ओम नमः शिवाय का जाप किया गया और महादेव के चरणों में अर्पण किया गया। इस अनुष्ठान के अंतर्गत कई लोगों ने महामृत्युंजय का जाप भी किया।

महारुद्राभिषेक का किया आयोजन

हावड़ा. श्रावण मास के अवसर पर माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला संगठन व माहेश्वरी युवा मंच हावड़ा की ओर से रुद्राभिषेक का आयोजन यजमान अनिल सोमाणी, नापासर वालों के घर पर गत 2 अगस्त को किया गया। इस बार कोरोना महामारी को देखते हुए गत 22 वर्षों की तरह इस बार बड़े महारुद्राभिषेक का आयोजन नहीं कर पाए। अतः इस बार इस आयोजन को घर पर ही कर के फेसबुक पर लाइव किया गया। इसमें महेश सोमाणी, हरीश सोमाणी और युवा मंच अध्यक्ष नारायणप्रसाद चांडक, मंत्री रोहित राठी आदि पूजा में शामिल हुए।

सिर्फ शब्दों से न करना,
किसी के वजूद की पहचान,
हर कोई, उतना कह नहीं पाता,
जितना समझता और महसूस करता है।

समीक्षा खेलेगी अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल स्पर्धा

नागपुर. समाज के वरिष्ठ घनश्याम-सरोज चांडक की प्रपौत्री तथा स्वप्निल-स्नेहल चांडक की सुपुत्री समीक्षा चांडक का राष्ट्रीय स्तर पर 14 वर्ष से कम आयु वर्ग में अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयन हुआ है।उल्लेखनीय कि समीक्षा गत वर्ष आयोजित अखिल भारतीय बास्केटबॉल टीम की कप्तान भी रही। उनके नेतृत्व में ही टीम ने सेमीफाइनल जीत कर रजत पदक हासिल किया था।

कोठारी बंधुओं को अर्पित की श्रद्धांजलि

कोलकाता. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन ने रामजन्म भूमि निर्माण के भूमिपूजन की पूर्व संध्या पर मंदिर निर्माण के मार्ग को प्रशस्त करने में मुख्य भूमिका निभाने वाले समाज के वीर स्व. श्री राम कोठारी एवम स्व. श्री शरद कोठारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या आमंत्रित की गई उन वीरों की बहन पूर्णिमा कोठारी उपस्थित रही और उन्होंने उस पूरे घटनाक्रम पर प्रकाश डाला।

पूर्णिमा कोठारी ने लोगों के सवालों के जवाब भी दिए कि इस घटनाक्रम के बाद से उनका और उनके परिवार का जीवन किस तरह से पूरी तरह बदल गया। कार्यक्रम में मौजूद अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष श्याम सोनी ने उन वीरों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ ही अयोध्या में एक भव्य माहेश्वरी भवन निर्माण करने की घोषणा भी की। कारसेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अविनाश माहेश्वरी के पिता माणकचंद माहेश्वरी भी कार्यक्रम में उपस्थिति थे। उन्होंने अविनाश के गौरवमयी बलिदान के ऊपर प्रकाश डाला। महिला संगठन अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने कोठारी बंधुओं को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन वीरों का बलिदान आज सफल हुआ है। युवा संगठन की तरफ से अध्यक्ष राजकुमार काल्या, महामंत्री आशीष जखोटिया, कोषाध्यक्ष राहुल बाहेती, संगठन मंत्री भरत तोतला आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री राजेश मंत्री एवम वृहत्तर कोलकाता माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष केशव डागा ने किया।

एक शाम कविताओं के नाम का आयोजन

नागपुर. माहेश्वरी महिला समिति नागपुर ने 'अभिव्यक्ति 2020-एक शाम कविताओं के नाम' कार्यक्रम का ऑनलाइन गत 25 जुलाई को आयोजन किया गया। करीब 300 से ज्यादा लोगों ने जुड़कर आयोजन को सफल बनाया। इस माहेश्वरी महिला समिति द्वारा आयोजित इस कवयित्री सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों की करीब 58 प्रतिभाओं ने अपनी विचारात्मक खूबियों को स्व-रचित, स्व-पठित कविताओं के रूप में साझा किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. छबि चांडक द्वारा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में विदर्भ सचिव सुषमा बंग तथा प्रमुख अतिथि धुलिया से सुनीता चांडक थीं। कार्यक्रम अध्यक्ष संगीता मंत्री एवं सचिव मंजू चांडक के सान्निध्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का संचालन पूर्णिमा काबरा ने किया।

संचालक मंडल की बैठक संपन्न

बूंदी. महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के संचालक मंडल सदस्यों की बैठक सोसायटी कार्यालय पर आयोजित हुई। अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी ने की। इसमें सोसायटी के कार्य विस्तार, आर्थिक स्त्रोतों को बढ़ाने के साथ-साथ समय व मांग के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं में बढ़ोतरी करने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। अध्यक्षता अध्यक्ष संजय लाठी ने की। उपस्थित सदस्यों ने कोरोना महामारी से उपजे हालतों के बीच गरीब व जरूरतमंद लोगों की अप्रत्यक्ष रूप से यथोचित सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक का संचालन मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वर मंडोवरा ने किया। आभार उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता ने माना। कोषाध्यक्ष सोहनलाल बाहेती, निदेशक मनीष मंत्री, सत्यप्रकाश नुवाल, मीनाक्षी काबरा, विशेष आमंत्रित सदस्य रमेश माहेश्वरी आदि मौजूद थे।

सावन खेल मेला टॉस्क का आयोजन

अहमदाबाद. पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत, माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद ने सावन खेल मेले का ऑनलाइन आयोजन किया। इसमें 120 सखियों की उपस्थिति रही। तीज- त्यौहार, आध्यात्मिक ज्ञान, देश भक्ति, बॉलीवुड आदि पर आधारित टास्क की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रखी गई। इसमें अध्यक्ष नीलिमा मालू एवं सचिव दीपा धूत ने व्हाट्सग्रुप पर उपस्थित सभी सदस्याओं का स्वागत किया।

ब्रिटिश वर्ल्ड रिकॉर्ड में सीतादेवी

कूच बिहार (प. बं.). आचार्यश्री महाप्रज्ञाजी के शताब्दी वर्ष के आयोजन के अवसर पर पुस्तक 'महाप्रज्ञा' का प्रकाशन हुआ। इस पुस्तक में 1121 प्रतिभागियों की 1121 कविताओं का प्रकाशन हुआ। इसमें कविता प्रकाशन के लिए कूच बिहार (पं.बंगाल) की सीतादेवी राठी का नाम 'दी ब्रिटिश वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हुआ है।

चार वेदों का अर्थ ना जानो तो कोई बात नहीं परंतु समझदारी, जवाबदारी, वफ़ादारी और ईमानदारी, ये चार शब्दों का मर्म जानो तो भी जीवन सार्थक हो जाये।

ऑनलाइन मनाया जन्माष्टमी उत्सव

बहादुरगढ़. हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कोविड 19 के चलते डिजिटल माध्यम से अपने घर पर रहकर छोटे-छोटे बच्चों को कृष्ण का रूप देकर जन्माष्टमी का उत्सव मनाया गया। इसमें पंजाब-हिमाचल एवं चंडीगढ़ के सभी संगठनों ने छोटे-छोटे बच्चों के फोटो एवं वीडिया की लाइव प्रस्तुति डिजिटल माध्यम से दी। महिला संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़, राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष विमला साबू, राष्ट्रीय सहप्रभारी अध्यात्म समिति ममता राठी एवं बाल विकास समिति की राष्ट्रीय सहप्रभारी रंजना भट्टड़ विशेष रूप से उपस्थित थीं। इस उत्सव में सूरत के अरविंद साबू ने गीता पर प्रवचन दिए। प्रदेशाध्यक्ष सुमन जाजू बहादुरगढ़, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूनम राठी बठिंडा, प्रदेश सचिव सीमा मूंदड़ा एवं सहसचिव नीतू भूतड़ा फरीदाबाद ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक महिलाएं शामिल थीं।

रजत राजकीय सेवा में चयनित

पीलीबंगा. समाज के वरिष्ठ स्व.श्री द्वारकाप्रसाद करवा के सुपौत्र व राजकुमार करवा के पुत्र रजत करवा का आईबीपीएस द्वारा आयोजित परीक्षा द्वारा कार्पोरेशन बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क पद पर चयन हुआ है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने जयपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक की भी डिग्री प्राप्त की है।

स्वाति राजकीय सेवा में चयनित

रावतसर (हनुमानगढ़). समाज की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती कृष्णादेवी जाजू-स्व.श्री तेजमाल की सुपौत्री तथा रमेशकुमार व उषा जाजू की सुपुत्री स्वाति राजकीय सेवा में चयनित हुई हैं। उन्होंने सीकर जिले के फतेहपुर ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोडिया में कनिष्ठ सहायक का कार्यभार ग्रहण किया।

महिला मंडल ने मनाई रजत जयंती

गुना. माहेश्वरी महिला मंडल सदस्यों द्वारा मंडल के 25 वर्ष पूरे होने पर ऑनलाइन रजत जयंती समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इसमे मंडल की स्थापना करने वाली मुख्य अतिथि ललिता मालपानी, प्रदेश की वर्तमान अध्यक्ष प्रतिभा झंवर, प्रदेश सचिव रंजना बाहेती आदि उपस्थित थीं। हास्य नाटक की प्रस्तुति शोभा राठी, पूजा राठी, कंचन चांडक, राखी भट्टड़ आदि द्वारा दी गई। मंडल के मेम्बर को ऑनलाइन गेम पद्मा लाहोटी, प्रमिला लड्ढा आदि द्वारा खेलाया गया। कार्यक्रम का संचालन मंडल की सचिव ममता भट्टड़ द्वारा किया गया।

घर-घर मना हनुमान जन्मोत्सव

चित्तौड़गढ़. जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष कृष्णा समदानी एवं सचिव लीला आगाल ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हनुमान जन्मोत्सव पर पूरे जिले में संगठन की सदस्याओ द्वारा बच्चों और परिवार सहित हनुमान चालीसा का पाठ अपने'अपने घरों में ही करके वीडियो बनवाया गया। इसके चलते संगठन ने इंडिया रिकॉर्ड बनाया है। सुनीता भंडारी एवं वंदना भंडारी का इस कार्य में पूरा पूरा सहयोग रहा। रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट लेते समय प्रदेशाध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल, सरस्वती रादंड, प्रेमदेवी मानधना, चंदा नामधर, रितु सोडाणी सहित संगठन की कई सदस्याएं मौजूद थी। चित्तौड़गढ़ जिला माहेश्वरी महिला संगठन जिलाध्यक्ष कृष्णा समदानी व जिला सचिव लीला आगाल के नेतृत्व में सभी सदस्याओं ने योगदान दिया।

सदा - सर्वदा - सर्वोत्तम

58 मंगल वस्त्रालय
जयस्तंभ चौक, अमरावती.
☎ 2572672

Colors & Weaves
by shreemangalam
1st Floor, Sahakar Bhavan,
Jaistambh Chowk, Amravati. 2569458

मंगलम्
जयस्तंभ चौक, अमरावती.
☎ 2564172

घागरा ओढणी, बनारसी शालु, डिझायनर वर्क साडीयाँ, प्युअर सिल्क साडीयाँ, पैठणी, कांजीवरम्, ९वारी पातळे, सलवार सुट, कुर्ती, इंडो वेस्टर्न, इव्हीनींग गाऊन

अपूर्वा बनी सहायक कलेक्टर

जोधपुर. स्व. श्री आनंदीलाल परवाल की पौत्री, समाजसेवी महेश-राजेश्वरी परवाल की सुपुत्री अपूर्वा परवाल राजस्थान प्रशासनिक सेवा में जोधपुर में सहायक कलेक्टर के पद पर नियुक्त हुई हैं। अपूर्वा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण कर यह उपलब्धि हासिल की है। अपूर्वा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है और सीबीएसई की दसवीं एवं 12वीं कक्षा की परीक्षा में भी माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल जयपुर से टॉप किया था। इंजीनियरिंग करने के पश्चात उनकी जागरूकता प्रशासनिक सेवा के लिए हुई एवं अपने प्रथम प्रयास में ही वह आरएएस में गर्ल्स कैटेगरी में नौंवा स्थान प्राप्त करने में सफल रही। अपूर्वा शतरंज की भी खिलाड़ी है वे राज्य स्तर पर कई प्रतियोगिता भी जीती है।

सारडा आईआईसीए ब्रांच अध्यक्ष

देशनोक (जिला बीकानेर). समाज की वरिष्ठ काशीदेवी सारड़ा -स्व. श्रीप्रयागदास सारड़ा के सुपौत्र तथा किशनगोपाल सारड़ा व बिमला देवी के सुपुत्र सीए निर्मलकुमार सारड़ा को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंट की बीकानेर ब्रांच का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्री सारड़ा इससे पूर्व ब्रांच उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

कोरोना के दौर में भी किया सत्तू आटा विक्रय

इंदौर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के स्थायी प्रोजेक्ट के अंतर्गत सत्तू आटा का निर्माण कर विक्रय का कार्य कोरोना महामारी से आई मुश्किलों का सामना करते हुए भी माहेश्वरी भवन गौराकुंड इंदौर कार्यालय से कुशलतापूर्वक हुआ। इस बार कोविड-19 के कारण परिस्थितियां विषम थीं, फिर भी जितनी मात्रा में सत्तू आटा बनवाया समय पर विक्रय हो गया। संस्था अध्यक्ष सुमन सारडा ने इसके लिए क्षेत्रीय संगठनों व कर्मठ कार्यकर्ताओं के साथ ही सचिव नम्रता राठी, संयोजक मीनाक्षी नवाल व पूनम मालपानी का आभार व्यक्त किया गया। इसमें ज्योति मुछाल, अर्चना माहेश्वरी, शीला काबरा, सुधा, ममता आगाल, सुधा सोमानी, निर्मला कलंत्री, सुधा मूंदड़ा, रूपा हेड़ा आदि का सहयोग रहा।

बंग बने को-ऑपरेटिव फेडरेशन अध्यक्ष

हैदराबाद. तेलंगाना प्रदेश की नगरीय सहकारी बैंकों एवं क्रेडिट सोसायटीज की प्रतिनिधि संस्था तेलगांना प्रदेश नगरीय सहकारी बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन लिमिटेड की प्रबंध समिति के चुनाव चिकडपल्ली स्थित फेडरेशन के कार्यालय में संपन्न हुए। तेलंगाना प्रदेश सहकारी चुनाव अधिकारी द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी रंगारेड्डी जिले के सहाकरी अधिकारी के.जनार्दन रेड्डी थे। सभी प्रबंध समिति सदस्य सर्वसम्मति से अगले 5 वर्ष के कार्यकाल के लिए निर्वाचित घोषित किए गए। इसमें अध्यक्ष रमेशकुमार बंग, उपाध्यक्ष सीएच कृष्णमूर्ति, बी बद्रीनारायण, महामंत्री संगम रामकृष्ण व संयुक्त मंत्री एम. नरसिम्हा रेड्डी चुने गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने सभी सदस्यों का सर्वसम्मति से दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपने पर आभार व्यक्त किया।

राम मंदिर शिलान्यास पर हर्ष

भीलवाड़ा. अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास पर पर्यावरणविद् व समाजसेवी बाबूलाल जाजू ने परिवार सहित दीपक जलाकर खुशी मनाई।

ज़िन्दगी में एक ऐसे इंसान का होना बहुत ज़रूरी है जिसको दिल का हाल बताने के लिए लफ़्ज़ों की जरुरत न पड़े

कोरोना के दौर में विवाह

संगरिया (हनुमानगढ़). लॉकडाउन के चलते विवाह के रीति-रिवाज व रस्में बदल रही हैं। ऐसा ही कुछ यहां के वार्ड 14 निवासी माहेश्वरी सभा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व राजस्थान पत्रिका संवाददाता कृष्ण करवा व राजकुमारी करवा के छोटे बेटे सॉफ्टवेयर इंजिनियर गौरव करवा की शादी में देखने को मिला। माता-पिता व बहन सहित परिवार के कई सदस्य इसमें शामिल नहीं हो सके व प्रशासन की अनुमति से केवल उनके भाई व भाभी ही विवाह के साक्षी बने। रायसिंहनगर निवासी द्वारकाप्रसाद पेड़ीवाल की पौत्री व प्रदीप पेड़ीवाल की पुत्री डॉली से उनकी शादी का कार्यक्रम घर पर ही पूर्ण हुआ।

लॉकडाउन में की सेवा

चंद्रपुर. समर्पित समाजसेविका सरिता-राजेंद्र मालू ने कोरोना महामारी के कारण हुए लॉकडाउन की संपूर्ण अवधि में मानवता की सेवा की। इसके अंतर्गत मास्क, साबुन, सेनेटाइजर स्लम एरिया में बांटे। इसके साथ ही जीवन यापन के लिए 2100 किलो चावल, 700 किलो गेहूं, 200 किलो दाल के साथ तेल, नमक, मिर्ची पावडर, हल्दी आदि के 500 किट बनाकर वितरित किए। उन्होंने रोज 30 से 35 लोगों को घर से बना हुआ खाना उपलब्ध करवाया। प्रतिदिन देश के सुपर हीरोज जैसे ट्रॅफिक पुलिस, पत्रकार, म्युनिसिपल वर्कर आदि के चाय, नाश्ता, शरबत का प्रबंध किया। पैदल जाते हुए यात्रियों को चप्पल बांटी। श्रीमती मालू के इन कार्यों को सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सराहा गया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती मालू अभी तक जाति-धर्म से परे हटकर कई अवसरों पर मानवता की सेवा भी कर चुकी है।

युवा संघ की कार्यकारिणी गठित

बैंगुलरु. माहेश्वरी युवा संघ की वार्षिक साधारण सभा में अगले सत्र की नई कार्यसमिति का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष धीरज काबरा, सचिव विवेक भूतड़ा, उपाध्यक्ष आनंद साबू, प्रतीक हेड़ा, सहसचिव अभिनय सोमानी, कोषाध्यक्ष कुशल जाजू चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ।

पुत्री के जन्मदिन पर पौधारोपण

भीलवाड़ा. ग्राम भोजरास में राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय में हरियालों राजस्थान अभियान के तहत स्नेहलता पति रमेशचंद्र मूंदड़ा निवासी आंगुचा ने पुत्री काव्या के जन्मदिन अवसर पर 31 पौधे भोजरास स्कूल, 25 पौधे सीबीईई ऑफिस हुरड़ा, 11 पौधे आंगुचा खेल मैदान में ट्री गार्ड सहित लगाए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य हेमलता बघेल, तहसील अध्यक्ष मुकेश काहल्या, वैश्य फेडरेशन तहसील संयोजक अशोक अजमेरा, मंत्री दुर्गालाल मालपानी, रेखा अजमेरा, कविता मूंदडा, महावीर मालपानी सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

मौसीराम की भागवत कथा

टोंक (राजस्थान). कोरोना काल में प्रवचनकार मौसीराम (श्रीमती राजश्री चितलांग्या, निवासी जयपुर) द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया गया। तीन दिवसीय यह कथा गत 8 से 10 अगस्त तक दीपक माहेश्वरी पूर्व न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा नवनिर्मित निर्सग आश्रम पर ग्राम ककोड़ जिला टोंक में संपन्न हुई। अंतिम दिवस को आश्रम पर लगभग 300 फलदार वृक्षों का पौधारोपण भी मंत्रोच्चार के साथ हुआ।

वृक्ष का मनाया प्रथम जन्मोत्सव

भीलवाड़ा. वृक्षारोपण के साथ वृक्षों की सार संभाल करना भी जरूरी है। मात्र पेड़ लगा देना ही पर्याप्त नहीं है। उक्त विचार एपी महेश बैंक के प्रबंधक राजेश जैन ने एक वर्ष पूर्व बैंक के एमडी एवं सीईओ उमेशचंद्र असावा द्वारा लगाए गए वृक्ष का प्रथम जन्मोत्सव पत्रिका के हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्ष के पूजन के साथ मनाते हुए व्यक्त किए। बैंक के संयुक्त प्रबंधक मदन खटोड़ ने बताया पिछले वर्ष बैंक के बाहर पांच पेड़ लगाए गए थे जिनकी वर्ष पर्यंत देखभाल करने के कारण वे फलफूल रहे हैं। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया।

पौधारोपण कर किया प्रकृति का स्वागत

चित्तौड़गढ़. जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा कृष्णा समदानी ने बताया कि जिले के अंतर्गत चित्तौड़गढ़ नगर, पहुना बस्सी, पुठोली, गंगरार, घोसुंडा, सावा, निंबाहेड़ा, कपासन, घटियावली, गिलुंड, सिंहपुर आदि संगठनों द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रदेशाध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल, उपाध्यक्ष चंदा नामधर, अभा कार्यसमिति सदस्य सरस्वती रादंड, निवर्तमान अध्यक्ष मंजू तोषनीवाल, प्रेमदेवी मानधना आदि ने पौधारोपण का आग्रह किया था। जिला सचिव लीला अगाल, उपाध्यक्ष शशि जागेटिया, नगर अध्यक्ष जया तोषनीवाल ने बताया कि चित्तौड़गढ़ नगर के सखी संगठन से माया समदानी, कुंभा नगर से उमा न्याति, जागृति मंडल से उषा रादंड, चांमटी खेड़ा से गायत्री मालू, प्रगति संस्थान से, आशा मालू आदि ने भी वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न कराया। जिला सहसचिव रितु सोडाणी, कोषाध्यक्ष प्रेमलता जागेटिया, सांस्कृतिक मंत्री डिंपल बिरला, उपाध्यक्ष शीला भराड़िया आदि सदस्याएं मौजूद थीं।

हरियाणा-पंजाब महिला प्रदेश संगठन का विस्तार

बहादुरगढ़. कोरोना के दौर में भी हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ने दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले माहेश्वरी बंधुओं को स्थानीय एवं जिला संगठन के साथ जोड़ने का कार्य पूरे उत्साह से किया। उल्लेखनीय है कि बहादुरगढ़ की सुमन जाजू हरियाणा पंजाब व प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष जनवरी 2020 में बनी। इन सात महीने के अंतराल में अपनी कर्मठ कार्यशैली और बुलंद हौसलों एवं अपनी अनुभवी टीम के सहयोग से उन्होंने सात महिला संगठन बनाएं एवं उनको प्रदेश से जोड़ा। इनसे हरियाणा से सोनीपत, फतेहाबाद एवं रोहतक तथा पंजाब से जैतोमंडी, रामामंडी एवं मलोठ और हिमाचल प्रदेश में पहला महिला संगठन उद्योग गिकनगरी बद्दी में बनाया गया। हिमाचल प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की घोषणा लुधियाना में आयोजित तीज उत्सव में की गई। इसमें अध्यक्ष शारदा सादानी एवं सचिव इंदुबाला को मनोनीत किया गया। इस कार्य में उनकी सहयोगी पूनम राठी राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, रेखा राठी प्रदेश मार्गदर्शिका, मंजू सोमानी निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष, सीमा मूंधड़ा प्रदेश सचिव, सरोज सारडा प्रदेश संगठन मंत्री एवं जयश्री पेड़ीवाल, प्रज्ञा थिरानी आदि की अहम भूमिका रही।

कोरोना काल में हुआ विवाह

सूरत. सूरत माहेश्वरी समाज के कार्यकर्ता और अल्थान अ.भा. माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष कमलकिशोर राठी के सुपुत्र प्रवीण का विवाह आरती लाहोटी के साथ संपन्न हुआ। दोनों परिवारों ने कोरोना से उत्पन हुई वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए बड़ी ही सादगी के साथ विवाह सूरत में ही संपन्न करवाया।

जन्माष्टमी पर्व का आयोजन

हापुड़. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल सदस्याओं ने अपने-अपने घरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। घर-घर झांकी सजाकर कान्हा जी का श्रृंगार कर पूजन किया व रात्रि 12 बजे कान्हाजी की आरती कर माखन-मिश्री का भोग लगाया। इसमें जिलाध्यक्ष साधना लोया, अध्यक्ष मधु खटौड़ व सचिव अलका खटोड़ आदि का सक्रिय योगदान रहा।

झांकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. महेश बचत एवं साख समिति द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर संयोजक शांतिलाल डाड के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश से लगभग 325 लोगों ने पंजीकरण करवाया तथा 304 प्रतिभागियों ने वीडियो क्लिप भेजी। महिला अध्यक्ष सुधा चांडक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अर्चना मोहता बालोतरा, द्वितीय पुरस्कार धारवी जगत मोहता कोलकाता व तृतीय पुरस्कार अक्षिता सोमानी भीलवाड़ा एवं विनीता नुवाल भीलवाड़ा एवं 21 सांत्वना पुरस्कार दिए गए। महिला मंत्री अमिता मूंदड़ा ने प्रतियोगिता प्रभारी प्रीति डाड, खुशी देवपुरा व रेखा लढ़ा को प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए धन्यवाद दिया।

पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर

भीलवाड़ा. जिले के हुरडा ग्राम में गत दिनों समाज सदस्य श्री मोहनलाल काबरा का देहावसान हो गया था। परिवार जनों ने कोरोना काल में मृत्युभोज संबंधित कोई भी आयोजन न करने का निर्णय करते हुए एक रक्तदान शिविर 19 जुलाई 2020 को आयोजित किया, जिसमें 51 यूनिट रक्तदान हुआ। इनमें 16 यूनिट रक्तदान काबरा परिवार के सदस्यों ने किया। काबरा परिवार ने स्व. श्री काबरा की स्मृति में एक डी-फ्रीज माहेश्वरी समाज हुरडा को माहेश्वरी भवन हेतु सप्रेम भेंट किया। इस अवसर पर हुरडा समाज अध्यक्ष राजेंद्र बजाज, भारत विकास परिषद अध्यक्ष महावीर सोनी, प्रहलाद झंवर, लालचंद डाड, राजेंद्र माहेश्वरी, शिवदयाल डाड, सुरेंद्र माहेश्वरी, श्यामसुंदर काबरा, नंदकिशोर काबरा, रतनलाल काबरा सहित कई समाजजन मौजूद थे।

सिखाई बोलने की कला

झारखंड-बिहार-पूर्वोत्तर असम प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्पीकर अमित माहेश्वरी का बोलने की कला/संचार कौशल विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पश्चिम बंगाल अध्यक्ष नीरा मल्ल, अतिथ स्वागत आसाम अध्यक्ष वंदना सोमानी, परिचय बंगाल सचिव कृष्णा पेडिवाल, धन्यवाद झारखंड अध्यक्ष प्रमिला आगीवाल ने किया। राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़, राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, पूर्वांचल उपाध्यक्ष मंजू कोठारी, संयुक्त मंत्री गिरिजा सारड़ा, माहेश्वरी पत्रिका अध्यक्ष सरला काबरा, राष्ट्रीय समिति प्रभारी उषा मोहंता, सह-प्रभारी रश्मि बिन्नानी एवं अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति रही। 230 सदस्यों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

निःशुल्क परिचय सम्मेलन श्रृंखला का किया आयोजन

कोटा. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की विवाह संबंध सहयोग समिति गठबंधन द्वारा निःशुल्क प्रादेशिक ऑनलाइन परिचय सम्मेलन श्रृंखला का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन 8 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी के कर कमलों और वरिष्ठ समाजसेवी रत्नीदेवी काबरा (मां) के आशीवर्चन द्वारा हुआ।

राष्ट्रीय प्रभारी शर्मिला राठी ने बताया कि इसके अंतर्गत 9 अगस्त को दक्षिणी राजस्थान, 10 अगस्त को मध्य-पूर्वोत्तर-उत्तरी राजस्थान, 12 अगस्त महाराष्ट्र प्रदेश, 15 अगस्त पूर्वी-पश्चिमी राजस्थान, 23 अगस्त मध्य, पूर्वी उत्तर प्रदेश, 24 अगस्त दिल्ली प्रदेश, 25 अगस्त पश्चिमी मप्र, 26 अगस्त उत्कल, नेपाल, कोलकाता प्रदेश, 27 अगस्त पूर्वी मध्यप्रदेश, 28 अगस्त पश्चिमी उत्तरप्रदेश, 29 अगस्त बिहार-झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम प्रदेश, 30 अगस्त (सुबह) छत्तीसगढ़, विदर्भ प्रदेश, 30 अगस्त हरियाणा, पंजाब प्रदेश व 31 अगस्त को गुजरात प्रदेश का परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया।

इन्होंने संभाली बागडोर

इस आयोजन में उत्तरांचल संयोजिका के रूप में दीप्ति झंवर, माया मूंधड़ा, अलका माहेश्वरी, छाया मूंधड़ा व रेखा सोमानी तथा पश्चिमांचल संयोजिका के रूप में पुष्पलता ईनानी, स्नेहलता भंडारी, अरुणा मूंधड़ा, विभा बिहानी, राधा लाहोटी व कृष्णा खटौड़ ने जिम्मेदारी संभाली। इसी प्रकार दक्षिणांचल संयोजिका संगीता लाहोटी, सुलोचना जाजू, शिवानी मूंधड़ा, चंद्रकला बंग व मीना काबरा, पूर्वांचल संयोजिका मनीषा सोमानी, संगीता बाहेती, पुष्पा झंवर, इंदिरा तोषनीवाल, सुनीता राठी व संतोष मल तथा मध्यांचल संयोजिका के रूप में मनीषा गट्टानी, ज्योति सोनी, अंतिमा मोकाती, शांता मंत्री व सुशीला गांधी ने योगदान दिया।

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट सम्मानित

फरीदाबाद. स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्कृष्ट समाजसेवी कार्य करने हेतु शिक्षा मंत्री हरियाणा कंवरपाल, जिला उपायुक्त यशपाल यादव एवं अन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट फरीदाबाद को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था अध्यक्ष महेश गट्टानी एवं माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष नारायण झंवर ने संस्था के प्रतिनिधि के तौर पर इस सम्मान को प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट पिछले 35 सालों से जनकल्याण के कार्यों में लगा हुआ है। कोरोना काल में भी संस्था ने हर रोज हजारों लोगों के खाने की व्यवस्था की।

पोस्टर सजाओ ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन

उज्जैन. श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी द्वारा पश्चिमी मध्यप्रदेश महिला संगठन के तत्वावधान में जन्माष्टमी के अवसर पर हैंडवर्क द्वारा कान्हा एवं यशोदा की पोस्टर सजाओ ऑनलाइन वीडियो स्पर्धा स्थानीय स्तर पर आयोजित कराई गई। इसमें महिलाओं व युवतियों ने उत्साह के साथ अपने-अपने वीडियो बनाकर प्रेषित किए। संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी ने बताया कि इसमें प्रथम मनीला बंग, द्वितीय स्नेहा हेड़ा व तृतीय रेणु केला रहीं। सांत्वना पुरस्कार खुशी राठी व अमिता मंत्री को मिला। अमृता सादानी, कविता मंत्री, हनी हेड़ा, अदिती मूंदड़ा, अर्चना बसेर, निशा मूंदड़ा, कालिंदी बजाज आदि का भी योगदान रहा।

ऑनलाइन मनाई जन्माष्टमी

बिजयनगर. स्थानीय बरल रोड़ स्थित महेश पब्लिक स्कूल में गत 12 अगस्त को कोरोना महामारी के चलते जन्माष्टमी कार्यक्रम ऑनलाइन मनाया गया। इसमें बच्चों ने कृष्ण व राधा की वेषभूषा में मनोरम कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति दी। 15 अगस्त को 74वां स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम भी बहुत ही सादगी से मनाया गया। इसमें कृष्णगोपाल कोगटा, गोपाल जागेटिया व राजेंद्र झंवर द्वारा ध्वाजारोहण किया गया। इस उपलक्ष में सभी कार्यकारिणी सदस्य, स्टॉफगण व महेश शिक्षा सदन के प्रधानाचार्य अब्दुल खालिक आदि उपस्थित थे। बच्चों ने ऑनलाइन बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियां दीं।

स्वतंत्रता दिवस का हुआ आयोजन

नागदा. जवाहर मार्ग स्थित माहेश्वरी भवन पर 73वां स्वतंत्रता दिवस झंडावंदन कार्यक्रम के साथ मनाया गया। इसमें माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रमेश मोहता की अध्यक्षता में झंडावंदन व राष्ट्रगान हुआ। इसमें सचिव मुकेश नवाल, समाज के वरिष्ठ गोविंदलाल मोहता, झमक राठी, गोपाल मोहता, जगदीश भूतड़ा, घनश्याम राठी, सीमा मालपानी, बबली मोहता, मनोज राठी, अशोक बिसानी, गिरिराज मालपानी, प्रियेश मोहता, अतुल मालपानी, पंकज डांगरा एवं रेयांश राठी आदि मौजूद थे। जानकारी विपिन मोहता ने दी।

पर्यावरण माह में पौधारोपण

शंकरगढ़. वैश्य महासम्मेलन देवास द्वारा पर्यावरण माह के आयोजन के अंतर्गत अनामय स्कूल रामचंद्र नगर एवम गुप्ता फॉर्म हाउस शंकरगढ़ पर नीम, पीपल, गुलमोहर आदि के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर संस्था के प्रदेश मंत्री अशोक सोमानी ने 'सांसें हो रही कम, आओ वृक्ष लगाएं हम' का संदेश दिया। जिलाध्यक्ष गौरव खंडेलवाल एव महामंत्री अमित गुप्ता ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन द्वारा ये माह पर्यावरण माह के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री राजेंद्र संघवी, जिला मंत्री भानु अग्रवाल, शिवकुमार संघवी, जिला युवाध्यक्ष अलोक मंगल, महामंत्री अमित विजयवर्गीय, सचिन मंगल आदि उपस्थित थे। अनामय स्कूल के नीरज शर्मा, आशीष शर्मा, रामचंद्र नगर के राकेश गुप्ता और शंकरगढ़ के गौरव गुप्ता ने पौधों की देखभाल व विकसित करने का संकल्प भी लिया। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र मूंदड़ा ने दी।

उद्योग मेले का जूम ऐप से अनूठा आयोजन

गोवा. कर्नाटक गोवा प्रदेश माहेश्वरी सभा, प्रदेश युवा एवं महिला संगठन ने पहली बार आधुनिक तकनीक के माध्यम से माहेश्वरी उद्योग मेला 2020 का आयोजन गत 15 और 16 अगस्त को किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के उद्यमियों तथा व्यवसायियों को अपने व्यवसाय/व्यापार का विस्तार करने हेतु, नए-नए व्यापार एवं तकनीक की जानकारी देना है। महासभा सभापति श्याम सोनी, प्रमुख वक्ता अमित सारडा ने प्रदेश की इस पहल का स्वागत किया और ऑनलाइन व्यापार के अपने अनुभव तथा तरीकों को विस्तार से समझाया। इसमें कार्यक्रम में 72 उद्यमी तथा व्यवसायियों ने अपनी इकाइयों के बारे में वीडियो द्वारा जानकारी दी। समापन के दिन राजकुमार काल्या अध्यक्ष अ.भा.म.यु.स. मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर वेगा हेल्मेट के दिलीप चांडक ने आने वाले समय में नए-नए अवसरों के बारे में जानकारी दी तथा प्रतिभागिओं का मार्गदर्शन किया। इस ऑनलाइन आयोजन से 550 लोग जुड़े तथा यूट्यूब के माध्यम से अब तक 1150 लोगों ने इसे देखा है। इस आयोजन में प्रदेशाध्यक्ष बृजमोहन भूतड़ा, सचिव राजेंद्र मूंदड़ा तथा बिडकॉम समिति संयोजक रमेश बूब, को-ऑर्डिनेर कमलकिशोर मालपानी आदि ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन शिल्पा तापड़िया तथा सुनीता लाहोटी ने किया।

अनीश-श्वेता ने जीते 19 पुरस्कार

कोटा. जेसीआई कोटा के अध्यक्ष अनीश माहेश्वरी व श्वेता माहेश्वरी ने 19 पुरस्कार जीतकर जेसीआई की अर्धवार्षिक सभा मिडकोन में परचम लहराया। इसमें पारस्परिक सहयोग पुरस्कार श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ जेसीआई चैप्टर सम्मान, सर्वश्रेष्ठ जेसिरेट विंग सम्मान, सर्वश्रेष्ठ जूनियर जेसिस विंग, सर्वश्रेष्ठ रक्तदान कार्यक्रम, सर्वश्रेष्ठ व्यापार कार्यक्रम आदि के साथ व्यक्तिगत सम्मान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष-अनीश माहेश्वरी, सर्वश्रेष्ठ जेसिरेट अध्यक्ष-श्वेता माहेश्वरी जैसे पुरस्कार भी शामिल हैं।

रामनाम लेखन पुस्तक लोकार्पित

मुंबई. राम नाम लेखन का लंबे समय से प्रशिक्षण दे रही ख्यात कलाकार राखी बजाज द्वारा लिखी गई 'रामनाम लेखन' पुस्तक का गत दिनों स्वामी श्री गोविंदगिरीजी महाराज के हाथों विमोचन हुआ। श्रीमती बजाज ने बताया कि 'राम' यह कोई एक नाम नहीं है, बल्कि अभिमंत्रित एक मंत्र है, जिसका लगातार उच्चारण या लेखन करने से व्यक्ति को वर्तमान में आनंद की प्राप्ति होती है एवं भविष्य सुधरता है। भगवान का नाम स्मरण या लिखने की कला ग्रंथों में भी लिखित-वर्णित है। राम राम लेखन हमारे सनातन धर्म की बहुत ही पुरानी व्यवस्था है। हमने इसे एक कलात्मक रूप देने की कोशिश की है।

पौधारोपण से मनाया स्वतंत्रता दिवस

कानपुर (उप्र). वृक्ष लगाओ राष्ट्र बचाओ जीवन को खुशहाल बनाओ के संदेश के साथ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर ग्रामीण विकास एवं राष्ट्रीय समसस्या निवारण समिति के माध्यम से सभी-सभी प्रदेशों में जिला तथा स्थानीय संगठनों द्वारा वृहद पौधारोपण करके स्वतंत्रता दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया। यह संकल्प भी लिया गया कि भविष्य में भी वर्षा ऋतु के इस अनुकूल मौसम में सामूहिक प्रयत्नों के माध्यम से इस अभियान को चरितार्थ किया जाएगा। 15 अगस्त राष्ट्रीय पर्व के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी तथा राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बागड़ ने देश के वीर सपूतों तथा शहीदों को नमन करते हुए समाज के सभी वर्गों से स्वदेशी अपनाओ तथा देश को आत्मनिर्भर बनाओ की भी अपील की।

छग प्रदेश ने आयोजित की ऑनलाइन सभा

रायपुर. छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा द्वारा एक वर्चुअल सभा का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इसमें अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा संचालित ट्रस्टों के कार्यों की विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन हेतु उपरोक्त विषयों से संदर्भित ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी या उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधियों द्वारा विषय वस्तु के संदर्भ में आवेदन से लेकर निर्धारण तक की सरलतम जानकारी प्रदान की गई। सदस्यों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

सर्व प्रथम महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी भीलवाड़ा ने इस सभा से जुड़कर अपने विचार साझा किए। महासभा के महामंत्री संदीप काबरा ने महासभा की योजनाओं व बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के ट्रस्टी राधेश्याम सोमानी, भीलवाड़ा तथा डॉ. विवेक नावंदर परभणी ने पारिवारिक बीमा योजना की जानकारी दी। श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट के ट्रस्टी राधेश्याम सोमानी, भीलवाड़ा ने वर्तमान में जरूरतमंद व विधवा महिलाओं को ट्रस्ट द्वारा 2000 मासिक एवम श्री शिवकिशन जी दम्मानी ट्रस्ट द्वारा 1000 की रुपये इस तरह कुल 3000 रुपए की सहायता प्रदान की जा रही है। भारत वर्ष में कुल 1350 महिलाओं को 4 करोड़ रुपए से अधिक

का सहयोग प्रदान किया जा रहा है। पुरुषोत्तम सोमानी, निजामाबाद ने स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु समाज के श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सहयोग की जानकारी दी। एस.एस. काबरा मुंबई ने भी विषय पर प्रकाश डाला। एबीएमएम महेश भगवती देवी बलदुवा एजुकेशनल फाउंडेशन की भगवतीदेवी बल्दुआ, हैदराबाद, बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र के ट्रस्टी जगदीश कोगटा भीलवाड़ा सहित माहेश्वरी एजुकेशनल एंड चेरिटेबल ट्रस्ट रामनिवास मानधणिया, जालना आदि द्वारा जानकारी प्रदान की गई।

श्रद्धांजलि

श्री प्रकाश लड्ढा

उज्जैन। शहर के ख्यात हास्य कवि स्व. मोहनलाल लड्ढा (पोंगा भैरूगड़ी) के ज्येष्ठ पुत्र श्री प्रकाश लड्ढा का गत दिनों देहावसान हो गया। आप बैंक ऑफ इंडिया में सेवारत तथा माहेश्वरी सभा उज्जैन के कार्यकारिणी सदस्य थे। आप अपने पीछे धर्मपत्नी तथा शिकागो (अमेरिका) में कार्यरत पुत्र छोड़ गए हैं। आप अपने हंसमुख व मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। आपके निधन पर सुनील बांगड़, महेंद्र परवाल, अरुण भूतड़ा, लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, जयप्रकाश राठी, नवलकिशोर माहेश्वरी, पुष्कर बाहेती, धर्मेंद्र रघुवंशी आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रीमती सरोजदेवी केला

आर्वी (जिला वर्धा). श्रीमती सरोजदेवी-सुंदरलाल केला का 78 वर्ष की अवस्था में गत 1 अगस्त को कोरोना संक्रमित होने से निधन हो गया। आप माहेश्वरी महिला मंडल जि. वर्धा की प्रथम जिल्हा अध्यक्षा थीं। उम्र के इस पड़ाव पर भी माहेश्वरी समाज की गतिविधियों में गतिशील थी। आप अपने पीछे 2 पुत्र और 3 पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़कर गई हैं। आप प्रसिद्ध गायिका ज्योत्सना जाजू की माता जी थी।

श्री रामकिशन चांडक

डूंगरगढ़. श्री रामकिशन चांडक सुपुत्र स्वर्गीय श्री लूणकरण चांडक, कालूबास, श्रीडूंगरगढ़ का 81 वर्ष की अवस्था में गत दिनों बीकानेर अस्पताल में कोरोना महामारी से देहावसान हो गया। श्री चांडक महासभा के निवर्तमान कार्यालय मंत्री जुगलकिशोर सोमाणी के साले थे।

श्री जेठमल माहेश्वरी

नागपुर. समाज सदस्य सरिता-डॉ. धनराज सारडा, मंजू माहेश्वरी, ललिता सुनील मंत्री व विजयकुमार के पिता श्री जेठमल माहेश्वरी (रांधड) का 86 वर्ष की अवस्था में गत दिनों बैकुंठवास हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। सभी रूढ़ियों को तोड़ते हुए बेटियों ने अंतिम संस्कार विधि संपन्न की।

सेवा सदन ने की कार्यकारिणी में नई नियुक्तियां

प्रबंधकारिणी समिति की तृतीय वर्चुअल बैठक में निर्णय, विरोध में उठे स्वर

शंकरलाल बाहेती

अशोककुमार सोमानी

विनीतकुमार मूंदड़ा

पुष्कर. श्री अखिल भारतीय माहेवरी सेवा सदन, पुष्कर कीप्रबंधकारिणी समिति के वर्तमान सत्र की तृतीय वर्चुअल बैठक जूम एप पर गत 23 अगस्त को सायं 5 बजे से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संपन्न हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने बताया कि बैठक में सेवा सदन के सेवा कार्यों में निरंतर गतिशीलता बनी रहे, इस हेतु उपाध्यक्ष के रिक्त पद पर वरिष्ठ समाजसेवी शंकरलाल बाहेती अहमदाबाद का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। इसी प्रकार प्रबंधकारिणी समिति के दो सदस्यों के लिए रिक्त स्थानों पर विनीतकुमार मूंदड़ा सिलवासा एवं अशोककुमार सोमानी, रेवाड़ी को मनोनीत किया गया। प्रबंधकारिणी समिति के विशेष सहयोग उपाध्यक्ष अमृतलाल मूंदड़ा के देहावसान के पश्चात मूंदड़ा परिवार के विनीतकुमार मूंदड़ा को प्रबंधकारिणी समिति में सदस्य मनोनीत किया गया ताकि उनके संपूर्ण परिवार का सेवा सदन से निरंतर जुड़ाव बना रहे। अशोककुमार सोमानी का भी सेवा सदन के प्रति निरंतर जुड़ाव रहा है व पूर्व में विशेष आमंत्रित सदस्य रहे हैं। श्री सोमानी समाजसेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं व वर्तमान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उत्तरांचल क्षेत्र में उपाध्यक्ष पद पर भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

आरोप : विधिक प्रक्रिया का नहीं हुआ पालन

अभा माहेश्वरी सेवा सदन के पूर्व महामंत्री सुनील मूंदड़ा ने इस चयन प्रक्रिया में विधिक प्रक्रिया का पालन न होने के आरोप लगाए हैं। श्री मूंदड़ा ने बताया कि सेवा सदन की कार्यकारिणी की मीटिंग जूम एप द्वारा हुई लेकिन बहुत ही आश्चर्य का विषय है कि काफी सदस्यों की आवाज को म्यूट करके रख गया। इसमें पदाधिकारियों द्वारा जो एजेंडा निर्धारित था उसके बिल्कुल विपरीत जाकर उपाध्यक्ष की जो सीट खाली हो गई थी उस पर बाहेतीजी की नियुक्ति की गई। यह विधिक प्रक्रिया अपनाकर नहीं की गई और खुलेओम विधान का अपमान किया गया। अचानक इस तरह की नियुक्ति वह भी उस समय जब कार्यकारिणी का टाइम पीरियड समाप्त हो चुका है। इसे तानाशाही कहें या विधि के विरुद्ध अपनी मनमर्जी।

पीएम केयर फंड में 51 हजार का सहयोग

बैंगलोर. कोरोंना विश्वव्यापी त्रासदी के चलते अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति के अंतर्गत पीएम केयर फंड के निमित्त बैंगलोर माहेश्वरी महिला मंडल ने 51000 रुपए की सहयोग राशि प्रदान की। मंडल द्वारा गत महीने के सभी तीज-त्योहार जूम एप द्वारा ऑनलाइन आयोजित किए गए, जिनमें समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सचिव विजयलक्ष्मी सारडा ने बताया कि कोविड-19 महामारी में भोजन पैकेट का वितरण भी किया। स्वास्थ्य एवं इम्यूनिटी को बढ़ाने के उपयोगी सुझावों से वेबिनार द्वारा मिसेज इंडिया, डायटीशियन डॉक्टर पूजा माहेश्वरी ने समाज के सदस्यों को अनेकों घरेलू उपायों की जानकारी दी। सावन का सिंजारा में सभी आयु वर्ग के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

दिल्ली प्रादेशिक महिला संगठन ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

FIRST ONLINE MENAGE MANAGEMENT WORKSHOP FOR WOMEN

The World Record of conducting 'first online menage management workshop for women' has been achieved by Delhi Pradeshik Maheshwari Mahila Sanghathan from Delhi, India.

During Mar 31 - May 31, 2020, the state branch of Akhil Bharatvarshiya Maheshwari Mahila Sanghathan conducted online menage management workshop for women.

Ms. Shyama Mongaiya convened the zoom based online workshops organized to uplift the women during Covid lockdown period.

दिल्ली. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बागड़ आदि की प्रेरणा से दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लॉकडाउन के दौरान जब चारों ओर निराशा, अनिश्चितता के बादल गरज रहे थे तब दिल्ली प्रदेश ने राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अपनी पूर्ण सहभागिता निभाते हुए 30 मार्च से नियमित शाम 5 बजे जूम एप से स्किल डिवपलमेंट सेशन, महिला अधिकार व सशक्तीकरण समिति के अंतर्गत प्रारंभ किए जो 31 मई तक अनवरत चलते रहे। अध्यक्ष श्याम भांगड़िया तथा सचिव प्रभा जाजू ने बताया कि गजब का उत्साह, स्फूर्ति, सबसे मिलने की उमंग और कुछ नया सीखने की चाहत ऐसा रंग लाई कि एक से बढ़कर एक वर्कशॉप आयोजित होती चली गई। दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के इसी योगदान ने संगठन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में स्थान प्रदान करवाया है।

बहुत मजबूत हो जाते हैं वो लोग,
जिनके पास खोने को कुछ नहीं बचता....'

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

प्रतिभाओं ने फहराया सफलता का परचम

माहेश्वरी विशिष्ट प्रतिभा सम्पन्न होते हैं, यह गत दिनों आये विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम ने ही सिद्ध कर दिखाया। इसमें चाहे आईसीएसई बोर्ड हो, सीबीएसई अथवा राज्य बोर्ड सभी की 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षाओं में समाज के विद्यार्थियों ने अपनी सफलता से नये कीर्तिमान बना दिये। प्राप्त जानकारी के अनुसार 400 से अधिक बच्चों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय दिया। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार इन्हें एवं इनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ देता है। साथ ही इनके उज्ज्वल भविष्य की भगवान महेश से मंगलकामना करता है।

अच्छा करने के प्रयास जारी रखें

सबसे पहले तो उन सभी विद्यार्थियों और प्रतिभाओं को बधाई जिन्हें श्री माहेश्वरी टाइम्स के प्रतिभा विशेषांक में प्रकाशित होने का अवसर मिल रहा है। समाज की अन्य बालक-बालिकाएं जो किसी कारण से इस पुस्तिका में अपना नाम शामिल नहीं करवा पाए हैं, उनके लिए भी संदेश कि अच्छा करने के अपने प्रयास जारी रखें।

समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली पत्रिका श्री माहेश्वरी टाइम्स का यह अंक समाज की शैक्षणिक प्रतिभाओं को समर्पित है और इसे प्रतिभा विशेषांक ही नाम दिया गया है। ऐसे में इसमें प्रकाशित सभी प्रतिभाएं निश्चित तौर पर समाज को आगे ले जा रही हैं। बोर्ड परीक्षाओं में आप सभी ने अच्छे अंक प्राप्त किए हैं, यह जीवन की पहली सीढ़ी मानी जाती है। विशेषरूप से कक्षा 10 के लिए तो यही कहा जाता है। आपने इसमें सफलतापूर्वक चढ़ाई की है, लेकिन ऐसी कई सीढ़ियां चढ़ना है और सफलता प्राप्त करनी है। हमेशा याद रखें प्रयासों में निरंतरता रखकर ही हम इस स्तर को बरकरार रख सकते हैं। चुनौती किसी भी पहाड़ पर चढ़ना या ऊंचाई पर पहुंचना नहीं होती, वरन उस पर बने रहना होती है। आपने जो मुकाम हासिल किया है, इस पर हर अगली कक्षा में बने रहें, जीवन में आने वाली चुनौतियों का भी इसी कुशलता के साथ मुकाबला करें।

शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों को भी जीवन में उतारें। हमारे माता-पिता, घर के बड़े जो भी संस्कार दे रहे हैं, उन्हें अपनाएं। अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेशनल्स बनने के साथ-साथ अच्छा इंसान बनने की भी कोशिश करें। जीवन में विचार उच्च रखें और आचरण सादा और समर्पित रखें। इन्हीं शब्दों के साथ आप सभी को एक बार पुनः सुनहरे भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

गोविंद माहेश्वरी,
एलन, कोटा

बधाई एवं मंगलकामनाएँ

आकाश माहेश्वरी 95.8%

भीलवाड़ा (राज.). राजेश और ममता नवाल के सुपुत्र आकाश माहेश्वरी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। उन्होंने अपने स्कूल में भी टॉप किया है।

हर्ष जाजू 94.83%

इंदौर (मप्र). समाज सदस्य महेश कुमार और ममता जाजू के सुपुत्र हर्ष जाजू ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 94.83 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अंग्रेजी विषय में सर्वाधिक 98 अंक प्राप्त किए हैं।

भाविका राठी 96.4%

अहमदाबाद (गुज). समाज सदस्य धर्मेंद्र और सुनीता राठी की सुपुत्री भाविका राठी ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। फ्रेंच सब्जेक्ट में सर्वाधिक 99 अंक प्राप्त किए हैं।

तृप्ति झंवर 95.7%

हैदराबाद (यूपी). समाज सदस्य कमलकिशोर झंवर की सुपुत्री तृप्ति ने तेलंगाना बोर्ड 12वीं की परीक्षा 95.7% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। संस्कृत, कॉमर्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

ऋषभ सोनी 93.6%

नईदिल्ली. संजय-राजश्री सोनी के सुपुत्र ऋषभ सोनी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अंग्रेजी व कम्प्यूटर साइंस में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं

लक्षिता हेड़ा 94.6%

ब्यावर (राज.). समाज सदस्य पंकज-ज्योति हेड़ा की सुपुत्री लक्षिता ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

सौम्या माहेश्वरी 90.06%

पाली (राज). समाज सदस्य मधुसूदन-गीता झंवर के सुपुत्री सौम्या माहेश्वरी ने सीबीएसई बोर्ड की कक्षा दसवीं की परीक्षा 90.02 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित व सामाजिक विज्ञान में प्राप्त किए हैं।

आयुष लखोटिया 91.5%

बैंगलोर. समाज सदस्य आशीष- बबीता लखोटिया के सुपुत्र आयुष लखोटिया ने कर्नाटक बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा 91.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

आकृति बल्दवा 91.33%

बैंगलुरु (कर्नाटक). समाज सदस्य अमित-अर्चना बल्दवा की सुपुत्री आकृति बल्दवा ने सीबीएसई की दसवीं की परीक्षा 91.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक आईटी में प्राप्त किए हैं।

निहाल चांडक 94.4%

नीमच (मप्र). समाज सदस्य राजेश-ललिता चांडक के सुपुत्र निहाल ने सीबीएसई की 12वीं बोर्ड की परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अर्थशास्त्र में प्राप्त किए हैं।

आयुषी कचौलिया 90.4%

वाराणासी (यूपी). राजेश-माला कचौलिया की सुपुत्री आयुषी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 90.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक फ्रेंच में प्राप्त किए हैं।

कनिष्का तोषनीवाल 96.4%

पाली (राज.) समाज सदस्य नरेंद्र-अलका तोषनीवाल की सुपुत्री कनिष्का ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अंग्रेजी व अर्थशास्त्र में प्राप्त किए हैं।

वृंदा माहेश्वरी 94.83%

श्यामली (यूपी). समाज सदस्य संजय-शैला माहेश्वरी की सुपुत्री वृंदा ने सीबीएसई 12वीं कक्षा की परीक्षा 94.83 अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक पेंटिंग में प्राप्त किए हैं।

प्रियांश मूंदड़ा 94.8%

कोटा(राज.). समाज सदस्य अनिलकुमार-प्रियंका मूंदड़ा के सुपुत्र प्रियांश ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा 94.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। गणित विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

प्रीति दरक 91.33%

शोरापुर (कर्नाटक). समाज सदस्य रामस्वरूप - वंदना दरक की सुपुत्री प्रीति ने कर्नाटक बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 91.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित और हिंदी विषय में प्राप्त किए हैं।

गरीमा भूतड़ा 95.83%

बैंगलौर (कर्नाटक). समाज सदस्य चंद्र प्रकाश, अनिता भूतड़ा की सुपुत्री गरिमा ने आईसीएसई की 10वीं की परीक्षा 95.83 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

सिद्धि झंवर 98.5%

बैंगलौर (कर्नाटक). समाज सदस्य बद्री नारायण-शोभा झंवर की सुपुत्री सिद्धि ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 98.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत, गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

साक्षी माहेश्वरी 98.2%

दुर्ग (छत्तीसगढ़). समाज सदस्य रविशंकर-मोनिका माहेश्वरी की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 98.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निहारिका मल 93.8%

बैंगलौर (कर्नाटक). समाज सदस्य प्रकाश-मोना मल की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, फिजिक्स, केमेस्ट्री में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कुंदन राठी 92.5%

रायपुर (छत्तीसगढ़). समाज सदस्य सुनील कुमार - सुमन राठी का सुपुत्र कुंदन ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सा.विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पलख मूथा 92.16%

बैंगलौर (कर्नाटक). समाज सदस्य आशीष-प्रीति मूथा की सुपुत्री ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक भूतड़ा 92.8%

सूरत (गुज.). समाज सदस्य रामरतन भूतड़ा की सुपौत्री एवं कमल-संगीता भूतड़ा की सुपुत्री महक ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निकिता टुवानी 93.6%

धमतरी(छत्तीसगढ़). समाज सदस्य ओम प्रकाश-प्रतिमा टुवानी की सुपुत्री निकिता ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कैमेस्ट्री में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पार्थ कालानी 96.83%

चैन्नई (तमिलनाडु). समाज सदस्य संजय-प्रजाकता कालानी का सुपुत्र पर्थ ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 96.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

तरुण राठी 91%

बैंगलौर (कर्नाटक). समाज सदस्य ओम राकेश राठी के सुपुत्र तरुण ने कर्नाटक बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

विधि मालपानी 95.8%

चैन्नई (तमिलनाडु). समाज सदस्य शैलेष-कामिनी मालपानी की सुपुत्री विधि ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 95.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

श्रेया माहेश्वरी 92.5%

कोयंबटूर. समाज सदस्य स्व. सुनील व सुमन माहेश्वरी की सुपुत्री श्रेया ने तमिलनाडु बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा 92.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रौनक चितलांगिया 95.16%

रिसड़ा (प.बं.). समाज सदस्य नंदकिशोर चितलांगिया के सुपुत्र रौनक ने आइसीएसई बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा 95.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कॉमर्स व अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

श्रुति हेड़ा 97%

नोएडा (उप्र). समाज सदस्य अरविंद-कविता हेड़ा की सुपुत्री श्रुति ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फ्रैंच में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

यश गग्गड़ 93%

मुंबई (महाराष्ट्र). समाज सदस्य मनोज-संगीता गग्गड़ का सुपुत्र यश ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

दर्श असेरा 92.8%

चैन्नई (तमिलनाडु). समाज सदस्य अशोक-राजश्री का सुपुत्र दर्श ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निशिथा मोहता 96.8%

चैन्नई (तमिलनाडु). समाज सदस्य दीपक-सुनीता मोहता की सुपुत्री निशिथा ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 96.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्टेंसी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

केशव नवाल 96.66%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य प्रमोद नीति नवाल के सुपुत्र केशव ने आईसीएसई की कक्षा 10वीं की परीक्षा96.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी, गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

श्रेयांश लोया 90.8%

नागपुर (महाराष्ट्र). समाज सदस्य संजय-सोनल लोया के सुपुत्र श्रेयांश ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 90.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पूर्वा कोठारी 95%

अमरावती (महाराष्ट्र). समाज सदस्य गिरिराज-अर्चना कोठारी की सुपुत्री पूर्वा ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हर्षिता मंत्री 91.6%

उज्जैन (म.प्र.). समाज सदस्य कमलेश-रेखा की सुपुत्री हर्षिता ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निधि फोफलिया 91.2%

जोधपुर (राज.) समाज सदस्य गोविंद-प्रतिभा फोफलिया की सुपुत्री निधि ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 91.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राघव फोफलिया 92.2%

जोधपुर(राज.) समाज सदस्य कैलाश-कविता फोफलिया के सुपुत्र राघव ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। केमेस्ट्री व गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आर्या चितलांगिया 93.33%

वापी (गुजरात). समाज सदस्य प्रदीप-चितलांगिया का सुपुत्री आर्या ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 93.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ध्रुव मालानी 96.3%

बैंगलौर (कर्ना.). समाज सदस्य राजकुमार-शशि मालानी के सुपुत्र ध्रुव ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 96.3 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

विधि बिहानी 97.2%

गुड़गांव (हरियाणा). समाज सदस्य नीरज-विनिता बिहानी की सुपुत्री विधि ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 97.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सा.विज्ञान व गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ओजस्विनी सोमानी 96.6%

पुरलिया (प.बंगाल). समाज सदस्य दिनेश-रेखा सोमानी की सुपुत्री ओजस्विनी ने 12वीं परीक्षा 96.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी व अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

साक्षी तापड़िया 94%

सूरत (गुजरात). समाज सदस्य महेश - रामकन्या तापड़िया की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

चिराग सोनी 94.16%

जोधपुर (राज.) समाज सदस्य घनश्याम-संतोष सोनी के सुपुत्र चिराग ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 94.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्यूकेशन में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

आयुषी लड्ढा 98.2 %

सिकंदराबाद (तेलं.). समाज के सदस्य बृजगोपाल श्रीकांता लड्ढा की सुपुत्री आयुषी ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 98.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

संस्कार मधुर काबरा 90.66%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य केशव-मीनू काबरा के सुपुत्र संस्कार मधुर ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 90.66 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रणय मंत्री 93.83%

बैंगलुरु (कर्नाटक). समाज सदस्य विजय-सुमन मंत्री के सुपुत्र प्रणय ने कर्नाटक बोर्ड की 12वीं परीक्षा 93.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित व अकाउण्टेंसी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रिशा मूंदड़ा 97.83%

गुड़गांव (हरियाणा). समाज सदस्य प्रमोद-रानी मूंदड़ा की सुपुत्री प्रिशा ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 97.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रौनक काबरा 93.8%

भीलवाड़ा (राज). समाज सदस्य सुनील-स्नेहा काबरा के सुपुत्र रौनक ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

श्रीधर सारड़ा 95%

रायचुर. (कर्ना.) समाज सदस्य आनंद-अर्चना सारड़ा के सुपुत्र श्रीधर ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्टेंसी व गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आदित्य जाजू 95.8%

हावड़ा (पबं.). समाज सदस्य रमेश-मधु जाजू के सुपुत्र आदित्य ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा 95.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निशा माहेश्वरी 93.6%

रायपुर (छग). समाज सदस्य अशोक-सरिता माहेश्वरी की सुपुत्री निशा ने छत्तीसगढ़ बोर्ड की 12वीं परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्ट्स व बिजनेस स्टडी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मुकुन्द माहेश्वरी 95.4%

बारां (राजस्थान). समाज सदस्य महावीर-रजनी माहेश्वरी के सुपुत्र मुकुन्द ने सीबीएसई 10वीं बार्ड की परीक्षा 95.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रचित सोमानी 92.2%

कोटा (राज.). समाज सदस्य तरूणकांत-लक्ष्मी सोमानी के सुपुत्र रचित ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

केशव मंडोवरा 92.6%

इंदौर (म.प्र.). समाज सदस्य निलेश-अर्चना मंडोवरा के सुपुत्र कैशव ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सेजल गांधी 93.33%

दुर्ग (छत्तीसगढ़). समाज सदस्य कमलेश-सरोज गांधी की सुपुत्री सेजल ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 93.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सोनाक्षी मूंदड़ा 95.8%

भीलवाड़ा (राज). समाज सदस्य दिनेश-सुमन मूंदड़ा की सुपुत्री सोनाक्षी ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड की परीक्षा 95.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

केशव सामरिया 91%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य मनोज-मंजू सामरिया के सुपुत्र कैशव को सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रियांशी गग्गड़ 90.8%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य राकेश-रेखा गग्गड़ की सुपुत्री रियांशी ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 90.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

केशव पोरवाल 90.6%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य गिरिराज-सुनीता पोरवाल के सुपुत्र केशव सीबीएसई बोर्ड 10वीं की परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अक्षिता झंवर 90%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य महावीर-नीना झंवर की सुपुत्री अक्षिता ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 90 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

तनीषा दरगड़ 90%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य मुकेश आशा दरगड़ की सुपुत्री तनीषा ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

हर्षिता तोषनीवाल 94.2%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य सत्य नारायण - सरीता तोषनीवाल की सुपुत्री हर्षिता 12वीं बोर्ड की परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

हर्षित अगाल 94%

भीलवाड़ा (राज). सामाजा सदस्या चंद्रप्रकाश - अंजना के सुपुत्र हर्षित ने 12वीं बोर्ड परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

आशीष बाहेती 93.4%

भीलवाड़ा (राज.). सामाजा सदस्या राजकुमार रामकन्या देवी बाहेती के सुपुत्र आशीष बाहेती ने कक्षा 12वीं की परीक्षा 93.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है।

निविता माहेश्वरी 92.8%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य दिलीप-सरिता कोठारी की सुपुत्री निविता माहेश्वरी ने 12वीं की परीक्षा वाणिज्य संकाय से 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है।

नवनीत अगाल 91.8%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य मुकेश कुमार-सुनीता आगाल के सुपुत्र नवनीत आगाल ने 12वीं की परीक्षा वाणिज्य संकाय से 91.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक 0000 विषय में प्रापत किए।

सेजल नावंधर 94.30%

कोल्हापुर (महा.). समाज सदस्य विनोद कुमार-रमा नावंधर की सुपुत्री सेजल ने 12वीं की परीक्षा 94.30 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अकाउण्टेंसी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कली नवाल 94.2%

ब्यावर (राज.). समाज सदस्य कमल-प्रभा नवाल की सुपुत्री कली ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित, बिजनेज स्टडी व अकाउण्टेंसी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

जय माहेश्वरी 96.8 %

जबलपुर (म.प्र.). समाज सदस्य शरद-गीता माहेश्वरी के सुपुत्र जय ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 96.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इन्फोर्मेटिक प्रेक्टिस ओल्ड में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक राठी 91%

कच्छ भुज (गुज.). सामाजा सदस्या विष्णुकांत - नीता राठी की सुपुत्री महक ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

उदय राठी 93.6%

कच्छ भुज (गुजरात). सामाजा सदस्या लक्ष्मीकांत - रेणु राठी के सुपुत्र उदय ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अनुज राठी 95.4%

कच्छ भुज (गुज.). समाज सदस्य रमाकांत-अर्चना राठी के सुपुत्र अनुज ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित व सा.विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सिद्धि राठी 93.4%

कच्छ भुज (गुजरात). समाज सदस्य श्रीकांत-कविता राठी की सुपुत्री सिद्धि ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 93.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रेम कालानी 95%

परभणी (महा.) समाज सदस्य सुशील कालानी के सुपुत्र प्रेम ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अनन्या पुगलिया 92.2%

कोलकाता (पबं.) समाज सदस्य एसके-अभिलाशा पुगलिया की सुपुत्री अनन्या ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 92.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

नूपुर मूंधड़ा 93.4%

नागपुर (महा.). समाज सदस्य शिरीष-वीना मूंधड़ा की सुपुत्री नूपुर ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 93.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अमन काबरा 93%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य राकेश-सारिका काबरा के सुपुत्र अमन ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

शुभि माहेश्वरी 94.16%

दिल्ली. समाज सदस्य बालमुकुंद-शालिनी की सुपुत्री शुभि ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 94.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पार्थ राठी 96%

दिल्ली. समाज सदस्य संजय-पूजा राठी के सुपुत्र पार्थ ने कक्षा सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सा.विज्ञान में सर्वाधिक अंक में प्राप्त किए हैं।

केशव बूब 93.6%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य राकेश-राखी बूब के सुपुत्र केशव ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अर्थशास्त्र में प्राप्त किए हैं।

आयुष डागा 94.8%

अहमदाबाद (गुज.) समाज सदस्य विकास डागा के सुपुत्र आयुष ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित, फिजिक्स विषय में प्रापत किए।

मृदुल माहेश्वरी 95.4%

कोटा (राजस्थान). समाज सदस्य महेंद्र-मधु माहेश्वरी के सुपुत्र मृदुल ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 95.4 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सेजल कालानी 95.2%

[illegible] (प.बंगाल.). समाज सदस्य आलोक-सीमा कालानी की सुपुत्री सेजल ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 95.2 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

संजना मिमानी 95.33 %

कोलकाता (प.बंगाल). समाज सदस्य संजय-मनीषा मिमानी की सुपुत्री संजना ने आईसीएसई की 10वीं की परीक्षा 95.33 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इकोनोमिक एप्लीकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अदिनी बसेर 91%

नीमच (म.प्र.). समाज सदस्य ललित-नीता बसेर की सुपुत्री अदिनी ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 91प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। हिन्दी, अकाउण्टेंसी व बिजनेस स्टडी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

यशस्वी मूंधड़ा 96.5%

वाराणसी (उ.प्र.). समाज सदस्य संजय-शीतल मूंधड़ा की सुपुत्री यशस्वी ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 96.5 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राधिका भट्टड़ 90%

मलकापुर (महा.). समाज सदस्य ओमप्रकाश-कंचन भट्टड़ की सुपुत्री राधिका ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

गुंजन केला 91%

अकोला (महा.). समाज सदस्य पुरुषोत्तम-प्रमिला केला के सुपुत्र गुंजन ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ललित आगीवाल 94.2%

मदनगंज-किशनगढ़ (राज.). समाज सदस्य गोपाल कृष्ण-चंदा आगीवाल के सुपुत्र ललित ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। बॉयलॉजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हर्षा बिहानी 98.33%

हुगली (प बंगाल). समाज सदस्य बालकिशन - रश्मि बिहानी की सुपुत्री हर्षा ने आईसीएसई की 12वीं की परीक्षा 98.33 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। फिजिक्स और बॉयोलॉजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

यश लाहोटी 95%

पुणे (महा.). समाज सदस्य संजय-संगीता लाहोटी के सुपुत्र यश ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मानवी भाला 95.83%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य मोनिल-नीलम भाला की सुपुत्री मानवी ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 95.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बॉयालोजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

अनुश्री बजाज 90.5%

भंडारा (महा.). समाज सदस्य मनीष-प्रभा बजाज की सुपुत्री अनुश्री ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 90.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत एवं आईटी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पर्व बल्दुआ 93%

पिपरिया (मप्र). समाज सदस्य देवेंद्र-लता बल्दुआ के सुपुत्र पर्व ने मप्र बोर्ड की 10वीं की परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सा.विज्ञान में सर्वाधिक अंक में प्राप्त किए हैं।

हर्षिका पुंगलिया 94.66%

रायपुर (छग). समाज सदस्य आकाश-आरती पुंगलिया की सुपुत्री हर्षिका ने आईएससीई की 12वीं की परीक्षा 94.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित में प्राप्त किए हैं।

अनिरुद्ध राठी 92%

इंदौर. समाज सदस्य सुभाष-अनिता राठी के सुपुत्र अनिरुद्ध ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक जियोग्राफी विषय में प्राप्त किए।

कनिष लाठी 90.6%

कोटा (राजस्थान). समाज सदस्य सुरेश-आकांशा लाठी के सुपुत्र कनिष ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

यश काबरा 90.6%

विशाखापट्टनम (आं.प्र.). समाज सदस्य दिनेश-सरिता काबरा के पुत्र यश ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

केशव चौधरी 96.83 %

इंदौर (मप्र). समाज सदस्य घनश्याम-भावना चौधरी के सुपुत्र केशव ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 96.83 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मनन कोठारी 94.6%

कोलकाता (प.ब). समाज सदस्य मदनगोपाल-श्रद्धा कोठारी के सुपुत्र मनन ने सीबीएसई की 10वीं कक्षा परीक्षा 94.6प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रिद्धि बाहेती 91.6%

कोलकाता (प.ब.). समाज सदस्य दीपक-रेखा की सुपुत्री रिद्धि ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

जय धुत 96.4%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य प्रद्युमन-कल्पना धुत के सुपुत्र जय ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इंग्लिश और फिजिकल एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

यश सोमानी 93.66%

भुवनेश्वर (उडिसा). समाज सदस्य अमित-वर्षा सोमानी के सुपुत्र यश ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 93.66प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। पेंटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

खुशी चरखा 90%

पुणे (महा.). समाज सदस्य पांडुरंग चरखा की सुपुत्री खुशी ने महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। फ्रेंच में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ऋषभ राठी 96.8%

अजमेर (राज.). समाज सदस्य प्रमोद-रीतु राठी के सुपुत्र ऋषभ ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 96.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

वैंकटेश दुवानी 92.46%

कोल्हापुर (महा.). समाज सदस्य सत्यनारायण - कंचन दुवानी के सुपुत्र वैंकटेश ने महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं परीक्षा 92.46 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आस्था राठी 93%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य दुर्गाशंकर - चंदा राठी की सुपुत्री आस्था ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

झलक राठी 91.6%

सूरत (गुज.). समाज सदस्य रवि-तृप्ति राठी के सुपुत्र झलक ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

नेहा लखोटिया 95.6%

अंगुल (ओडीशा). समाज सदस्य राजेश कुमार-पूजा लखोटिया की सुपुत्री नेहा ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। कम्प्यूटर साइंस व अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक में प्राप्त किए हैं।

यश तापड़िया 96.16%

अजमेर (राज.). समाज सदस्य संजय - रुचिका तापड़िया के सुपुत्र यश ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 96.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक हिन्दी और आईटी में प्राप्त किए हैं।

मेधावी चितलांगिया 95.42%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य अंकुर-मीतू चितलांगिया की सुपुत्री मेधावी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 95.42 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक सामाजिक विज्ञान में प्राप्त किए।

रागिनी राठी 92.8%

दिल्ली. समाज सदस्य भरत-ऋतु राठी की सुपुत्री रागिनी ने सीबीएसई 12वीं में 92.86 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्ट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

श्रेया झंवर 93.38%

मुंबई (महा). समाज सदस्य गंगाप्रसाद-मायादेवी झंवर की सुपुत्री श्रेया ने महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पलक चांडक 94.80 %

रायपुर (छग). समाज सदस्य अनिरुद्ध-श्रद्धा चांडक की सुपुत्री पलक चांडक ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 94.80 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित व बिजनस स्टडी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आरुषि काबरा 97%

मुंबई (महाराष्ट्र). समाज सदस्य अरुण-रेणु काबरा की सुपुत्री आरुषि ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित व फ्रेंच में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

यश सादानी 94.5%

हावड़ा (प.ब.). समाज सदस्य पुरुषोत्तम-संगीता सादानी के सुपुत्र यश सादानी ने आईएससीई की 12वीं की परीक्षा 94.5 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। फिजिकल एजुकेशन व कॉमर्स में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

निखिल झंवर 96.4%

बेलगांव (कर्ना.). समाज सदस्य गिरीश-शिल्पा झंवर के सुपुत्र निखिल ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

संकेत पेडीवाल 96%

गंगटोक(सिक्किम). समाज सदस्य आनंद और सरिता पेड़ीवाल के सुपुत्र संकेत ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

सार्थक परवाल 96%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य नीलेश-लता परवाल के सुपुत्र सार्थक ने सीबीएसई बार्ड की 12वीं की परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अनुराग बागला 91.4%

कोटा (राज.). समाज सदस्य रामकृष्ण-प्रीति बागला के सुपुत्र अनुराग ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 91.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अंग्रेजी में प्राप्त किए हैं।

तन्वी समदानी 90.33%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य मनीष और दीपशिखा समदानी की सुपुत्री तन्वी ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 90.33 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। हिंदी म्यूजिक विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

प्राची दम्मानी 95.33%

मुंबई (महाराष्ट्र). समाज सदस्य राजरतन व आरती दम्मानी की सुपुत्री प्राची ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 95.33 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। भौतिक व रसायनशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

श्रेया काबरा 90.66%

रायपुर (छग). समाज सदस्य कैलाश-लता काबरा की सुपुत्री श्रेया काबरा ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा 90.66 अंकों से उत्तीर्ण की है। हिंदी में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

मिथिल भंडारी 92.4%

उज्जैन (मप्र). समाज सदस्य प्रशांत व सरिता भंडारी के सुपुत्र मिथिल भंडारी ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा 92.4 अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अर्थशास्त्र में प्राप्त किए हैं।

चिराग बिरला 94.4%

कोटा (राज.) समाज सदस्य दिनेश-निशी बिरला के सुपुत्र चिराग बिरला ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की सर्वाधिक अंक फिजिकल एजुकेशन में पाए।

श्रेयांसी भूतड़ा 90.08%

जालौर (राज). वरिष्ठ समाजसेवी व माहेश्वरी महासभा के पूर्व महामंत्री रामकुमार भूतड़ा की सुपौत्री व श्रीकांत-वंदना भूतड़ा की सुपुत्री श्रेयांसी ने सीबीएसई की दसवीं बोर्ड की परीक्षा 90.08 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

तनिषा कोठारी 90.4%

झाबुआ (मप्र). अनिल - योगिता कोठारी की सुपुत्री तनिषा ने सीबीएसई 10वीं कक्षा की परीक्षा 90.4 अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक हिंदी में प्राप्त किए हैं।

श्रेया माहेश्वरी 93.50%

आगरा (उप्र). समाज सदस्य श्यामसुंदर-उर्मिला माहेश्वरी की सुपुत्री श्रेया ने आईएससीई की 12वीं की परीक्षा 93.50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

सिंहस्थ की जानकारी एवं डेढ़ वर्ष के मुहूर्त के साथ

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या
विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

90, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161, 98275-59522

सभी प्रमुख बुक स्टॉलों पर उपलब्ध

वृंदा लाहोटी 94.16%

लक्ष्मणगढ़(राज.). गिरीराज-इंद्रा लाहोटी की सुपुत्री वृंदा ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 94.16 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक आईटी में प्राप्त किए हैं।

कीर्ति सोमानी 94%

वाराणासी (यूपी). समाज सदस्य मनीष-लक्ष्मी सोमानी की सुपुत्री कीर्ति ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सुशील बंग 94.2%

मलकापुर (महा). सामाज सदस्य सत्यनारायण - रूपाली बंग के सुपुत्र सुशील ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मानसी राठी 95.6%

दुर्ग (छग). समाज सदस्य मनीष-आभा राठी की सुपुत्री मानसी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, बिजनस स्टडी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कृतिका माहेश्वरी 92.8%

भीलवाड़ा (राज). समाज सदस्य अनिल कुमार-प्रेमलता माहेश्वरी की सुपुत्री कृतिका ने सीबीएसई की 12वीं बोर्ड की परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एजुकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

महिमा माहेश्वरी 92.6%

कोटा (राज). समाज सदस्य राहुल-गरिमा माहेश्वरी की सुपुत्री महिमा ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

केशव राठी 94.46%

कोल्हापुर (महा.). समाज सदस्य सुनील कुमार राठी के सुपुत्र केशव ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 94.46 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निकित बांगड़ 93.07%

कोल्हापुर (महा.). समाज सदस्य नंदकुमार-रेणु के सुपुत्र निकित बांगड़ ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 93.07 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

प्रथम सावना 93%

रायगढ़ (छग). समाज सदस्य अमर-रीना सावना के सुपुत्र प्रथम ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र और अकाउंट में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रेरणा सोनी 93%

हुगली (पबं.). समाज सदस्य रमेशकुमार-निरुपमा सोनी की सुपुत्री प्रेरणा ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

विशाल तोषनीवाल 92%

कोटा (राज). समाज सदस्य विनय-राधा तोषनीवाल के सुपुत्र विशाल ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हर्षल जागेटिया 92.2%

ब्यावर(राज). समाज महेश-शशि जागेटिया के सुपुत्र हर्षल ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा 92.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

विशेष सोमानी 92.04%

कोटा (राज). समाज सदस्य दिनेश-रेखा सोमानी के सुपुत्र विशेष ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92.04 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

साक्षी बियानी 96.4%

सांगली (महा.). समाज सदस्य सुशील बियानी की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

आयुष बियानी 94%

कोलकाता (पबं.). समाज सदस्य अनिल-विभा बियानी के सुपुत्र आयुष बियानी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अमीषा माहेश्वरी को 92.8%

उज्जैन (म.प्र.). समाज सदस्य नरेंद्र-मंगला माहेश्वरी की सुपुत्री अमीषा ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्टस में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अक्षत लाहोटी 94.6%

कोटा (राज.). समाज सदस्य प्रमोद कुमार व निधि लाहोटी के सुपुत्र अक्षत ने सीबीएसई की 12वीं बोर्ड की परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित व अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सृष्टि मालपानी 92.76%

अमरावती (महा.). समाज सदस्य कमल नयन-चंचल मालपानी की सुपुत्री सृष्टि ने महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं परीक्षा 92.76 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। रसायन शास्त्र व जीवन विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ध्रुव चांडक 94.6%

नागपुर (महा.). समाज सदस्य मनीष-वर्षा चांडक के सुपुत्र ध्रुव ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राधा भट्टड़ 90.8%

खरगोन (मप्र.) समाज सदस्य मनोज कुमार-निशा भट्टड़ की सुपुत्री राधा ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 90.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंटेंसी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सुरभि मंत्री 94.33%

लातुर (महा.). समाज सदस्य सागर-देवकन्या मंत्री की सुपुत्री सुरभि ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा 94.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लीकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

वंशिका काबरा 94.4%

वाराणासी (यूपी). समाज सदस्य कृष्णकुमार - राखी काबरा की सुपुत्री वंशिका ने 10वीं बोर्ड परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अंशुल माहेश्वरी 91.6%

कोटा (राज.). समाज सदस्य महेश कुमार-रिंकू माहेश्वरी के सुपुत्र अंशुल ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इतिहास और अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

व्यंकटेश करवा 93.5%

अमरावती (महा.). समाज सदस्य प्रवीण कुमार-रेखा करवा के सुपुत्र व्यंकटेश ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 93.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

सुमेधा करवा 90%

हैदराबाद (आंप्र). समाज के सदस्य नंदकिशोर-उमादेवी करवा की सुपुत्री सुमेधा ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। राजनीति विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रचित सोनी 98%

नागपुर (महा.). समाज सदस्य मनोज-शिल्पा सोनी के सुपुत्र रचित ने सीबीएसई की 10वीं बोर्ड की परीक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत और गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अंजलि लड्ढा 97.83%

गुड़गांव (हरियाणा). समाज सदस्य सुनील-किरण लड्ढा की सुपुत्री अंजलि ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 97.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, हिंदी और विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

वंशिका कालानी 90.5%

कोटा (राज.). समाज सदस्य हर्ष-वंदना कालानी की सुपुत्री वंशिका ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 90.5 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कुमुद मंत्री 98.2%

पुणे(महा.). समाज सदस्य नंदकिशोर-मीनाक्षी मंत्री के सुपुत्र कुमुद ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 98.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत और गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

अग्रिम टवानी 92.6%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य अनुज-अंजना टवानी के सुपुत्र अग्रिम ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मुस्कान छापरवाल ए-1 ग्रेड

तेलंगाना. समाज सदस्य सुनील-छापरवाल की सुपुत्री मुस्कान ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा ए-1 ग्रेड अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

मितांश माहेश्वरी 91.8%

भोपाल (मप्र.). समाज सदस्य परेश-विनीता माहेश्वरी के सुपुत्र मितांश ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 91.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। समाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पारूल माहेश्वरी 90.6%

कोटा (राज.). समाज सदस्य नरेशकुमार - मधुबाला की सुपुत्री पारुल ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, बॉयोलाजी, फिजिकल एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

यश भट्टड 94%

अमरावती (महा.). समाज सदस्य पवन-मीना भट्टड़ के सुपुत्र यश ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

शिवांगी सोमानी 92.6%

जयपुर (राज.) समाज सदस्य संजय-वंदना सोमानी की सुपुत्री शिवांगी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

वेदांश माहेश्वरी 97%

बेमेतरा (छग). समाज सदस्य संदीप-तरुणा माहेश्वरी के सुपुत्र वेदांश ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

शिवम सोमानी 93.6%

हनुमानगढ़ (राज.). समाज सदस्य अजय-पूजा सोमानी के सुपुत्र शिवम ने 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, अर्थशास्त्र, अकाउंट्स, बिजनेस स्टेडिज़ में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

कीर्ति माहेश्वरी 97%

जयपुर (कोटा). समाज सदस्य प्रकाश-श्रद्धा माहेश्वरी की सुपुत्री कीर्ति ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। मनोविज्ञान शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

प्रथमेश माहेश्वरी 90.6%

डुंगरगढ़ (छग). समाज सदस्य अशोक कुमार - ममता माहेश्वरी के सुपुत्र प्रथमेश ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

अवनी भदादा 92.6%

उदयपुर (राज). समाज सदस्य दिलीप-अंजना भदादा की सुपुत्री अवनी ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 92.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। पेटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अंजलि माहेश्वरी 90.4%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य अशोक कुमार - रमादेवी माहेश्वरी की सुपुत्री अंजलि ने राजस्थान बोर्ड 12वीं बोर्ड की परीक्षा 90.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बिजनेस स्टडीज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक तापड़िया 91.6%

सेलम (तमिलनाडु). समाज सदस्य राकेश-सोनल तापड़िया की सुपुत्री महक ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट् में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रिंसी माहेश्वरी 93%

कोटा (राज.). समाज सदस्य भूपेन्द्र-कमलेश माहेश्वरी की सुपुत्री प्रिंसी ने राजस्थान बोर्ड 12वीं परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बिजनेस स्टेडिज़ में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

खुशी मंत्री 95%

ब्यावर (राज.). समाज सदस्य मनीषकुमार 1-रेखा मंत्री की सुपुत्री खुशी ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

शुभ माहेश्वरी 94.4%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य दीपक-ज्योति माहेश्वरी के सुपुत्र शुभ ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र, बिजनेस स्टडिज़ में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अदिति बागड़ी 93%

बीकानेर (राज.). समाज सदस्य गोपीवल्लभ- पूर्णिमा बागड़ी की सुपुत्री अदिति ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 93% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

विशाखा कोठारी 95.16%

रिसारा (प. बंगाल). समाज सदस्य अशोक कुमार-नीलम कोठारी की सुपुत्री विशाखा ने आईएससीई 12वीं की परीक्षा 95.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र और गणित में शतप्रतिशत अंक प्राप्त किए।

रिया माहेश्वरी 92.4%

साहरनपुर (यूपी.). समाज सदस्य संजीव कुमार-सारिका की सुपुत्री रिया ने 12वीं बोर्ड परीक्षा 92.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

भूमि चांडक 92.4%

विशाखापट्टनम (आंप्र.) समाज सदस्य रवि-विनीता चांडक की सुपुत्री भूमि ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 92.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अक्षत झंवर 90.2%

ब्यावर (राज.) समाज सदस्य राजीव-पूर्णिमा के सुपुत्र अक्षत ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 90.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ईशान बल्दवा 93.2%

नांदेड (महा.). समाज सदस्य राधेश्याम-कल्पना बल्दवा के सुपुत्र ईशान ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा 93.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राघव मूंदड़ा 96.6%

दुर्ग (छग.). समाज सदस्य अरुण-मधु मूंदड़ा के सुपुत्र राघव ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 96.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, बिजनेस स्टडिज़ में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक सारड़ा 96.4%

जामाशेदपुर (झारखंड). समाज सदस्य कमलकिशोर - सुधा सारड़ा के सुपुत्र कीर्ति ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रथमेश लखोटिया 94.6%

पुणे (महा). समाज सदस्य निलेश-प्रीति के सुपुत्र प्रथमेश ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

कुमुद राठी ए-1 ग्रेड

हैदराबाद (आंप्र). समाज सदस्य गोविंद कुमार-सरिता राठी की सुपुत्री कुमुद ने तेलगांना बोर्ड की दसवीं बोर्ड की परीक्षा में ए-1 ग्रेड प्राप्त की है। इन्होंने सभी विषयों में ए-1 ग्रेड प्राप्त की है।

छवि लखोटिया 96%

किशनगढ़ (राज.). समाज सदस्य सुधीर-शोभा लखोटिया की सुपुत्री छवि ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मीत डागा 92%

हावड़ा (प.बं.). समाज सदस्य राजीव-नेहा डागा सुपुत्र मीत ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक चांडक 90.83%

फरीदकोट (पंजाब). समाज सदस्य संजीवकुमार -मनीषा माहेश्वरी की सुपुत्री महक ने सीबीएसई 10वीं परीक्षा 90.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

करण चांडक 90.6%

रायपुर (छ.ग.). समाज सदस्य जगदीश - श्रद्धा चांडक के सुपुत्र करण ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

आर्यन भूतड़ा 95.57%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य अनित-सीमा भूतड़ा के सुपुत्र आर्यन ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 95.57 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

चेष्ठा राठी 98.14%

जयपुर (राज). समाज सदस्य बल्देव-रीता राठी की सुपुत्री चेष्ठा ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 98.14% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

लविना तापड़िया 93.4%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य विनोद-मंजू तापड़िया की सुपुत्री लविना ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

विधि दहाड़ 94.92%

पुणे (महा.). समाज सदस्य विजय-मंजुषा दहाड़ की सुपुत्री विधि ने महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की 12वीं में परीक्षा 94.92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फ्रेंच में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सान्निध्य बाहेती 98%

इंदौर (मप्र). समाज सदस्य विशाल-अरुणा बाहेती के सुपुत्र सान्निध्य ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फ्रेंच में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हर्ष काकानी 90.09%

हैदराबाद (तेलंगाना). समाज सदस्य पवनकुमार - शशिकांता काकानी ने तेलगांना बोर्ड की 12वीं परीक्षा 90.09 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक संस्कृत में प्राप्त किए हैं।

विदिशा जाजू 95.5%

कोलकता (प.बं). समाज सदस्य राजेश-कृष्णा जाजू की सुपुत्री विदिशा जाजू ने आईएससीई की 12वीं परीक्षा 95.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रिया मालपानी 95.6%

000. समाज सदस्य राजेश-उषा मालपानी की सुपुत्री रिया ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बॉयोलाजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रचना काबरा 91.6%

चैन्नई (तमिलनाडु). समाज सदस्य संदीप-उमा काबरा की सुपुत्री रचना ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

परिधि माहेश्वरी 96.42%

दिल्ली (दिल्ली). समाज सदस्य पुरुषोत्तम - किरण माहेश्वरी की सुपुत्री परिधि ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 96.42 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित और आईटी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

क्षीतिज माहेश्वरी 91%

हरिद्वार (उत्तराखंड). समाज सदस्य प्रतिक-शालिनी माहेश्वरी के सुपुत्र क्षीतिज ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

शिक्षा मोदी 99%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य मनीष-योगिता की सुपुत्री शिक्षा ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 99 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, बिजनेस स्टडिज और अकाउंट्स में शतप्रतिशत अंक प्राप्त किए।

यश जाखोटिया 92.16%

कोलकाता (प.बं.). समाज सदस्य देवकिशन - कविता जाखोटिया सुपुत्र यश ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 92.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राघव राठी 92.6%

मदनगंज (राज.). समाज सदस्य प्रकाश-पूजा राठी के सुपुत्र राघव ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा 92.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बिजेनस स्टडिज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक इनानी 92.2%

जयपुर (राज). समाज सदस्य श्रीगोपाल - जयश्री इनानी की सुपुत्री महक ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

कृष्णा माहेश्वरी 93.6%

ग्वालियर (मप्र). समाज सदस्य प्रसुन-प्रेरणा माहेश्वरी के सुपुत्र कृष्णा ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

नवदीप माहेश्वरी 94.6%

फतेहाबाद (हरियाणा). समाज सदस्य विनोद कुमार-सरोज माहेश्वरी के सुपुत्र नवदीप ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 94.6% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित, रसायनशास्त्र और भौतिक शास्त्र में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

नमन कोठारी 90.92%

नागपुर (महा.). समाज सदस्य राजेश-संगीता कोठारी के सुपुत्र नमन ने 12वीं की परीक्षा 90.92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

सिद्धांत बाहेती 97.66%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य विशाल-अरुणा बाहेती के सुपुत्र सिद्धांत ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 97.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हर्ष मल्ल 95.5%

रायपुर (छत्तीगढ़). समाज सदस्य नीकेश - दीपमाला मल्ल के सुपुत्र हर्ष ने सीबीएसई 10 वी में 95.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत, अंग्रेजी, गणित व सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

नेहा झंवर 97%

डांडेली (कर्नाटक). समाज सदस्य मधुसूदन - मधुबाला झंवर की सुपुत्री नेहा ने कर्नाटक स्टेट बोर्ड की 12वीं परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स, गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अनुष्का मालू 92.2%

मंदसौर (मप्र). समाज सदस्य संजय-प्रमिला मालू की सुपुत्री अनुष्का ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 92.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

शिवम कोठारी 96.33%

कोलकाता (प.बं). समाज सदस्य ललित-शशि कोठारी के सुपुत्र शिवम ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा 96.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आशी माहेश्वरी 92%

उज्जैन (मप्र). समाज सदस्य जितेंद्र-अंजू माहेश्वरी की सुपुत्री आशी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

साहिल राठी 91.53%

नागपुर (महा.). समाज सदस्य राजेश राठी के सुपुत्र साहिल ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 91.53 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

गौरांग खटोड़ 97.83%

देहरादुन (उत्तराखंड) समाज सदस्य नीतेश-बेला खटोड़ के सुपुत्र गौरांग ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा 97.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी, गणित व कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ऋषिका बंग 90.8%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य नंदकिशोर-ज्योति बंग की सुपुत्री ऋषिका ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 90.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्युकेशन में शतप्रतिशत अंक प्राप्त किए।

वंशिका साबू 90.8%

श्रीमाधोपुर (सिकर). समाज सदस्य संतोषकुमार - राजकुमारी सुपुत्री वंशिका ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 90.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आयुषी काबरा 95.4%

गुवाहटी (असम) समाज सदस्य ओमप्रकाश - संगीता काबरा की सुपुत्री आयुषी ने आसाम बोर्ड 12वीं की परीक्षा 95.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। रसायन व भौतिक शास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

श्रेया माहेश्वरी 95.6%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य अशोक - सोनाली माहेश्वरी की सुपुत्री श्रेया ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। मनोविज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

ऐश्वर्य जाजू 92.83%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य रवीन्द्रकुमार - मनीषा के सुपुत्र ऐश्वर्य ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अदित झंवर 94.5%

थाणे (महा). समाज सदस्या डॉ. माया झंवर के सुपुत्र अदित ने आईसीएसई की 10वीं की परीक्षा 94.5% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। भूगोलिक शास्त्र, इतिहास में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

लखन राठी 91.6%

जलगांव (महा.). समाज सदस्य प्रदीप-भारती राठी के सुपुत्र लखन ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

चिराग सारडा 90.2%

हैदराबाद (तेलं.). समाज सदस्य आनंदराम - रीना सारडा के सुपुत्र चिराग ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा 90.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। संस्कृत विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

विधि चाण्डक 92.83%

जोधपुर (राजस्थान). अ.भा.माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री समाजसेवी कमल किशोर चाण्डक की पौत्री व राधेश्याम-कल्पना चाण्डक की सुपुत्री विधि ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा में 92.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

हर्ष बाहेती 90.2%

बूंदी (राज.). समाज सदस्य रविदत्त-अंजना के सुपुत्र हर्ष ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 90.2प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स, अर्थशास्त्र में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

श्रद्धा मालपानी 96%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य उमेश-योगिता मालपानी की सुपुत्री श्रद्धा ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हेरम्ब बिड़ला 92%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य तरुण-सुनन्या बिड़ला के सुपुत्र हेरम्ब ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

दिशा लखोटिया 96.8%

नागपुर(महाराष्ट्र). समाज सदस्य सतीश-आशु लखोटिया की सुपुत्री दिशा ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 96.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

आयुष काबरा 96.33%

बुल्ढाणा (महा.). समाज सदस्य नीरज-मनीषा काबरा के सुपुत्र आयुष ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 96.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। विज्ञान, आईटी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

ध्रुव मूंधड़ा 95.6%

औरंगाबाद (महा). समाज सदस्य धीरज-अर्चना मूंधड़ा के सुपुत्र ध्रुव ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी, सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

खुशी आगीवाल 94.6%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य संजीव-प्रतिभा आगीवाल की सुपुत्री खुशी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

रिद्धि मंत्री 93.83%

रायपुर (छग). समाज सदस्य राजीव-जया मंत्री की सुपुत्री रिद्धि ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 93.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राशि होलानी 91.2%

जालना (महा.). समाज सदस्य पवन-कविता होलानी की सुपुत्री राशि ने सीबीएसई 10वीं परीक्षा 91.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मधु टावरी 91.6%

वर्धा (महा.). समाज सदस्य त्रिलोक-मंजूश्री टावरी की सुपुत्री मधु ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

गर्व मूंदड़ा 96.6%

उदयपुर (राज.). समाज सदस्य राजेश-रेणु मूंदड़ा के सुपुत्र गर्व ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 96.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आयुषी तापड़िया 93%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य महेश-निर्मला तापड़िया की सुपुत्री आयुषी ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा 93% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। फिजिकल एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

हर्षित सोड़ानी 90.6%

ग्वालियर (मप्र.). समाज सदस्य अरविंद-सीमा सोड़ानी के सुपुत्र हर्षित ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

लीशा लोहिया 95.5%

सुकमा (छ.ग.). समाज सदस्य राज कुमार-लक्ष्मी लोहिया की सुपुत्री लीशा ने छत्तीसगढ़ बोर्ड 10वीं की परीक्षा में 95.5 से उत्तीर्ण की। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

मनन माहेश्वरी 94.14%

कानपुर (उ.प्र.). समाज सदस्य अमित-मुक्ता शारदा के सुपुत्र मनन ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा में 94.14 से उत्तीर्ण की। इतिहास, फिजिकल एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

मुस्कान माहेश्वरी 94.6%

अहमदाबाद (गुज.). समाज सदस्य अंशुमन-तनू माहेश्वरी की सुपुत्री मुस्कान ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 94.6प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत, गणित व सामाजिक विज्ञान में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

प्रतिछि मालपानी 92%

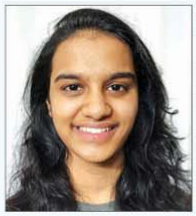

पुणे (महा.). समाज सदस्य प्रमोद-कविता मालपानी की सुपुत्री प्रतिछि ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। जर्मन भाषा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आर्ची कोठारी 95.6%

विजयपुर (मप्र.). समाज सदस्य त्रिलोक-संगीता कोठारी की सुपुत्री आर्ची ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बॉयोलाजी में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

श्रद्धा माहेश्वरी 93.6%

अजमेर (राज.). समाज सदस्य प्रेमरतन-इंद्रादेवी की सुपुत्री श्रद्धा ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बॉयोलाजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राघव जैथलिया 93.6%

ब्यावर (राज.). समाज सदस्य सुनील-मधु जैथलिया के सुपुत्र राघव ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

तुषार मानधना 97.83%

बैंगलुरु (कर्नाटक). समाज सदस्य अरुण-गायत्री मानधना के सुपुत्र तुषार ने कर्नाटका बोर्ड 12वीं की परीक्षा 97.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, अकाउंट्स में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अनुषा डागा 94.83%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य जीतेन्द्र-मीनाक्षी डागा की सुपुत्री अनुषा ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान, आईटी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हर्ष मूंदड़ा 94.6%

फरीदाबाद(हरियाणा. समाज सदस्य विमल-ममता मूंदड़ा के सुपुत्र हर्ष ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

दीपक झंवर 94.2%

मंचेरियल (तेल.). सामाजा सादस्या भगवानदास - आरती झंवर के सुपुत्र दीपक ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

जूही तापड़िया 97%

हबरा (पबं). समाज सदस्य राजन - रंजीता तापड़िया की सुपुत्री जूही ने आईसीएसई की दसवीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक कमर्शियल स्टडी विषय में प्राप्त किए हैं।

अनन्या मोदी 90%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य शैलेश-राखी मोदी की सुपुत्री अनन्या ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

दिव्या साबू 98.6%

हिसार (हरियाणा). समाज सदस्य संदीप कुमार - ममता साबू की सुपुत्री दिव्या ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 98.6% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। संस्कृत, गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

श्रुति भट्टड 95.6%

जोधपुर (राज). समाज सदस्य सुधीर-किरण भट्टड की सुपुत्री श्रुति ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

मिलन सोमानी 96.6%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य अनिल-ज्योति सोमानी के सुपुत्र मिलन ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 96.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

सृष्टि माहेश्वरी 94.33%

किशनगढ़ (राज). समाज सदस्य आलोक अंजना गुप्ता (सोनी) की सुपुत्री सृष्टि ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में 94.33 से उत्तीर्ण की। पेंटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

शिवम अजमेरा 97.66%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य पंकज-प्रीति अजमेरा के सुपुत्र शिवम ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 97.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। पेंटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

खुशी जाखेटिया 97%

इंदौर (मप्र). समाज सदस्य गौरव-प्रियंका जाखेटिया की सुपुत्री खुशी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक फ्रेंच में प्राप्त किए हैं।

प्रांजलि कालानी 94%

गुड़गांव (हरियाणा). समाज सदस्य सतीश-रिविका कालानी की सुपुत्री प्रांजलि ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। भारतीय संगीत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पूर्वी मूंदड़ा 95.6%

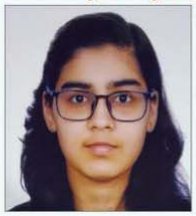

कोटा (राज.). समाज सदस्य अशोक-शिखा मूंदड़ा की सुपुत्री पूर्वी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.6प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, रसायनशास्त्र और बॉयोलाजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

चिराग कलंत्री 96.15%

अमरावती (महा.). समाज सदस्य संदीप कलंत्री के सुपुत्र चिराग ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 96.15 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

सानिध्य तापड़िया 96.8%

कोटा (राज.). समाज सदस्य रोहित-रेणू तापड़िया के सुपुत्र सानिध्य ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 996.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, भौतिकशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

दिव्यम माहेश्वरी 96.4%

पाली (राज.). समाज सदस्य हरीश माहेश्वरी के सुपुत्र दिव्यम ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

ऋषि सोनी 90%

अमरावती (महा). समाज सदस्य संदीप-ममता सोनी के सुपुत्र ऋषि ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत, गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

केशव मूंदड़ा 94.4%

अबोहर (पंजाब). समाज सदस्य नवीन-नेहा मूंदड़ा के सुपुत्र केशव ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्युकेशन सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

श्रवण सोमानी 97.83%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य संजय-रचना सोमानी के सुपुत्र ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 97.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी, कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

विधि मालपानी 93%

चंद्रपुर (महा.). समाज सदस्य साकेत मालपानी की सुपुत्री विधि ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। आईटी शतप्रतिशत अंक प्राप्त किए।

प्रियांश देवपुरा 95.40%

नाथद्वारा (राज.). समाज सदस्य दिनेशचंद्र - रेखा देवपुरा के सुपुत्र प्रियांश ने राजस्थान बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 95.40% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। भौतिकशास्त्र, गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

आयुष शारदा 92.4%

कोटा (राज.) समाज सदस्य हरिकुमार-मंजुला शारदा के सुपुत्र आयुष ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 92.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित में प्राप्त किए हैं।

राधा भूतड़ा 93.4%

वर्धा (महा.). समाज सदस्य दिनेश-सविता भूतड़ा के सुपुत्री राधा ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 93.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कैशव काबरा 94.2%

दिल्ली. समाज सदस्य श्रीनिवास-रिंकु काबरा के सुपुत्र कैशव ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। राजनीति शास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

जाह्नवी अटल 93.6%

आगर-मालवा (मप्र). समाज सदस्य विजय-नयना की सुपुत्री जाह्नवी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

तुषार लड्ढा 93.8%

कोटा (राज.). समाज सदस्य डी.डी.-प्रवीणा लड्ढा के सुपुत्र तुषार ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्युकेशन में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

पूजा बिड़ला 91.6%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य महेश-सीमा बिड़ला की सुपुत्री पूजा ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। रसायन शास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आदित्य राठी 97.16%

अकोला (महा.). समाज के सदस्य जगुलकिशोर-ज्योति राठी के सुपुत्र आदित्य ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 97.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

साकेत इनानी 95.6%

वारांगल (तेलं.). समाज सदस्य प्रेमचंद्र-संगीता इनानी के सुपुत्र साकेत ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। रसायन शास्त्र में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

मेघना माहेश्वरी 90.4%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य बृजराज-सारिका माहेश्वरी की सुपुत्री मेघना ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 90.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

नंदनी मूंदड़ा 93.8%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य शंभुलाल - निशा मूंदड़ा की सुपुत्री नंदनी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कार्तिक राठी 93%

जोधपुर (राजं.) समाज सदस्य प्रकाश-अनामिका राठी के सुपुत्र कार्तिक ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अकाउण्ट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

निखिल पेड़ीवाल 95%

श्रीगंगानगर (राज.). समाज सदस्य राकेश कुमार- सोनिया पेड़ीवाल के सुपुत्र निखिल ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सभी विषयों में उच्चत्तम अंक प्राप्त किए।

सिया बंग 93.16%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य शिवरतन - चंद्रकला बंग की सुपुत्री सिया ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 93.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

अदित्री बंग 91 %

जयपुर समाज सदस्य शिवरतन-चंद्रकला बंग की सुपुत्री अदित्रि ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। बिजनेस स्टडिज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

श्रीधर माहेश्वरी 96.4%

राजनंदगांव (छग). समाज सदस्य सुशील कुमार - कृष्णा माहेश्वरी के सुपुत्र श्रीधर ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 96.4% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। फिजिलकल एज्युकेशन सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

संजना राठी 94.23%

हावड़ा (पश्चिम बंगाल). समाज सदस्य पवन कुमार-शशि देवी राठी की सुपुत्री संजना ने पश्चिम बंगाल बोर्ड 12वीं की परीक्षा 94.23 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

राशि रांदड़ 91.2%

जालंधर (पंजाब). समाज सदस्य मनोज कुमार - रीना रांदड़ की सुपुत्री राशि ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 91.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हर्षिता बिहानी 94.5%

दिल्ली. समाज सदस्य गोपाल-सुनीता बिहानी की सुपुत्री हर्षिता ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 94.5 से उत्तीर्ण की। सामाजिक गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

स्वप्निल राठी 96.66%

जोधपुर (राजस्थान). समाज सदस्य विनोद राठी के सुपुत्र स्वप्निल ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 96.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

सार्थक बहेड़े 92.4%

जलगांव (महा.). समाज सदस्य नीरज-सुजाता बहेड़े के सुपुत्र सार्थक ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 92.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निधि मालपानी 4.2%

पुणे (महा.). समाज सदस्य अविनाश-प्रीति मालपानी की सुपुत्री निधि ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

पार्थ मूंधड़ा 93.8%

डुंगरगढ़ (छग). समाज सदस्य विकास-रूपा मूंधड़ा के सुपुत्र पार्थ ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स, इम्फोरमेटिक प्रेक्टिकल में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

आर्य झंवर 90.5%

दिल्ली. समाज सदस्य श्यामसुंदर-रंजना झंवर के सुपुत्र आर्य ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 90.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। आईटी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

मितांश काबरा 96.83%

अहमदाबाद(गुज.). समाज सदस्य रवि-उषा काबरा के सुपुत्र मितांश ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा 96.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इतिहास में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

दिव्या मूंदड़ा 91%

उदयपुर (राज.). समाज सदस्य मुकेश-सीमा मूंदड़ा की सुपुत्री दिव्या ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

क्षितेज राठी 96.2%

पाली (राज.). समाज सदस्य जगदीशप्रसाद-सुशिला राठी के सुपुत्र क्षितेज ने सीबीएसई की 12वी की परीक्षा 96.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

श्रेया करवा 98%

गुंतकल (आ.प्र.). समाज सदस्य श्रीकुमार -अर्चना करवा की सुपुत्री श्रेया ने सीबीएसई 10वीं परीक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, आईटी में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

आयुशी सोमानी 96.8%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य नटवर-संतोष सोमानी की सुपुत्री आयुशी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 96.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। उद्यमिता में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

हार्दिक माहेश्वरी 98 %

जयपुर (राज.). समाज सदस्य राकेश-मंजू माहेश्वरी के सुपुत्र हार्दिक ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, कम्प्यूटर एप्लिकेशन में में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

साक्षी बिड़ला 94.4%

टोंक (राज.). समाज सदस्य गोविंदनारायण-राधा बिड़ला की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94.4% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। फिजिकल एज्युकेशन सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

वेदिका दरगड़ 94.83%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य अरुण कुमार-पूनम दरगड़ की सुपुत्री वेदिका ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

साक्षी राठी 93%

दिल्ली. समाज सदस्य पवन-सरिता राठी की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। पेंटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ऋषिका डागा 92.6%

धनबाद (झारखंड). समाज सदस्य आलोक-प्रीति डागा की सुपुत्री ऋषिका ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 92.6से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

स्वधा खटौड़ 95.4 %

अमरावती (महा.). समाज सदस्य माधव खटौड़ की सुपुत्री स्वधा ने महाराष्ट्र बोर्ड की 10वीं परीक्षा 95.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

रिया मोहता 97%

पुणे (महा.). समाज सदस्य अभय-रुपल मोहता की सुपुत्री रिया ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

सुषमा टावरी 96%

अमरावती (महा.). समाज सदस्य त्रिलोक-मंजू टावरी की सुपुत्री सुषमा ने महाराष्ट्र बोर्ड 12वीं की परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

धीरज गिलड़ा 90.92%

अमरावती (महा.). समाज सदस्य राजेश गिलड़ा के सुपुत्र धीरज ने महाराष्ट्र बोर्ड 12वीं की परीक्षा 90.92 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अमन मूंधड़ा 91%

ब्यावर (राज.). समाज सदस्य राधेश्याम - इंदू मूंधड़ा के सुपुत्र अमन ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्यूकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

वैभव बलदेवा 97.4%

थाणे (महाराष्ट्र). समाज सदस्य मनीष-पुष्पा बलदेवा के सुपुत्र वैभव ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 97.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

अधीरा माहेश्वरी 97.16%

पुणे (महा.). समाज सदस्य आशीष-शिप्रा माहेश्वरी की सुपुत्री अधीरा ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा 97.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी, इतिहास व गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

खुशी हेड़ा 97.4%

अजमेर (राज.). समाज सदस्य कौशल-रश्मि हेड़ा की सुपुत्री खुशी ने सीबीएसई की 12वी की परीक्षा 97.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। पेंटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

माधव इनानी 98.2%

हैदराबाद (तेलं.). समाज सदस्य राजगोपाल इनानी के सुपुत्र माधव ने तेलंगाना स्टेट बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 98.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सर्वाधिक अंक संस्कृत में प्राप्त किए हैं।

मानसी मानधनिया 94.76%

नागपुर (महा.). समाज सदस्य राजेश-मानधनिया की सुपुत्री मानसी ने महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं परीक्षा 94.76 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कैमेस्ट्री में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

संजना माहेश्वरी 92.8%

जालौर (राज.). समाज सदस्य भवानी शंकर- प्रेमलता माहेश्वरी की सुपुत्री संजना ने की 12वीं परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

नित्या बियानी 96.4%

पुणे (महा.). समाज सदस्य कमलकिशोर-सुजाता बियानी की सुपुत्री नित्या ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 96.4% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। संस्कृत में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

वरूण राठी 90.2%

इंदौर (म.प्र.). समाज सदस्य अमित-श्वेता राठी के सुपुत्र वरूण ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 90.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

सलोनी मूंधड़ा 93.16%

कोलकत्ता (प.बं.). समाज सदस्य भगवती प्रसाद - सुनीता मूंधड़ा की सुपुत्री सलोनी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। उद्यमिता में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक मंत्री 92.5%

बहादुरगढ़ (हरि.). समाज सदस्य प्रवीण-नीतू मंत्री की सुपुत्री महक ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 92.5से उत्तीर्ण की। गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

दर्शन चिण्डक 97.66%

बेलगांव (कर्नाटक) समाज सदस्य गजानन -गोपिका चिण्डक के सुपुत्र दर्शन ने कर्नाटक बोर्ड की 12वीं परीक्षा 97.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्टस में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

कृष्णा बंग 90.6%

नागौर (राज.). समाज सदस्य रामराज-शांति के सुपुत्र कृष्णा ने राजस्थान बोर्ड 10वी की परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

खुशी लड्ढा 94%

इंदौर (म.प्र.). समाज सदस्य सुनील-भगवती लड्ढा की सुपुत्री खुशी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्टस में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

इशेता राठी 94.5%

कोलकत्ता (महा.). समाज सदस्य गोपाल-अलका राठी की सुपुत्री इशेता ने आईएससीई 12वीं की परीक्षा 94.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र व गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रथम भाला 92.16%

हावड़ा (प.बंगाल.). समाज सदस्य राजेश कुमार-सविता भाला के सुपुत्र प्रथम ने आईएससीई 12वीं की परीक्षा 92.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

कनक राठी 92.5%

अजमेर (राज.). समाज सदस्य अभिषेक-सोनिया राठी की सुपुत्री कनक ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 92.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आर्या सोमानी 95.4%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य गुंजन-कीर्ति सोमानी की सुपुत्री आर्या ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 95.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी और फिजिकल एज्यूकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

युवराज माहेश्वरी 91.6%

दिल्ली. समाज सदस्य मनोज कुमार-शिखा माहेश्वरी के सुपुत्र युवराज ने सीबीएसई की 10वी की परीक्षा 91.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

राघव कोठारी 94.33%

कोलकत्ता (प.बं.). समाज सदस्य महेश-सुनीता कोठारी के सुपुत्र राघव ने आईसीएसई 10वीं परीक्षा 94.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लीकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

खुशी कासट 97%

अमरावती (महा) समाज सदस्य शरद-स्तिमा कासट की सुपुत्री खुशी ने आईसीएसई की 10वीं बोर्ड की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्यूकेशन में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

अक्षत भट्टड़ 90%

कोलकाता (प.बं). समाज सदस्य कैलाश कुमार- शशि भट्टड़ के सुपुत्र अक्षत भट्टड़ ने सीबीएसई बोर्ड की कक्षा दसवीं की परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित में प्राप्त किए हैं।

सृष्टि बियानी 96.16%

बैंगलुरु (कर्ना.). सामाजा सदस्या गोविंदप्रसाद - मीना बियानी की सुपुत्री सृष्टि ने कनार्टक बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 96.16% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित व साइंस में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

आदित्य बागड़ी 94.16%

सिरसा (हरियाणा). समाज सदस्य संजय-सोनिया बागड़ी के सुपुत्र आदित्य ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

अनमोल राठी 92.6%

किशनगढ़ (राज). समाज सदस्य कमल-सविता राठी के सुपुत्र अनमोल ने सीबीएसई बोर्ड की कक्षा दसवीं की परीक्षा 92.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित में प्राप्त किए हैं।

अखिल माहेश्वरी 95%

नोएडा (उप्र). समाज सदस्य अमित-आरती माहेश्वरी के सुपुत्र अखिल ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 95से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

गौरांग मूंधड़ा 93.8%

कोटा (राज.). समाज सदस्य शैलेन्द्र-सविता मूंधड़ा के सुपुत्र गौरांग ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आदित्य माहेश्वरी 93.8%

जयपुर (राज). समाज सदस्य अंशुमन-कल्पना माहेश्वरी के सुपुत्र आदित्य ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

केशव माहेश्वरी 94.2%

दिल्ली. समाज सदस्य वेद कुमार - सरोज माहेश्वरी के सुपुत्र केशव ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

आंचल लड्ढा ए-1 ग्रेड

तेलंगाना. समाज सदस्य संजय लड्ढा की सुपुत्री आंचल लड्ढा ने तेलंगाना बोर्ड की दसवीं की परीक्षा ए-1 ग्रेड से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित व सामाजिक विज्ञान में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

कनिष्का न्याति 98%

गुड़गांव (हरि.). समाज सदस्य सिद्धार्थ-प्रमिला न्याति की सुपुत्री कनिष्का ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। आईटी में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

श्रद्धा माहेश्वरी 95.66%

इंदौर (म.प्र.). समाज सदस्य विपिन-वर्षा माहेश्वरी की सुपुत्री श्रद्धा ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 95.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सा. विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अर्नव भट्टड़ 92.4%

रायपुर (छग.). समाज सदस्य नवरतन-अर्चना भट्टड़ के सुपुत्र अर्नव ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 92.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिंदी, सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अथर्व काबरा 90%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य दिनेश-प्रीति काबरा के सुपुत्र अथर्व ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

उदित सोनी 91.16%

गोहाटी (असाम). सामाजा सदस्य अरुणकुमार-तारादेवी सोनी के सुपुत्र उदित ने असम बोर्ड 10वीं की परीक्षा 91.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कृष्णा हेड़ा 96%

नासिक (महा.). समाज सदस्य किरण-पूनम के सुपुत्र कृष्णा ने आईसीएसई की 10वीं परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। फिजिकल एज्यूकेशन में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

कनक डागा 96.4 %

अमरावती (महा.). समाज सदस्य फूलचंद्र डागा की पौत्री व मनोज डागा की सुपुत्री कनक ने महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा 96.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

दिशा बियानी 90.46%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य विजय-रुचि बियानी की सुपुत्री दिशा ने महाराष्ट्र बोर्ड 12वीं की परीक्षा 90.46% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इन्वायरमेंट एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

स्पर्श परतानी 90.8%

उदयपुर (राज.). समाज सदस्य मुकुल-चेतना परतानी के सुपुत्र स्पर्श ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 90.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

तन्मय राठी 94.33%

चित्तौड़गढ़ (राज.). समाज सदस्य सुनील-अमिता राठी के सुपुत्र तन्मय ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 94.33 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

श्रेया माहेश्वरी 94.16%

आगरा (उप्र). समाज सदस्य श्यामसुंदर-उर्मिला माहेश्वरी की सुपुत्री श्रेया ने आईसीएसई 12वीं की परीक्षा में 94.16 से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

कीर्ति बूब 93.8%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य कन्हैयालाल-गीतू बूब की सुपुत्री कीर्ति ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अखिलेश झंवर 93.16%

कोलकाता (पबं.). समाज सदस्य श्रीकांत-सविता झंवर के सुपुत्र अखिलेश सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 93.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। वेब एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

वंशिका बाहेती 90%

जावर (मप्र). समाज सदस्य एसोसे-अभिलाशा पुगलिया की सुपुत्री अनन्या ने माशिमं भोपाल की 10वीं की परीक्षा 92.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

संजना भूतड़ा 96.6%

अहमदनगर (महा.). समाज सदस्य चेतन-शीतल भूतड़ा के सुपुत्री संजना ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 96.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

दीपांशी माहेश्वरी 95.2%

कोटा (राज.). समाज सदस्य शीतल-दीपा माहेश्वरी की सुपुत्री दीपांशी ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 95.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, फिजिकल एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

ऋतिका सोमानी 94.15%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य रामकिशोर सोमानी की सुपुत्री ऋतिका ने 12वीं बोर्ड की की परीक्षा 94.15 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। एन्वारमेंट एज्युकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अंशुमिता तापड़िया 93.4%

दिल्ली. समाज सदस्य प्रदीप - अल्पना तापड़िया के सुपुत्री अंशुमिता ने सीबीएसई 12वीं में 93.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

इशिता लड्ढा 92.5%

नईदिल्ली. समाज सदस्य नितिन लड्ढा की सुपुत्री इशिता ने सीबीएसई 12वी की परीक्षा 92.7 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी, अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

आर्यन पुगलिया 90.8%

दिल्ली. समाज सदस्य अमित-वरुणा पुगलिया के सुपुत्र आर्यन ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 90.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

आयुष बिड़ला 94.4%

भीलवाड़ा (राज.) समाज सदस्य गोविंद-सुधा बिड़ला के सुपुत्र आयुष ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

अनवी सोमानी 95.4 %

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य अनुपकुमार - अनिता सोमानी की सुपुत्री अनवी ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 95.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। पेटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।

रागिनी राठी 92.8%

दिल्ली. समाज सदस्य भरत-ऋतु राठी की सुपुत्री रागिनी ने सीबीएसई 12वीं में 92.86 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउण्ट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

राघव जैथलिया 93.6%

ब्यावर (राज.). समाज सदस्य सुनील-मधु जैथलिया के सुपुत्र राघव ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, अकाउंट्स, बिजनेस स्टडिज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

हिमांश मोहता 94.83%

कोलकाता (पबं.). समाज सदस्य कृष्ण कुमार-पद्मा मोहता के सुपुत्र हिमांश ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा 94.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

गौरी मालपानी 95.68%

डांडेली (पश्चिम बंगाल). समाज सदस्य कमलेश-डॉ. प्राचना की सुपुत्री गौरी ने कर्नाटका बोर्ड 10वीं की परीक्षा में 95.68 से उत्तीर्ण की। कन्नड़ भाषा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

राधिका मूंदड़ा 96%

डांडेली (पश्चिम बंगाल) समाज सदस्य कमल-प्रमिला मूंदड़ा की सुपुत्री राधिक ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

आर्ची टावरी 90.5%

सुकमा (छग). समाज सदस्य उत्तम-रेखा टावरी की सुपुत्री आर्ची ने छत्तीसगढ़ बोर्ड 10वीं की परीक्षा में 90.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

साक्षी बिहानी 90.6%

नागोर (राज.) समाज सदस्य बृजमोहन-सरिता बिहानी की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 90.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

महक पुंगलिया 93.4%

जोधपुर (राज.). समाज सदस्य मनीष-विनीता पुंगलिया की सुपुत्री महक ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अक्षरा माहेश्वरी 91.4%

भीलवाड़ा (राज.). समाज सदस्य विनय-इंद्रा झंवर की सुपुत्री अक्षरा ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

हृदय सुखानी 94.7%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य मनीष-पूनम सुखानी के सुपुत्र हृदय ने आईसीएसई 10वीं की परीक्षा 94.7 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

दीया बिहानी 96%

जलपाईगुड़ी (पबं.) समाज सदस्य दिलीपकुमार बिहानी की सुपुत्री दीया ने आईसीएसई 10वीं में 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। कप्यूटर एवं हिस्ट्रीकल ज्योग्राफी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अनिरुद्ध बजाज 92.6%

सीकर (राज.). समाज सदस्य नारायण-संगीता बजाज के सुपुत्र अनिरुद्ध ने राजस्थान बोर्ड 12वी की परीक्षा 92.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अंग्रेजी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अंशुल मंत्री 93.57%

मुंबई (महा.). समाज सदस्य मनीष मंत्री के सुपुत्र अंशुल ने इंटरनेशनल जनरल सार्टिफिकेट ऑफ एज्युकेशन 10वी की परीक्षा 93.57 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। रसायनशास्त्र, भौतिक शास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

अमीषा करनानी 91%

हावड़ा (पबं.) समाज सदस्य श्रीगोपाल-रूपा करनानी की सुपुत्री अमीषा ने पश्चिम बंगाल बोर्ड की 12वीं परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

अनुशिका धूत 92.8%

वाराणसी (यूपी. समाज सदस्य पवन-राजश्री धूत की सुपुत्री अनुशिका ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में 92.8 से उत्तीर्ण की। पेंटिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

आयुष सारड़ा 97.83%

हावड़ा (पबं.) समाज सदस्य राजीव-अनीता सारड़ा के सुपुत्र आयुष ने आईएससीई 12वीं की परीक्षा 97.83% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। अर्थशास्त्र, कॉमर्स, में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

वंश चौखड़ा 96.2%

इंदौर (मप्र.). समाज सदस्य पुष्पेन्द्र-प्रीति चौखड़ा के सुपुत्र वंश ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 96.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

ऋषिका गांधी 93.8%

जोधपुर (राज.). सामाज सदस्या किशनलाल-अंजना गांधी की सुपुत्री ऋषिका ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इन्फोरमेटिकल प्रेक्टिकल में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

कीर्ति जाजू 91.8%

उज्जैन (मप्र.). समाज सदस्य विष्णु-श्वेता जाजू की सुपुत्री कीर्ति ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 91.8 से उत्तीर्ण की। सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

हर्षवर्धन माहेश्वरी 98%

सरभोग (असम. समाज सदस्य प्रवीण-सुमन माहेश्वरी के सुपुत्र हर्षवर्धन ने असम 10वीं की परीक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, सामाजिक विज्ञान में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

वंदिता सोमानी 96.6%

दिल्ली. समाज सदस्य राकेश-सुधा सोमानी की सुपुत्री वंदिता ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 96.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

श्रेय बागड़ी 97.6%

कोयंबटूर(तमिल.). समाज सदस्य विनोद कुमार-श्वेता बागड़ी के सुपुत्र श्रेय ने 10वीं की परीक्षा 97.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

शशांक राठी 92.8%

गुड़गांव(हरियाणा.). समाज सदस्य राजेश-सुनीता राठी के सुपुत्र शशांक ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। अकाउंट्स, गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

परांजय मूंदड़ा 93.8%

कोलकाता (पबं.). समाज सदस्य राजीव-पारूल मूंदड़ा की सुपुत्री परांजय ने सीबीएसई 12 वी में 93.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। वेब एप्लिकेशन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

आनंद बजाज 92.8%

यवतमाल (महा.). समाज सदस्य अनिल-कविता बजाज के सुपुत्र आनंद ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्राची पच्चीसिया 98.16%

जयपुर (राज.). समाज सदस्य नरेश-श्वेता पच्चीसिया की सुपुत्री प्राची ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 98.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

तुषार राठी 96.2%

दिल्ली. समाज सदस्य भूषण-विजयश्री राठी के सुपुत्र तुषार ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 96.2% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। गणित, विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

शैली माहेश्वरी 90%

रायपुर (छग.). समाज सदस्य शैलेन्द्र-मीना माहेश्वरी की सुपुत्री शैली ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। संस्कृत में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

हार्दिक कोठारी 97%

दिल्ली. समाज सदस्य भरत-दीप्ति कोठारी के सुपुत्र हार्दिक ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। स्पेनिश भाषा में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

स्पर्श परतानी 90.8%

उदयपुर (राज.). समाज सदस्य मुकुल-चेतना परतानी के सुपुत्र स्पर्श ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा 90.8% अंकों से उत्तीर्ण की। गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

यश सिकची 89%

श्रीडूंगरगढ़. समाज सदस्य अशोक-भारती सिकची के पुत्र यश ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा 89 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

कुंज राठी 87.80%

श्रीडूंगरगढ़. समाज सदस्य बद्रीनारायण-लक्ष्मीदेवी के पौत्र तथा प्रदीप-सीता राठी के पुत्र कुंज ने सीबीएसई दसवीं की बोर्ड परीक्षा 87.80 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है।

ओम राठी 89.50%

अकोला (महा). समाज सदस्य सुनील-ममता के सुपुत्र ओम ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 89.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित विषय में प्राप्त किए हैं।

दीक्षा माहेश्वरी 89.8%

नई दिल्ली. समाज सदस्य मनीष- करुणा माहेश्वरी की सुपुत्री दीक्षा ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 89.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित और विज्ञान में प्राप्त किए हैं।

खुशी नागोरी 89.4%

इंदौर (मप्र). समाज सदस्य जगदीश-सरिता नागोरी की सुपुत्री खुशी ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा 89.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अकाउंटेंसी में प्राप्त किए हैं।

कोमल बिहानी 89%

हावड़ा (पबं). समाज सदस्य सुरेश-मनीषा बिहानी की सुपुत्री कोमल ने आईएससीई बोर्ड की 12वीं परीक्षा 89 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित विषय में प्राप्त किए हैं।

प्रियांशु लखोटिया 88.5%

कोलकाता (पबं). समाज सदस्य गिरीराज-संगीता लखोटिया के सुपुत्र प्रियांशु ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा 88.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित विषय में प्राप्त किए हैं।

निकेतन सोनी 88.83%

हावड़ा (पबं). समाज सदस्य बीएल-रेणु सोनी के सुपुत्र निकेतन ने आईएससीई बोर्ड की 12वीं परीक्षा 88.83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित में प्राप्त किए हैं।

काव्या बाहेती 87.16%

कोलकाता (पबं). समाज सदस्य श्री बाहेती की सुपुत्री काव्या ने आईएससीई बोर्ड की 10वीं परीक्षा 87.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अंग्रेजी विषय में प्राप्त किए हैं।

रौनक दुदानी 86.4%

नईदिल्ली. समाज सदस्य महेश कुमार-शलिनी दुदानी की सुपुत्र रौनक ने सीबीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 86.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अकाउंटेंसी व अंग्रेजी में प्राप्त किए हैं।

सिद्धि माहेश्वरी 89%

भीलवाड़ा (राज). समाज सदस्य सुनीत-सिंपल जागेटिया की सुपुत्री सिद्धि माहेश्वरी ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा 89.16 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित में प्राप्त किए हैं।

हर्षिता मूंदड़ा 88.5%

कोलकाता (पंब). समाज सदस्य राजीव-पारूल मूंदड़ा की सुपुत्री हर्षिता मूंदड़ा ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा 88.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक अंग्रेजी में प्राप्त किए हैं।

रुचिका भराड़िया 89.4%

अजमेर (राज). समाज सदस्य कैलाश - नीलू भराड़िया की सुपुत्री रुचिका ने सीबीएसई 10वी की परीक्षा 89.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है। सर्वाधिक अंक गणित विषय में प्राप्त किए हैं।

पलक राठी 89.66%

नवी मुंबई (महा). समाज सदस्य पवन-श्वेता राठी की सुपुत्री पलक ने आईएससीई बोर्ड की दसवीं परीक्षा 89.66 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सर्वाधिक अंक कमर्शियल स्टडीज में प्राप्त किए हैं।

माधवन तोषनीवाल 89.06%

कोटा (राजस्थान). समाज सदस्य संकेत-जयप्रभा तोषनीवाल के सुपुत्र माधवन ने सीबीएसई की 12वीं परीक्षा 89.06 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। सर्वाधिक अंक फिजिकल एजुकेशन में प्राप्त किए।

राजस्थान के छोटे से कस्बे खींवसर ने समाज को ऐसी कई विभूतियां दी हैं, जिन्होंने इस कस्बे को देशभर में विशिष्ट पहचान दी है। वर्तमान में समाज में युवा वर्ग को प्रशासनिक सेवा की ओर प्रेरित करना समय की प्रमुख अवश्यकता बन चुकी है। ऐसे में खींवसर व मुंबई माहेश्वरी समाज से प्रथम IAS बनने का सम्मान भी इसी मिट्टी के लाल दीपक करवा दिलवाने वाले हैं।

□ टीम SMT

IAS में चयनित 'खींवसर के लाल'

दीपक करवा

खींवसर जिला नागौर (राजस्थान) के मूल निवासी व वर्तमान में मुंबई निवासी समाज सदस्य बाबूलाल करवा के सुपुत्र दीपक करवा ने वर्ष 2019 की संघ लोकसेवा आयोग की प्रशासनिक सेवा परीक्षा में आईएएस के लिए चयनित होने में सफलता प्राप्त की है। दीपक आगामी सितंबर 2020 से प्रारंभ होने वाली आईएएस की प्रशिक्षण बैच में शामिल होंगे। कोरोना महामारी के कारण इस परीक्षा के परिणाम के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा लेकिन आखिरकार रक्षाबंधन का पर्व 4 अगस्त उनके और समाज के लिए एक नई खुशखबरी लेकर आ ही गया। इस परीक्षा में उन्हें 48वीं रैंक राष्ट्रीय स्तरीय पर प्राप्त हुई। यह उनका जुनून ही है कि वर्ष 2017 में बीएसएफ में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर जगह चयनित हो कर भी उन्होंने ज्वाइन नहीं किया था। बस लक्ष्य था आईएएएस और आखिरकार बनकर ही ही दम लिया।

महासभा बनी करवा परिवार की प्रेरणा

दीपक का जन्म 21 मई 1992 को खींवसर जिला नागौर (राजस्थान) के मूल निवासी व मुंबई की एक प्रतिष्ठित कंपनी में सेवारत समाज सदस्य बाबूलाल व वीणादेवी करवा के यहां हुआ था। दीपक बचपन से ही पढ़ाई में तीक्ष्ण बुद्धि ही थे। अतः उन्होंने जेईई जैसी कठिन परीक्षा उत्तीर्णकर आईआईटी चैन्नई से बीटैक किया। लेकिन महासभा द्वारा भीलवाड़ा में आयोजित सम्मेलन ने प्रशासनिक सेवा के लिए प्रेरित कर दिया। बस यह प्रेरणा दीपक के पिता श्री बाबूलाल करवा के मन में घर कर गई और इसने पारिवारिक प्रेरणा का रूप भी ले लिया। श्री करवा अपने पुत्र की इस सफलता का श्रेय वरिष्ठ समाजसेवी पद्मश्री बंशीलाल राठी के आशीर्वाद व नवल राठी और प्रशांत बांगड़ के प्रोत्साहन को भी देते हैं।

बहन बनी दीपक की प्रेरणा

करवा परिवार में उत्पन्न हुए प्रशासनिक सेवा के प्रति रुझान का सर्वप्रथम प्रभाव दीपक की बड़ी बहन सोनू माहेश्वरी में दिखाई दिया। समाज व पिता की प्रेरणा ने सोनू को संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की ओर प्रेरित तो कर दिया लेकिन इस बीच उनका विवाह हो गया और पारिवारिक व्यस्तता की विवशता में आखिरकार उन्हें सफलता की यात्रा को मझधार में ही विराम देना पड़ा। बस उनके मन में दबी इस इच्छा ने छोटे भाई दीपक को राह दिखाई। वैसे दीपक ने बीटेक के अंतिम वर्ष 2015 में प्रथम बार अपने सहपाठियों को देखकर यह परीक्षा दे दी थी लेकिन गंभीरता से न लेने के कारण इसमें पूरी तरह असफलता ही हाथ लगी थी।

असफलता में भी सफलता की राह

उन्हें जो सफलता मिली वह सहज ही नहीं मिल गई बल्कि अंतिम छठे प्रयास में जाकर मिली। दीपक ने एक एजुकेशनल स्टार्ट अप अवंति में नौकरी करते हुए दी थी। दूसरी बार यह परीक्षा दी और उसमें भी परीक्षा पैटर्न में बदलाव के कारण असफल हो दूसरा अवसर भी गंवा दिया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा में सामान्य वर्ग के उम्मीदवार को कुल 6 अवसर ही मिलते हैं। अतः उनके पास अब मात्र 4 ही अवसर शेष थे और वे अभी तक प्रारंभिक परीक्षा की उत्तीर्ण नहीं कर पाए थे। वर्ष 2016 में भी 8 अंकों से प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हो पाई। वर्ष 2017 के चौथे प्रयास में प्रथम बार प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण हुई लेकिन मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हो सकी। उन्हें इससे बहुत हताशा हुई और उन्होंने महाराष्ट्र ट्राइबल डिवलपमेंट विभाग में नौकरी कर ली। इस दौरान कई आईएएस अधिकारियों के संपर्क में आए तो फिर उत्साह जागा। वर्ष 2018 में फिर परीक्षा दी लेकिन इस बार भी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हो पाई। कुछ सलाहकारों ने उन्हें पूर्णकालिक तैयारी की सलाह दी। बस दीपक अपने मित्र सुमित गुप्ता व टोकॉस के साथ फिर जुट गए और इस बार वर्ष 2019 की प्रारंभिक परीक्षा ही नहीं बल्कि संपूर्ण चयन प्रक्रिया में देशभर में 48वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण कर के ही दम लिया।

बच्चों के लिए अमृत है माँ का दूध

आपने फिल्मों अथवा रोजमर्रा के उत्तेजनात्मक अवसर पर सामने वाले को ललकारते हुए कहते सुना होगा 'मां का दूध पीया हो तो...।' यह वास्तव में एक पंक्ति मात्र नहीं है, बल्कि इन शब्दों में मां के दूध का महत्व भी निहित है। कारण मां का दूध बच्चे के लिए वह अमृत है, जो उसे पूरे जीवन के लिए हर प्रकार की शक्ति प्रदान करता है। इसके इसी महत्व को देखते हुए प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है।

डॉ. मंगल-शरद राठी
स्त्री रोग विशेषज्ञ, परतवाड़ा

प्रत्येक वर्ष 1 से 7 अगस्त तक संयुक्त राष्ट्र की पहल पर स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं में स्तनपान के महत्व के बारे में और स्तनपान संबंधी अधिकार के प्रति जागरूकता लाना है। साथ ही कार्यस्थलों में भी इस प्रकार का माहौल बनाना कि स्तनपान कराने वाली महिलाओं को किसी भी प्रकार की असुविधाएं ना हों। बच्चे को सर्दी, बुखार, खांसी, उल्टी, पीलिया जैसी बीमारियां होने पर भी मां को स्तनपान करवाते रहना चाहिए, क्योंकि वह बच्चे के लिए ज्यादा फायदेमंद रहता है। शिशु को कभी भी बोटल से दूध ना पिलाएं। सीधे स्तनपान ही करवाएं। कामकाजी महिलाएं जब भी काम पर जाना हो तो साफ सुथरी कटोरी में दूध निकाल कर फ्रीज में रख सकती हैं जो 24 घंटे तक अच्छा रहता है।

कब से कब तक पिलाएं दूध

डब्ल्यू एच ओ की सिफारिश के अनुसार नवजात शिशु के लिए शुरुआती दौर का पीला गाढ़ा चिपचिपा युक्त दूध (कोलेस्ट्रम) संपूर्ण आहार होता है जिसे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद आधे घंटे के भीतर ही शुरू कर देना चाहिए। सामान्यतः बच्चे को 6 महीने की अवस्था से 2 साल तक स्तनपान कराने की अनुशंसा की जाती है। शिशु के जन्म से जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी शिशु को स्तनपान करवाना चाहिए। जन्म के आधे घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान करवाना फायदेमंद होता है। जन्म से ही कमजोर, कम वजन वाले, फटी होंठ वाले बच्चों को भी स्तनपान करवाना चाहिए। सिजेरियन डिलीवरी में ऑपरेशन थिएटर के बाहर नर्सेस या रिश्तेदार की सहायता से स्तनपान करवाया जा सकता है। छह महीने तक शिशु को सिर्फ और सिर्फ मां का ही दूध पिलाना चाहिए और उसके बाद उम्र के साथ ठोस आहार भी दे, लेकिन 2 साल तक मां का दूध जरूर देते रहें। माता के बीमार होने पर भी शिशु को स्तनपान करवाया जा सकता है। आमतौर पर मां को होने वाली साधारण बीमारियों जैसे सर्दी, खांसी, बुखार से शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। यहां तक कि मां को टायफाइड, मलेरिया, एड्स, डायबिटीज, पीलिया और कुष्ठ रोग होने पर भी स्तनपान करा सकती हैं, बशर्ते मां दवाई लेने के बाद स्तनपान करवाए।

इन बातों का रखें ध्यान

मां के दूध का उत्पादन मांग और आपूर्ति पर आधारित होता है। मां जितना अधिक स्तनपान कारती है उतना ही दूध अधिक आता है। इसलिए बच्चा जब-जब दूध की मांग करता है तब-तब बच्चे को दूध पिलाना चाहिए। इससे शिशु की वृद्धि तेजी से होती है। समय की पाबंदी नहीं होनी चाहिए। जुड़वा बच्चे होने पर भी बच्चों को जितना जरूरी है, उतना दूध मां को आना ही आना है और आता है। सिर्फ आत्मविश्वास बना कर रखना चाहिए। स्तनपान कराने वाली मां को संतुलित आहार लेना जरूरी है। जिससे कि उसके शरीर में बनने वाला दूध भी पौष्टिक और मात्रा में अधिक हो। इसके लिए अपने भोजन में हरी और पत्तेदार सब्जियां, दूध से बनी चीजें, सूखे मेवे, गुड़, तेल, घी और मौसम के अनुसार आने वाले फलों को शामिल करें। पानी भरपूर पीएं।

क्यों है मां का दूध अमृत

मां का दूध केवल पोषण ही नहीं, जीवन की धारा भी है। शिशु के लिए स्तनपान मौलिक अधिकार तथा सर्वोत्तम आहार है। इससे मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शिशु को पहले छह महीने तक केवल स्तनपान पर ही निर्भर रखना चाहिए। मां का पहला दूध वैक्सीन (टीका) की तरह होता है। यह सुपाच्य होता है और इससे डायरिया, निमोनिया जैसे रोग की आशंका भी कम हो जाती है। स्तनपान से शिशु में दमा और कान की बीमारी की आशंका भी कम हो जाती है। स्तनपान करने वाले बच्चों में मोटापा तथा डायबिटीज की आशंका कम होती है और उनका 'आईक्यू' बढ़ता है व रक्त कैंसर और उच्च रक्तचाप का खतरा भी कम हो जाता है। स्तनपान कराने वाली मां और उसके शिशु के बीच भावनात्मक रिश्ता बहुत मजबूत होता है। मां का दूध ना मिलने पर बच्चों में कुपोषण व सूखा रोग की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा मां के दूध में कई प्रकार के प्राकृतिक रसायन भी मौजूद होते हैं जो बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए आवश्यक होते हैं। स्तनपान का महत्व कोविड संक्रमण के दौरान और अधिक हो जाता है क्योंकि स्तनपान रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। प्रत्येक मां को यहां तक कि कोविड संक्रमित मां को भी शिशु को स्तनपान कराना चाहिए, बाकायदा साफ हाथ धोकर, मास्क पहनकर।

माताओं के लिए भी लाभदायक

स्तनपान कराने से माताओं को तनाव कम होता है और प्रसव के बाद होने वाले रक्तस्राव पर नियंत्रण पाया जा सकता है और एनिमिया की आशंका भी कम होती है। मां के लिए दीर्घकालिक लाभ में हृदय रोग और रुमेटी गठिया, स्तन या गर्भाशय के कैंसर का खतरा कम होता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक है। इससे मां तथा शिशु के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत होने से शिशुओं को आराम का और सुरक्षा का एहसास होता है। स्तनपान कराने वाली माताओं में मोटापा भी कम देखा जाता है क्योंकि स्तनपान से मां को फिर से अपना सामान्य आकार पाने में मदद मिलती है। स्तनपान समाज के लिए भी फायदेमंद है क्योंकि यह बच्चों में बीमारी को कम करके स्वास्थ्य संबंधी देखरेख की लागत में कमी लाता है। शिशु मृत्युदर में 20 प्रतिशत कमी लाता है, और इस प्रकार परिवार पर वित्तीय तनाव को कम करता है।

कक्षा 12वीं विद्यार्थी के जीवन की वह सीढ़ी है, जिससे गुजरकर ही उसे लक्ष्य पर पहुंचना होता है। उसके पास इस सीढ़ी पर अवसर रहते हैं कि वह अपने कॅरियर का चुनाव कर सके। उसे आखिर क्या बनना है और वह क्या बन सकता है? आईये जानें 12वीं के बाद आप क्या-क्या कर सकते हैं आप?

डॉ. आर.सी. डाड
मंदसौर (मप्र)

12 वीं के बाद उपलब्ध है

कॅरियर का खुला आकाश

12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी के मस्तिष्क में सदैव यह चलता रहता है कि 12वीं पास करते के पश्चात क्या करना है? किस स्ट्रीम में क्या-क्या अवसर हैं? यह सब जानने एवं समझने की विद्यार्थी में ललक होती है और यह स्वाभाविक भी है। 12वीं के बाद क्या करना है, इसका निर्णय लेना बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यहीं से उनके कॅरियर की दिशा निर्धारित होती है। आजकल के कुछ भ्रामक विज्ञापनों के चलते विद्यार्थी अपने कॅरियर का चयन करते समय काफी कन्फ्यूज्ड हो जाता है। 12वीं के बाद सही कोर्स का चयन करते समय आपको यह पता होना चाहिए कि आपके लिए कौन-सा विकल्प बेहतर है तथा किस विकल्प के माध्यम से आप अपना बेहतर दे सकते हैं।

कैसे करें सही दिशा का चयन

अपनी रुचि का हमेशा ध्यान रखें-यह सदैव ध्यान में रखें कि आपका चुना हुआ कोर्स आपकी अपनी रुचि, इच्छा, जुनून तथा मनपसंद का हो। इस विषय में बिल्कुल स्पष्ट रहे कि आप किस क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं, आपको भविष्य में क्या करना है तथा भविष्य में यह किस हद तक आपके लिए फायदेमंद रहेगा?

कोर्स की समझ- आप किसी कोर्स का चयन कर उसका अध्ययन आरंभ करें, इसके पहले यह ठीक से जानने की कोशिश करें कि उस कोर्स की विषय वस्तु क्या है? किसी भी कोर्स को ज्वाइन करने से पहले अपने कोर्स के विषय में मौजूद सामग्रियों तथा सीनियर्स और फैकल्टी की मदद से जानकारी जुटाना चाहिए। इसके अतिरिक्त ऐसे लोग जो फील्ड में पहले से ही कार्यरत हैं, वे भी आपको सही और सटीक जानकारी प्रदान कर सकते हैं। अगर तब भी आप संतुष्ट न हों तो किसी कॅरियर काउंसलर की सलाह ले सकते हैं।

भविष्यगत संभावनाएं-कोर्स का चयन करने से पूर्व उसकी भविष्यगत संभावनाओं को ठीक से जानना जरूरी है। यदि आप लीक से हटकर किसी नए कोर्स का चयन कर रहे हैं तो भविष्य में उसके विस्तार तथा उसमें ग्रोथ की संभावना पर बहुत गहराई से विचार करने की आवश्यकता होती है, साथ-साथ यह भी देखना चाहिए कि उस फील्ड में 'जॉब अपोरचुनिटिज' कैसी हैं? इसके अतिरिक्त यह भी देखना चाहिए कि इस फील्ड में जॉब करके हायर स्टडीज की जा सकती है या नहीं? अगर यह सारी बातें किसी फील्ड में संभव नजर आती है तो बेशक वह फील्ड आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

विज्ञान (गणित) में अवसर

12वीं के बाद अक्सर छात्र दो ही कोर्सेस इंजीनियरिंग और मेडिकल को कॅरियर विकल्प के रूप में देखते हैं लेकिन अब नित्य नए-नए उभरते विकल्पों की वजह से उनके समक्ष भी अब कई नए कोर्सेस का विकल्प मौजूद है। पुरानी मान्यताओं को तोड़ते हुए छात्र अपनी प्रतिभा के अनुरूप इन नए ऑफ बीट कोर्सेस का चयन करना उसमें सफलता भी हासिल कर रहे हैं। वैसे एक प्रोफेशनल कोर्स होने की वजह से इंजीनियरिंग कोर्स की तरफ विज्ञान-गणित-विषय वाले अधिकतर विद्यार्थी आकर्षित होते हैं। भौतिकी, रसायन तथा गणित विषय के साथ 12वीं पास करने वाले छात्र इस कोर्स में एडमिशन लेने के पात्र होते हैं। इसकी सबसे लोकप्रिय प्रतियोगी परीक्षा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) है।

जीव विज्ञान में अवसर

12वीं कक्षा भौतिकी, रसायन तथा बायलॉजी विषय के साथ पास करने वाले विद्यार्थी एमबीबीएस सहित मेडिकल साइंस से जुड़े अन्य पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं। एमबीबीएस के अतिरिक्त फॉर्मेसी, फिजियोथैरेपी, बीएएमएस, बीएचएमएस, यूनानी चिकित्सा पद्धति, योग एवं नैचुरोपैथी, जेनेटिक्स, माइक्रोबायलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी जैसे पाठ्यक्रम भी ग्रेजुएशन के बाद भरपूर अवसर प्रदान कर रहे हैं।

वाणिज्य (कॉमर्स) के अवसर

12वीं कक्षा कॉमर्स से पास करने वाले विद्यार्थियों के मध्य चार्टर्ड एकाउंटेंसी सबसे लोकप्रिय पाठ्यक्रम है। चार्टर अकाउंटेंसी के अलावा कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अन्य लोकप्रिय पाठ्यक्रम बीबीए, सीएस, लॉ आदि में ग्रेजुएशन भी हैं।

कला (मानविकी) संकाय में अवसर

मानविकी के अंतर्गत अधिक संख्या में कोर्सेस की सुविधा के कारण छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने की आजादी होती है, इसलिए आर्ट्स के प्रति विद्यार्थियों का झुकाव बढ़ता जा रहा है। पत्रकारिता, मास कम्युनिकेशन, विज्ञापन, इंटीरियर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग, फोटोग्राफी, रंगमंच, मनोविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल आदि विषयों में से आर्ट्स के विद्यार्थी किसी भी विषय का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त एक आर्ट्स स्टूडेंट के रूप में आाप लिंग्विस्टिक, फॉरेन लैंग्वेज, फिल्म निर्माण, रिलीजियस स्टडी, कला, इतिहास और ऐसे अन्य संबंधित क्षेत्रों का अध्ययन कर उसमें भी अपना कॅरियर बना सकते हैं।

प्रवेश परीक्षाओं के लिए रहें तैयार

12वीं पास करने के बाद विद्यार्थियों की प्रमुख चिंता किसी न किसी कोर्स में एडमिशन लेने के लिए प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने की होती है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, कॉमर्स, आर्ट्स या किसी अन्य कोर्सेस के लगभग सभी स्ट्रीम्स से संबंधित डोमेन में प्रतिष्ठित कॉलेजों के प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षाओं का अपना एक अलग सेट होता है। इसमें इंजीनियरिंग के लिए जेईई मेंस, जेईई एडवांस, बिट्स पिलानी एन्ट्रेंस, वीआईटी युनिवर्सिटी बेल्लौर एन्ट्रेंस, एमआरएस चैन्नई एन्ट्रेंस इत्यादि होती हैं। मेडिकल साइंस में नीट अंडर ग्रेजुएशन के माध्यम से वर्तमान में भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश होता है। आईसीएआर के माध्यम से कृषि क्षेत्र में प्रवेश होता है। सीपीटी एन्ट्रेंस एग्जाम फाउंडेशन कोर्स अथवा कॉमन प्रोफिसिएन्सी टेस्ट के माध्यम से चार्टर एकाउंटेंसी का कोर्स कर पाते हैं। सीएलटी राष्ट्रीय स्तर पर लॉ पाठ्यक्रम हेतु ली जाने वाली परीक्षा है। ऑर्ट्स में बहुत सारे विषयों की उपलब्धता के कारण भिन्न-भिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कई परीक्षाएं ली जाती हैं।

कैसे प्राप्त करें प्रतियोगी परीक्षा में सफलता

वर्तमान दौर में प्रतियोगी परीक्षा का नाम आते ही आम विद्यार्थी के मन में इसे लेकर असंभव सा भाव आ जाता है। जबकि देखा जाऐ तो यह असंभव नहीं है, आखिर जो इन्हें क्लीयर करते हैं वे भी तो इंसान हैं। बस सफलता के लिए सबसे पहले जरूरी होती है, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की सही योजना। तो आईये देखें कैसे करें हम प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी?

□ टीम SMT

सर्वप्रथम हर चैप्टर का सर्वे

जिस चैप्टर की पढ़ाई शुरू करने वाले हैं, सबसे पहले उसका विस्तारपूर्वक सर्वे कर लें। इसमें कोई भी चीज नहीं छूटनी चाहिए, जैसे इसके कौन-कौन से भाग हैं, हैंडिंग्स, सब हेडिंग्स, कैप्शन, ग्राफ, मैप, टेबल और फिर फिगर इन सभी को कागज पर लिख लें। इसके बाद चैप्टर के कंटेंट का विवरण तैयार हो जाएगा, साथ ही तथ्यों को संगठित करने के लिए फ्रैमवर्क भी मिलेगा। इससे उस चैप्टर से कोई भी सवाल छूटने की आशंका बिल्कुल खत्म हो जाएगी।

प्रश्नों की बनाएं शृंखला

चैप्टर के हर सेक्शन के हैडिंग को सवाल में बदल लें और उसका उत्तर खोजें। आपकी कोशिश यह भी होनी चाहिए कि परीक्षा में पूछे जाने वाले सवालों का अनुमान लगाएं कि कौन से प्रश्न संभावित हो सकते हैं।

कठिन को करें सेक्शन

कठिन चैप्टर को सेक्शन में बांटकर पढ़ें और अपने सवालों का उत्तर खोजें। पढ़ाई करते समय पूरे तथ्य को समझने की कोशिश करें। चैप्टर के अंत में पूछे गए सवालों का उत्तर दें और सभी अंडरलाइन, इटैलिक और बोल्ड शब्दों को नोट कर लें, अगर कोई चैप्टर अधिक कठिन लग रहा हो तो पढ़ाई की गति को कुछ धीमा करना सही होगा।

खुद के ही बनें परीक्षक

जब भी आप किसी सेक्शन को पढ़ लेते हैं तो पढ़े गए टॉपिक से खुद सवाल कीजिए। सभी प्रश्नों के जवाब वर्बली दें और मुख्य बिंदुओं को भी बोलें। आप चाहें तो इनके जवाब और मुख्य बिंदुओं को लिख सकते हैं, इससे आगे ये मददगार साबित होंगे।

हमेशा करें रिव्युह

आपने जिस चैप्टर को पढ़ लिया है, उस पर विस्तार से निगाह डालें। यह भी देख लें कि इसमें सभी मुख्य बिंदु शामिल हुए हैं या नहीं? अपनी मानसिक स्थिति को सुधारें और याददाश्त को मजबूत बनाएं। जबकि चैप्टर की समीक्षा को भी पार्ट वाइज किया जा सकता है।

स्वयं ही लें टेस्ट

अब बारी टेस्ट की है। जब पढ़ाई करते हुए कुछ दिन बीत जाएं, तो यह जांचना जरूरी हो जाता है कि हमें पढ़े हुए चैप्टर में से कितना याद हुआ? सच तो यह है कि टेस्ट पढ़ाई का अहम बिंदु है, अगर इसमें हम सफल नहीं हो पाते हैं तो आपको उस चैप्टर की दुबारा पढ़ाई करनी होगी। हकीकत यह है कि खुद का टेस्ट नहीं लेने से हम इस गलतफहमी में रह सकते हैं कि हम उस खास चैप्टर को अच्छी तरह समझ चुके हैं और हमसे कोई सवाल नहीं छूट सकता। आजकल इसके लिए ऑनलाइन टेस्ट मटैरियल भी उपलब्ध हो जाता है।

भारतीय कालगणना के पंचांग के अनुसार प्रति 3 वर्ष में एक अधिक मास होता है। हिंदू धर्मशास्त्रों में इसे अत्यंत पवित्र मास माना जाता है। यही कारण है कि इसे भगवान विष्णु के प्रिय पुरुषोत्तम मास के रूप में भी जानते हैं। इस बार यह अधिक मास आगामी 18 सितंबर से अश्विन मास के आधिक्य के साथ प्रारंभ हो रहा है जो 16 अक्टूबर को समाप्त

डॉ. महेशचंद्र शर्मा,
जयपुर (राज.)
941413-70518

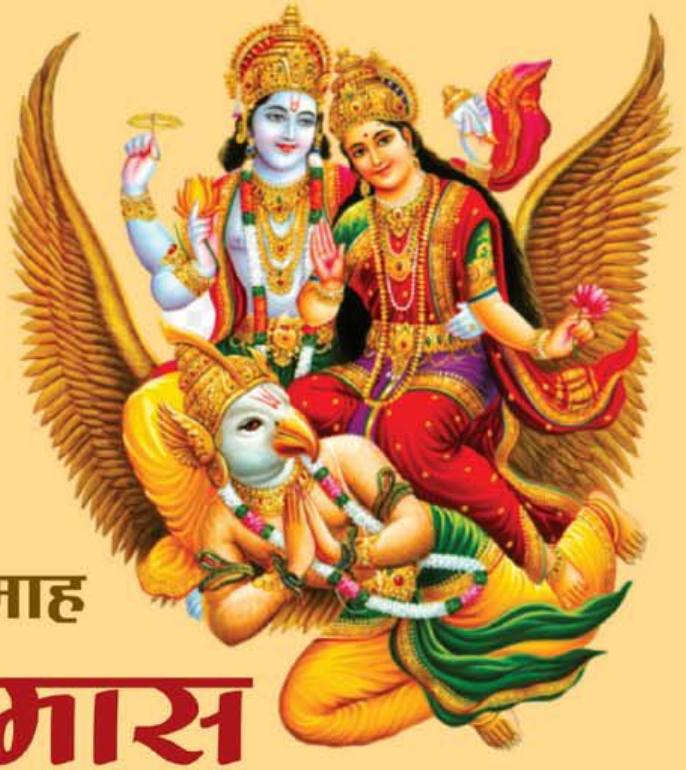

भगवान विष्णु का प्रिय माह
पुरुषोत्तम मास

आश्विन अधिक मास 18 सितम्बर से 16 अक्टूबर, 2020 तक रहेगा। इस दौरान मांगलिक एवं मनोकामना सिद्धि के अलावा अन्य सभी धार्मिक-आध्यात्मिक कार्य होंगे। अधिक मास को पुरुषोत्तम मास, लौंद मास, मलमास आदि नामों से भी जाना जाता है। सौर वर्ष और चान्द्र वर्ष में सामंजस्य स्थापित करने के लिए प्रत्येक तीसरे वर्ष में एक चान्द्र मास की वृद्धि कर दी जाती है। अतः वह वर्ष 13 मास का हो जाता है जिसे अधिक मास कहा जाता है। अधिक मास लगभग 32 माह 16 दिन तथा 4 घटी के अंतर से आता है। सूर्य 30 दिन में राशि परिवर्तन कर अगली राशि में प्रवेश करता है, इस एक माह को सौर मास कहा जाता है। एक चान्द्र मास में दो पक्ष होते हैं, पहला शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से पूर्णिमा तक, पुनः कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक। जिस चान्द्र मास में सूर्य संक्रांति (सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश) का अभाव हो, उस चांद्र मास को अधिक मास कहते हैं। इस दौरान 16 सितंबर को सूर्य कन्या राशि में और 17 अक्टूबर को प्रातः 7.04 बजे तुला राशि में प्रवेश करेगा। इस प्रकार अधिक मास (18 सितंबर से 16 अक्टूबर) के मध्य सूर्य संक्रांति का अभाव रहेगा। स्वामी रहित होने से यह मास मंगल कार्यों के लिए त्याज्य है।

क्यों आता है अधिक मास

ऋग्वेद में वर्णन है कि अधिक मास एक खगोलीय गणना पर आधारित है। जिसके अनुसार सूर्य लगभग 30.44 दिन में एक राशि पूर्ण करता है, यह सूर्य का एक सौर मास है। 12 सौर मास में लगभग 365.25 दिन होंगे जो एक सौर वर्ष होता है। प्रत्येक चान्द्र मास 29.53 दिन का होता है। अतः चान्द्र वर्ष में करीब 354.36 दिन होते है। इस तरह दोनों के कलेण्डर वर्ष में लगभग 10.87 दिन का अन्तर आ जाता है। तीन वर्ष में यह अन्तर लगभग एक माह का हो जाता है। इस अन्तर को दूर करने के लिये हर तीसरे वर्ष में एक अधिक मास का नियम बताया गया है।

क्यों कहलाता है पुरुषोत्तम मास

शास्त्रों के अनुसार इस मास को विशेष महत्वपूर्ण माना गया है। वर्ष के 12 महीनों में सूर्य की 12 संक्रांतियां होती हैं। प्रत्येक मास के स्वामी निर्धारित हैं, अधिक मास का कोई स्वामी नहीं होने के कारण भगवान श्रीकृष्ण ने इसका स्वामित्व स्वयं स्वीकार कर इसे 'पुरुषोत्तम' नाम दिया है। श्रीकृष्ण ने कहा है कि "अहमेते यथा लोके प्रथितः पुरुषोत्तमः। तथायमपि लोकेषु प्रथितः पुरुषोत्तमः।।" अर्थात उन गुणों के कारण जिस प्रकार मैं वेदों, लोकों और शास्त्रों में 'पुरुषोत्तम' नाम से विख्यात हूं, उसी प्रकार यह मलमास भी 'पुरुषोत्तम' मास के नाम से प्रसिद्ध होगा। भगवान पुरुषोत्तम इसको अपना नाम देकर इसके स्वामी बन गए हैं। अतः इसकी महिमा और बढ़ गई है। इस मास में निष्काम भाव से ही देव कार्य करना चाहिए। इस मास का आध्यात्मिक महत्व अधिक होता है। फल प्राप्ति की कामना से किए जाने वाले प्रायः सभी कार्य इस मास में वर्जित हैं। अधिक मास में दान पुण्य, जप तथा व्रत करने का फल अक्षय होता है। श्रीमद्भागवत सप्ताह, श्रीरामचरित मानस पाठ, देवी जागरण, गीताजी का पाठ, रुद्रीपाठ तथा श्री हरिनाम संकीर्तन का आयोजन व श्रवण करना चाहिए। पार्थिव शिव पूजा विशेष फलदायी होती है। अधिक मास में प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में उठकर नित्यक्रिया के पश्चात किसी पुण्यवती नदी या सरोवर में स्नान करना चाहिए। तत्पश्चात विष्णु भगवान का यथाविधि षोड़शोपचार पूजन करना चाहिए। सात्विक भोजन करें। मन, वचन और कर्म से पवित्र रहना चाहिए।

अधिक मास में क्या करें-क्या ना करें

इस मास में केवल ईश्वर के निमित्त व्रत, दान, हवन, पूजा, ध्यान आदि करने का विधान है। ऐसा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य प्राप्त होता है। भागवत पुराण के अनुसार पुरुषोत्तम मास में किए गये सभी शुभ

कार्यों का फल प्राप्त होता है। इस माह में भागवत कथा श्रवण, राधा कृष्ण की पूजा तथा तीर्थ स्थलों पर स्नान एवं दान का महत्व है। 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र अथवा गुरु द्वारा प्रदत्त मंत्र का नियमित रूप से जप करना चाहिए। इस मास में श्रीविष्णु सहस्त्रनाम, पुरुषसूक्त, श्रीसूक्त, हरिवंश पुराण एवं एकादशी महात्म्य कथाओं के श्रवण से सभी मनोरथ पूरे होते हैं। शालिग्राम भगवान की मूर्ति स्थापित करके उसकी स्वयं पूजा करनी चाहिए। श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें (पुरुषोत्तम नामक) अध्याय का अर्थ सहित नित्य पाठ करना चाहिए। इस मास में कामना पूर्ति के लिए किए जाने वाले सभी व्रत, अनुष्ठान आदि करना वर्जित है। अतः कूप निर्माण, बावड़ी, बाग, वन का प्रारंभ तथा देव प्रतिष्ठा व किसी भी प्रयोजन के निमित्त व्रत, उत्सव, उद्यापन, विवाह, वधू प्रवेश आदि कार्य करना वर्जित हैं। भूमि-सोना-तुलादान, भूमि पूजन, कुआं पूजन, संन्यास ग्रहण, किसी भी शुभ कार्य को करना, व्यापार का श्रीगणेश, निंदित अन्न का भोजन, नशीली वस्तुओं का सेवन आदि अधिक मास में ना करें।

राशि अनुसार व्रत-दान-जप

मेष तथा वृश्चिक राशि: इन दोनों का स्वामी मंगल है। अतः अधिक मास में निष्काम भाव से मंगल की वस्तुओं मूंगा, गेहूं, मसूर, लाल वस्त्र, कनेर पुष्प, गुड़, तांबा, लाल चंदन, केसर आदि का दान करें। मंगलवार के व्रत करें। भोजन में प्रथम 7 ग्रास (गेहूं, गुड़ तथा घी से बने हलवा या लड्डू) का भोग लगाकर ग्रहण करें, इसके पश्चात इच्छानुसार पदार्थ सेवन करें। मंगल मंत्र 'ओ ह्रं श्रीं भौमाय नमः' का जप करें।

मिथुन तथा कन्या राशि: इनका स्वामी बुध होने से इन्हें हरे मूंग, हरा वस्त्र, हरा फल, पन्ना, केसर, कस्तूरी, कपूर, शंख, घी, मिश्री, धार्मिक तथा शास्त्र की पुस्तकों का दान करना चाहिए। बुधवार का व्रत करें। भोजन के पूर्व 5-7 तुलसी के पत्ते गंगाजल के साथ ग्रहण करने के पश्चात व्रत खोलें। जपनीय मंत्र 'ओम ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः।'

कर्क राशि: स्वामी चंद्रमा के लिए बांस की टोकरी, साबुत चावल, कपूर, मोती, श्वेत वस्त्र, श्वेत पुष्प, घी से भरा पात्र, चांदी, मिश्री, शर्करा, दूध, दही, खीर, स्फटिक माला इत्यादि का दान करें। सोमवार का व्रत करें। भोजन में प्रथम 7 ग्रास (दही, चावल या खीर) का भोग लगाकर ग्रहण करें, फिर अन्य भोजन सामग्री ग्रहण करें। जपनीय मंत्र 'ओम ऐं क्लीं सोमाय नमः।'

सिंह राशि: स्वामी सूर्य के लिए माणिक्य, सवत्सागाय, लाल वस्त्र, लाल पुष्प, लाल चंदन, गुड़, केसर तथा तांबा दान करें। रविवार का व्रत करें। सूर्यास्त से पूर्व भोजन करें तथा नमक का प्रयोग न करें। सूर्य मंत्र 'ओम ह्रीं ह्रौं सूर्याय नमः' का जाप करें।

वृष तथा तुला राशि: इनमें जन्मे व्यक्तियों का राशि स्वामी शुक्र होने से इन्हें सफेद छींटदार वस्त्र, सजावट-शृंगार वस्तु, सवत्सागाय, सफेद स्फटिक, साबुत चावल, सुगंधित वस्तु, कपूर, श्वेत चंदन, श्वेत पुष्प, घी, शक्कर, मिश्री, दही, खीर, आदि का दान करना चाहिए। गौशाला में दान दें, गाय की सेवा करें। तुलसी की पूजा करें। स्त्रियों का आदर सम्मान करें। शुक्रवार का व्रत करें। व्रत के दिन सफेद रंग की गाय तथा कन्या के दर्शन कर सम्मानित करें। छः कन्याओं को भोजन कराएं जिसमें खीर होनी चाहिए। मंत्र जाप 'ओम ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः।'

मकर तथा कुंभ राशि इनका स्वामी शनि है। इन्हें शनि की प्रिय वस्तुओं तिल, तेल, कुलथी, उड़द, काला वस्त्र, काला पुष्प, जूता, कस्तूरी, नीलम, कटेला, स्टील या लौह पात्र, सप्त धान्य (जौ, गेहूं, चावल, तिल, कागनी, उड़द, मूंग), आदि का दान किसी वृद्ध ब्राह्मण, दीन-हीन, गरीब व्यक्ति, अपंग, बेसहारा आदि को सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा सहित करना चाहिए। शनिवार के व्रत के दिन काले कुत्ते, भिखारी या अपाहिज को उड़द दाल, केला तथा तेल से बना भोजन अवश्य कराएं। 'ओम ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः।' मंत्र के जाप करें।

धनु तथा मीन राशि: राशि स्वामी गुरु की वस्तुओं घी, शहद, शर्करा, हल्दी, पीतवस्त्र, पीत धान्य, शास्त्र पुस्तक, पुखराज, लवण आदि का निष्काम भाव से दान करें। कन्याओं को भोजन कराएं, वृद्धजन, विद्वान एवं गुरुओं की सेवा करें। गुरुवार के व्रत के दिन केले के वृक्ष का दर्शन कर पूजा करें, हल्दी मिश्रित जल से सींचे, घी का दीपक जलाएं। केलों का दान करें स्वयं केले नहीं खाएं। जप मंत्र 'ओम ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः।'

700 अधिक प्रोफेशनल बॉयोडेटा के साथ

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

- विभिन्न वर्गों के लिये भिन्न-भिन्न पृष्ठ
- उत्कृष्ट बॉयोडाटा व आकर्षक कलेवर आज ही
- आज ही सुरक्षित करवाएँ अपनी प्रति

पृथक से प्रति बुक करवाने के लिए शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)

अब रिश्ते आयेंगे – आपके द्वार

'श्री माहेश्वरी मेलापक'
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता क्रं.-31725815057
IFSC Code-SBIN0030062
में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को प्रेषित करें।

हाईटेक व प्रोफेशनल युवक-युवतियों की पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इंदौर रोड, उज्जैन (मप्र)
मो.- 96305-62161, 74770-72161, 94250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

पितृों से आशीर्वाद प्राप्ति का महापर्व
सोलह श्राद्ध

वर्ष में एक बार आने वाला पर्व 'सोलह श्राद्ध' वास्तव में पितृों का महापर्व है। इस पर्व में दिवंगत पितृ अपने लोक से पृथ्वी पर अपने संबंधियों के यहां आते हैं और श्राद्ध से तृप्त हो उनकी मंगलकामना के लिए आशीर्वाद देकर जाते हैं।

पं.सोहन भट्ट, उज्जैन
94251-95741

सोलह श्राद्ध वर्ष में मात्र एक बार आने वाला एक ऐसा सुअवसर है, जिसमें हम अपने दिवंगत पितृों से आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। इसमें अपने वे सबंधितों के यहां आते हैं और श्राद्ध से प्राप्त कव्य से तृप्त होकर उनकी मंगल कामना करते हैं। श्राद्ध शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, श्रद्धा+अर्घ्य, अर्थात् श्रद्धा के साथ पितरों को जो अर्पण किया जाता है, वही श्राद्ध है। पितृ इससे प्रसन्न होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं और इससे परिवार में सभी सुखों की वृद्धि होती है, ऐसा पुराणों में उल्लेख किया गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास कृष्ण पक्ष में अमावस्या तक का 16 दिवसीय पक्ष श्राद्ध कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस पक्ष में एक प्रकार से पितरों का मेला लगता है। इसमें वे सगे संबंधियों के यहाँ कव्य से तृप्त होकर मात्र इन 16 दिवस ही नहीं अपितु वर्ष भर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। अतृप्ति की स्थिति में रुष्ट होकर ये शाप देते हैं, जिससे परिवार कई प्रकार के दुःखों का भाजक बनता है।

कैसे करें श्राद्ध

श्राद्ध के पूर्ण लाभ के लिए सही विधि भी अपनाना आवश्यक है। सर्वप्रथम अपने पूर्वज को आमंत्रित करें। इसके पश्चात श्राद्ध स्थल पर काले तिल बिखेर कर दक्षिण दिशा में उन पूर्वज का स्मरण करते हुए धूप दें। तत्पश्चात् ब्राह्मण भोजन करवाएँ। पितृ श्राद्ध के लिए आमंत्रित किए जाने वाले ब्राह्मणों की संख्या विषम होनी चाहिए। ब्राह्मण यथा संभव शुद्ध सात्विक प्रकृति के व वेदपाठी हों, यह प्रयास करें। दिवंगत पितृ से दुर्भावना रखने वाले ब्राह्मणों को आमंत्रित न किया जाए। भोजन करवाते समय आमंत्रित ब्राह्मणों को दक्षिण दिशा में उत्तराभिमुख बैठाकर भोजन करवाएँ। इसके पश्चात यथा शक्ति वस्त्र, अलंकरण आदि दक्षिणा प्रदान करें। यह सभी पितृ के निमित्त ही होगा। धूप देने के तत्काल बाद गौ, कुत्ते व कौवे को ग्रास देना आवश्यक है। शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि जो लोग कुत्ता पालते हैं, पितृगण उनका श्राद्ध तर्पण आदि ग्रहण नहीं करते। इस बात का ख्याल रखें।

किनका करें श्राद्ध

वैसे तो हर व्यक्ति अपने पिता पक्ष की 7 पीढ़ी और माता पक्ष की चार पीढ़ी का ऋणी होता है, अतः इनका श्राद्ध आवश्यक है। फिर भी यथाशक्ति अपने पूर्वजों का श्राद्ध किया जा सकता है। इसके साथ ही अपनी दिवंगत पत्नी, मित्र, जमाता, शिष्य, पुत्र व अन्य प्रियजनों का श्राद्ध करने का भी विधान है। संक्षेप में कहा जाए तो ऐसे सभी अपने दिवंगतजनों का श्राद्ध अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए जिनसे हमें स्नेह व प्रेम की प्राप्ति हुई हो, क्योंकि उनकी आत्मा इसकी अपेक्षा करती है।

कब करें किनका श्राद्ध

पद्मपुराण पुष्कर खंड में लिखा है कि एकादशी व्रत के दिन श्राद्ध उपस्थित होने पर उस दिन को छोड़कर अगले दिन श्राद्ध करना चाहिए। माता-पिता अथवा पूर्वज के मृत्यु-दिवस पर एकादशी होने पर द्वादशी में श्राद्ध करना चाहिए। स्कंद पुराण में कहा गया है कि एकादशी व्रत नित्य है और श्राद्ध एक नैमित्तिक कार्य है। सुहागिन स्त्री का श्राद्ध पति के रहने तक नवमी को किये जाना का प्रावधान है, चाहे उसकी मृत्यु किसी भी तिथि को हुई हो। पति के स्वर्गवास पश्चात श्राद्ध मृत्यु तिथि को ही किया जाना चाहिए। हांती मृत्यु तिथि को ही निकाली जायेगी। अप्राकृतिक मृत्यु वाले प्राणी (दुर्घटना, आत्महत्या, युद्ध) का श्राद्ध चौदस को ही होगा चाहे उसकी मृत्यु किसी भी तिथि को हुई है। हांती मृत्यु तिथि को ही निकाली जाएगी।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT
THE STRENGTH WITHIN
www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

अंगुलियों की मुद्रा मात्र आध्यात्मिक साधना का ढंग नहीं होती बल्कि इनमें चिकित्सा विज्ञान के सूत्र भी मौजूद हैं। हमारे हाथों के विभिन्न भागों में विभिन्न संवेदनशील बिंदु होते हैं। जब इन बिंदुओं पर दबाब पड़ता है, तो संबंधित रोग दूर होता है। आईये जानें क्या है यह मुद्रा प्रयोग और कुछ समस्याओं में इनका उपयोग।

अद्भुत चिकित्सा है
अंगुलियों की मुद्रा

मानव शरीर का निर्माण पंचतत्वों से हुआ है ये पंचतत्व हैं-अग्नि, वायु, पृथ्वी, जल तथा आकाश। किसी भी शरीर की स्वस्थता हेतु इन पंचतत्वों का संतुलन होना अतिआवश्यक है। मुद्रा विज्ञान के अनुसार हमारे हाथ की पांच अंगुलियां भी इन्हीं पंचतत्वों का प्रतिनिधित्व करती हैं। आधुनिक विज्ञान ने भी स्वीकार किया है कि इन पांचों अंगुलियों से विद्युत चुम्बकीय तरंगें निकलती हैं। यदि इन अंगुलियों पर सही मात्रा में स्पर्श अथवा दबाव दिया जाये तो पंचतत्वों का संतुलन स्थापित होता है और कई बीमारियां दूर होकर शरीर स्वस्थ बनता है। अंगुलियों की विभिन्न स्थिति बनाकर आपस में स्पर्श कराने अथवा दबाव देने से विभिन्न प्रकार की मुद्राओं का निर्माण होता है। यहां पर दो प्रमुख मुद्राओं का विवेचन प्रस्तुत है।

तनाव से मुक्ति का मार्ग 'ज्ञान मुद्रा'

अंगूठे तथा तर्जनी के अग्रसिरों को आपस में मिलाने से ज्ञानमुद्रा का निर्माण होता है। शेष तीनों अंगुलियों को सीधा, मिला हुआ तथा आरामदायक स्थिति में रखा जाता है। इस मुद्रा के करने से मांसपेशियों तथा दिमाग को लाभ प्राप्त होता है। पद्मासन करते समय इस मुद्रा के करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। किन्तु चलते, उठते, बैठते, घूमते समय भी इस मुद्रा को करके लाभ अर्जित किये जा सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार इस मुद्रा को नियमपूर्वक करने से जीवन रेखा तथा बुध रेखा (स्वास्थ्य रेखा) के विकार दूर किये जा सकते हैं। इस मुद्रा का मानसिक स्थिति पर अद्भुत प्रभाव देखने में आया है। इसके नियमित अभ्यास से अनिद्रा, दिमागी असंतुलन, क्रोध, निराशा, तनाव, आलस्य आदि का नाश होता है। इसके साथ ही व्यक्ति को मानसिक शांति का भी अनुभव होता है। चिंतन-शक्ति, याददाश्त तथा एकाग्रता बढ़ाने में भी यह मुद्रा विशेष रूप से सहायक सिद्ध होती है। निरंतर तथा नियमित अभ्यास द्वारा व्यक्ति अपनी छठी इन्द्रिय को भी विकसित कर सकता है।

गैस ट्रबल से मुक्ति देती 'वायु मुद्रा'

इस मुद्रा को बनाने के लिये तर्जनी को अंगूठे के निचले यानि उद्गम स्थान पर रखा जाता है तथा अंगूठे के अग्रभाग से तर्जनी पर थोड़ा दबाव दिया जाता है। शेष तीनों अंगुलियां सीधी रहती है। वात (वायु) का असंतुलन होने से शरीर कई प्रकार की बीमारियों से घिर जाता है। निरंतर 45 मिनट तक वायुभ्यास करने से वातजन्य रोगों से मुक्ति मिलती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार इस मुद्रा के अभ्यास द्वारा शनिपर्वत तथा शनि रेखा (भाग्यरेखा) के दोषों को दूर किया जा सकता है। आर्थराइटिस, पैरालाइसिस तथा स्पॉन्डिलाइसिस जैसी पीड़ादायक बीमारियों में यह मुद्रा विशेष रूप से लाभदायक सिद्ध हुई है। शीघ्र लाभ प्राप्त करने के लिए बीमार व्यक्ति को यह मुद्रा अधिक-से-अधिक समय तक करनी चाहिए। वातदोष द्वारा उत्पन्न पेटदर्द, नाभि का अपने स्थान से खिसकना, हार्निया, गर्दन का दर्द आदि में यह मुद्रा आश्चर्यजनक रूप से लाभ पहुंचाती है। वायुमुद्रा चेहरे के लकवा में भी लाभदायक है। प्रतिदिन 15 से 25 मिनट तक इस मुद्रा का अभ्यास करने से अच्छे परिणाम दृष्टिगोचर होने लगते हैं, पूर्णतया लाभ प्राप्त हो जाने पर इस मुद्रा का अभ्यास रोक देना चाहिए।

ज्वेलरी प्रोडक्ट की डिस्ट्रीब्यूटरशीप शहर स्तर पर देना है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
महाकाली सिल्वर एण्ड गोल्ड प्रा.लि. कोल्हापुर (महा.)
संपर्क- **निलेश डांगरा, मो.98223-70069**
सी-5, सिल्वर झोन, कागल हातकंगले फाईव स्टार, MIDC कोल्हापुर (महा.)
E-mail-orders.mahakalijewellers@gmail.com

''ऑनलाईन शिक्षा''
कितनी उचित –कितनी अनुचित?

वर्तमान में कोविड वैश्विक माहमारी के कारण ऑनलाईन शिक्षा ने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को डिजिटल बना दिया है। 3 वर्ष से लेकर हर उम्र का विद्यार्थी मोबाइल और लेपटॉप में आँखें गढ़ाए अपना भविष्य संवारने में लगा है। ऐसे में प्रश्न खड़ा हो गया है कि क्या इससे प्रत्येक विषय की समुचित पढ़ाई हो रही है? इसने पढ़ाई के लिये विश्वव्यापी द्वार खोले हैं, तो स्वास्थ्य की चुनौती भी उत्पन्न की है। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि ''ऑनलाईन शिक्षा'' कितनी उचित है, कितनी अनुचित ? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विवचार।

स्वास्थ्य व संस्कारों की बलि

कोरोना महामारी के हानिकारक प्रभाव से शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा। सोशल डिस्टेंसिंग के कारण उच्च-शिक्षा ही नहीं प्ले ग्रुप के छोटे तुतलाते बच्चों की शिक्षा भी ऑनलाइन हो रही है। अभिभावक ना चाहते हुए भी अपने हर उम्र के बच्चों के हाथ में लैपटॉप और स्मार्टफोन देने को मजबूर हैं। निम्नवर्गीय परिवारों में कोरोना काल की डगमगाई आर्थिक परिस्थितियों पर ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का इंटरनेट खर्च भी आ गया है। दुःख का विषय तो यह है कि घरेलू कामगारों ने तो डिजिटल खर्च के बारे में सोचकर ही बच्चों की पढ़ाई तक बंद करवा दी है। बच्चों की आंखों और स्वास्थ्य पर भी इसका गहरा असर दिखाई देने लगा है। दूसरी तरफ विभिन्न सोशल साइट्स और यूट्यूब पर आधुनिकता और पाश्चात्य संस्कारों की होड़ में हमारे भारतीय संस्कारों के नाश होने का खतरा मंडराने लगा है। साथ ही हम इस बात को भी अनदेखा नहीं कर सकते कि विद्यालय में सामूहिक शिक्षा द्वारा अर्जित व्यावहारिक ज्ञान और जिज्ञासाओं का आदान-प्रदान विषयों को मजबूत बनाते हैं। यह सच है कि हम भारतीय भी डिजिटल होना चाहते हैं, विश्व के हर देश की तरह हर कार्य ऑनलाइन करके समय और अर्थ की बचत करना चाहते हैं। हम भी चाहते हैं कि हर भारतीय कम्प्यूटर और मोबाइल का ज्ञानी हो, गूगल से पलभर में वो अपनी हर जिज्ञासा पूरी कर पाए। कभी भी हम भारतवासी दुनिया में किसी के समक्ष पिछड़ा और उपेक्षित महसूस ना करें, पर क्या इसके लिए हमें अपने और अपने बच्चों के स्वास्थ्य और संस्कारों की बलि चढ़ानी होगी? आत्मनिर्भर भारत के तहत ऐसे डिजिटल उपकरणों का आविष्कार करना होगा जो हमारे अर्थ और संस्कारों की धज्जियां ना उड़ा सकें। जिसकी सीमाएं भारतीय बच्चों के हिसाब से निर्धारित की जा सकें।

■ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव

ऑनलाइन शिक्षा भी मात्र एक विकल्प

कोरोना संक्रमण की वजह से समूचे देश में लागू लॉकडाउन ने जीवन के हर पहलू को गहराई से प्रभावित किया है। शिक्षा व्यवस्था भी अपने आप को इस विभीषिका के दंश से नहीं बचा पाई। इस विपत्ति से निपटने के लिए ऑनलाइन शिक्षा पद्धति बहु विकल्पों में से एक है जो कि स्वाभाविक भी है और ऐसे समय में विद्यार्थियों से जुड़ने के लिए समय की जरूरत भी। ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली निश्चित समयावधि में शिक्षा व्यवस्था को जारी रखने के लिए भले ही अपनाई जाए परंतु एक विकल्प के रूप में तो कतई नहीं। डिजिटल लर्निंग को 21वीं सदी में नवीनतम शिक्षा प्रणाली का समय, संसाधन एवं दूरी की बचत वाला माध्यम माना जाता है परंतु यह हताशा, अलगाव और अकेलापन भी पैदा कर सकता है। आज ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से बच्चे घर बैठे अपनी पढ़ाई कर पा रहे हैं और परीक्षाएं भी दे पा रहे हैं लेकिन भारत जैसे देश का भविष्य मूल्यपरक पारंपरिक एवं प्रत्यक्ष शिक्षा से ही पुष्पित एवं पल्लवित हो सकता है।

■ **गौतम सोमानी**, उदयपुर

शिक्षा का ये मतलब नहीं है कि आपने कितना कुछ याद किया हुआ है, या ये कि आप कितना जानते हैं? इसका मतलब है आप जो जानते हैं और जो नहीं जानते हैं उसमें अंतर कर पाना.

लाभ और नुकसान दोनों

पिछले कुछ महीनों से भारत सहित दुनिया के कई अन्य देश कोविड-19 महामारी से जूझ रहे हैं, जिसके कारण शिक्षा ऑनलाइन हो गई है। डिजिटल पढ़ाई-लिखाई के हम सब पर अनेक प्रभाव पड़े हैं जैसे पढ़ने के लिए प्रत्येक बच्चा एवं युवा कम्प्यूटर, मोबाइल को जानने व सीखने के लिए प्रेरित हुआ। शिक्षा ऑनलाइन होने से घर-घर इंटरनेट की पहुंच संभव हुई जिससे देश में ज्ञान के प्रसार में वृद्धि हुई। इस महामारी के समय जब हम घर से बाहर नहीं निकल सकते, डिजिटल शिक्षा के माध्यम से घर बैठे देश-विदेश के टॉप स्कूल एवं यूनिवर्सिटीज से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा ने महामारी के समय मे भी बच्चों एवं युवाओं की कल्पनाओं की उड़ान को नए पंख प्रदान किए हैं। ऑनलाइन शिक्षा के यदि अनगिनत लाभ हैं तो इसके नुकसान भी है। मोबाइल, कम्प्यूटर का अधिक प्रयोग मनुष्य के मनोमस्तिष्क पर सीधा प्रभाव डालता है। देश में आज भी कई जगह ऐसी हैं जहां इंटरनेट की पहुंच नहीं है और ऐसे कई विद्यार्थी हैं जो मोबाइल व कम्प्यूटर लेने में आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है जिसके कारण वे अपनी पढ़ाई ऑनलाइन नहीं कर पा रहे हैं। हमें शिक्षा के महत्व को समझते हुए ऐसे छात्रों की यथासंभव सहायता करनी चाहिए।

■ **अपर्णा मोदी**, कोटा, राजस्थान

उपयोगी लेकिन कमी भी है

आज कोविड 19 के लॉकडाउन के तहत हमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उसमें सर्वप्रथम है बच्चों की शिक्षा। ऑनलाइन शिक्षा ने लाकडाउन में चल रही मुश्किल को आसान कर दिया है। अब विद्यालय के निर्देशानुसार शिक्षक बच्चों को घर से ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं ताकि उनकी शिक्षा में बाधा ना पड़े और उनका साल बर्बाद न हो। ऑनलाइन शिक्षा ऐसा माध्यम है जिससे देश के किसी भी कोने या प्रांत से बच्चों को पढ़ा सकते हैं। शिक्षक स्काईप, वाट्सअप और जूम जैसे एप के माध्यम से बच्चों को आसानी से पढ़ा सकते हैं। लेकिन इसमें कमी भी है। ऑनलाइन माध्यम ऑफलाइन पढ़ाई के मुकाबले में कम समय के लिए शिक्षा प्रदान करता है। अध्यापक बच्चों को सिर्फ एकतरफा पढ़ाते हैं, इससे बच्चा ज्यादा समय के लिए क्लास वर्क नहीं कर पाता है। जहां नेटवर्क नहीं है वहां पर ऑनलाइन शिक्षा देना भी मुश्किल है। जिस घर में एक ही स्मार्टफोन हो उस घर में एक ही समय में दो बच्चे कैसे पढ़ाई करेंगे? प्रत्यक्ष शिक्षा में शिक्षक बच्चों को सीधे तरीके से समझा सकता है, आपकी बोलचाल व आपकी बॉडी लैंग्वेज को समझ सकता है और उसके आधार पर वह बच्चों को समझा सकता है। दूसरी ओर ऑनलाइन शिक्षा में प्रत्यक्ष रूप से आमने-सामने बात करने का मौका नहीं मिलता।

■ **हेमलता गांधी,** उज्जैन (मप्र)

सर सलामत तो पगड़ी पचास

कोविड 19 के चलते जनजीवन निश्चित तौर पर पूरी तरह विचलित हुआ है किंतु इस विपरीत हालात में सर्व प्रथम महत्वपूर्ण है सुदृढ़ स्वास्थ्य। सेहत तंदुरुस्त हो तो आज के समय में हो रही क्षतिपूर्ति की भरपाई हम भविष्य में पूर्ण कर लेंगे किंतु जल्दबाजी में लिए निर्णय आगामी जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। तेरह वर्ष से कम आयु के छात्रों को ऑनलाइन अध्ययन करवाना यानी निश्चित उनके सेहत के साथ खिलवाड़ करना होगा। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाली किरणें शारीरिक इंद्रियों को क्षति पहुंचाने का कार्य करती हैं जो अनेक शारीरिक व्याधियों को निमंत्रण देती है। साथ ही हर छात्र की बौद्धिक क्षमता अलग-अलग होती है। पाठ्यक्रम समझ ना आने पर उनकी अध्ययन से रुचि कम होने की भी आशंका है। अभिभावकों की गैरहाजिरी में बच्चे ऑनलाइन अध्ययन के अलावा निरर्थक चीजें भी देखते हैं जिससे शारीरिक और मानसिक विकास में भी बाधा उत्पन्न होगी। इस वर्ष संयम रखें और यह सोचकर चलें कि यह समय हमें स्वयं के विकास हेतु मिला है। चौदह वर्ष के उपरी आयु वर्ग निश्चित सीमा में रहकर ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का उपयोग कर सकता है। इनकी इंद्रियां कुछ हद तक परिपक्व हो जाती हैं। भविष्य निर्माण की नींव अर्थात बुनियाद का प्रारंभ इस आयु से होता है। वैसे भी अधिकांश जगह वर्चुअल लेक्चर देख बच्चों को अध्ययन करना जरूरी होता है। इसलिए इस आयु वर्ग के बच्चे अपनी गतिविधियां जारी रखें और लक्ष्य हासिल करें।

■ **राजश्री राठी,** अकोला (महाराष्ट्र)

छोटे बच्चों के लिए अनुचित

संपूर्ण विश्व में कोविड बीमारी फैल रही है। पूरे संसार में हाहाकार मचा है। ऐसे समय भारत में शिक्षा का प्रसार मोबाइल, लैपटॉप के माध्यम से हो रहा है। अभी-भी 60 प्रतिशत बच्चों के पास लैपटॉप, मोबाइल व्यवस्था नहीं है। कुछ गांवों में तो इंटरनेट भी समस्या है। छोटे बच्चों को मोबाइल हाथ में देने से स्वास्थ्य के साथ वे अपने मूल संस्कार से भी तेजी से भटक रहे हैं और यूट्यूब से अपनी संस्कृति-भारतीय संस्कृति के संस्कार खत्म हो रहे हैं और बाहर के संस्कार, पाश्चात्य संस्कृति के संस्कार हावी होते जा रहे हैं। इससे आज हमारी नई पीढ़ी खतरे में है, इसलिए ऑनलाइन से छोटे बच्चों को पढ़ाना अनुकूल नहीं है।

श्यामसुंदर धनराज लखोटिया, मालेगांव नासिक

शिक्षा की ताकत का हर इंसान को हो एहसास,
एक गुरु, छात्र, कलम,
किताब ही काफी हैं
बदलने को इतिहास.

वर्तमान दौर की मांग

ऑनलाइन शिक्षा वर्तमान परिस्थितियों में 'आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है' कहावत चरितार्थ कर रही है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अभी ऑनलाइन शिक्षा उचित है। कोविड-19 के कारण आज 3 साल से लेकर हर उम्र के बच्चे मोबाइल और लैपटॉप पर शिक्षा पा रहे हैं। लगातार कई घंटे लैपटॉप पर देखने से उनकी आंखों पर जोर पड़ रहा है, साथ ही ईयर फोन लगाने से कानों में भी तकलीफ हो रही है। ऑनलाइन पढ़ाई में महज कुछ चित्रों द्वारा मशीनी तरीके से टीचर अपनी बात समझाती हैं। प्रत्यक्ष शिक्षा में बच्चों को ब्लैकबोर्ड पर लिखे अक्षर और उस समय टीचर के समझाने का अंदाज़ उनके बाल मन पर शीघ्र असर करता है, क्योंकि स्कूल के वातावरण में शिक्षा सर्वत्र व्याप्त सी होती है। वह माहौल बच्चों को अपने घर में लाख कोशिश के बाद भी प्राप्त नहीं हो रहा है। इसमें किताबी ज्ञान तो ऑनलाइन मिल रहा है, मगर व्यावहारिक ज्ञान जो पढ़ाई के साथ अपने आप बच्चों में आत्मसात होता है, उसका अभाव हो रहा है। अतः जब तक इस महामारी से निजात नहीं मिलती, तब तक बच्चों की सुरक्षा हेतु ऑनलाइन शिक्षा ठीक है। मगर इन नन्हें फूलों की महक तो गुरुजनों के स्पर्श से पाठशाला में जाकर ही सर्वत्र फैलती है।

■ **रेखा राजेश लखोटिया,** नागपुर

दोधारी तलवार है ऑनलाइन शिक्षा

कोरोना वैश्विक महामारी के आने से पहले व्हाट्सअप, फेसबुक तथा दूरदर्शन के सभी चैनलों पर प्रायः यह सूचना आती थी कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहिए लेकिन आज कोविड 19 के लॉकडाउन के तहत हमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, उसमें सर्वप्रथम है बच्चों की शिक्षा। ऑनलाइन शिक्षा दूरसंचार आधारित ऐसी शिक्षा प्रणाली है जिसमें गुरु और शिष्य का संबंध इंटरनेट द्वारा जुड़ता है। यह सही मायने में दोधारी तलवार है, जिसका प्रयोग

करना जरूरी है, नही करें तो भी बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। लॉकडाउन के कारण बच्चों का स्कूल जाना असंभव हो गया। बच्चों की शिक्षा में बाधा ना आये इसके लिए स्कूलों के निर्देशानुसार शिक्षक शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार के एप के माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं। इस महामारी काल में घर से बाहर कदम रखे बिना ही बच्चों की शिक्षा को जारी रखना महत्वपूर्ण कार्य है। शिक्षक द्वारा पढ़ाने की एक समय सीमा है, उसके बाद प्रश्नोत्तर करना पड़ता है। हां इसके बाद बच्चे इसका दुरुपयोग न करें, इस बात का हमें ध्यान रखना चाहिए। इससे बच्चे अनुशासनहीनता के शिकार भी हो जाते हैं। इसके ज्यादा उपयोग से बच्चों के दिल, दिमाग और आंखों पर भी असर पड़ता है। हर चीज के दो पहलू होते हैं। अतः इसका असर प्रयोग करने वाले पर ही निर्भर करता है।

■ **सरोज लढ़ा,** कोलकाता

हर उम्र विद्यार्थी की जरूरत

कोविड-वैश्विक महामारी के कारण आज ऑनलाइन शिक्षा हर उम्र के विद्यार्थी के लिए एक जरूरत बन गई है। यह उचित भी है और अनुचित भी।

"घर बैठे-बैठे आसान हुई पढ़ाई,
पर आलसपन आया है हमारे व्यक्तित्व में।
बैग लेकर समय पर जाते स्कूल,
अब समय की पहचान नहीं।
कम लागत में सीखे बहुत कुछ,
पर अब सोच व क्षमता संकीर्ण हुई।
ब्लैक बोर्ड पर देखते दूर से,
अब आंखें लैपटॉप पर हैरान हुईं।
पेन से लिखना हाथों को भाता,
अब मोबाइल पर उंगलियां शिथिल हुईं।
क्लास में करते पढ़ाई संग मस्ती,
अब एकाकीपन के शिकार हुए।
शिक्षक का जो डर था मन में,
वह अब कोसों दूर हुआ।
जो बच्चे हैं जागरूक स्वयं के प्रति,
और पढ़ाई के प्रति, उनकी राह आसान हुई।
जो करते बहाने, नेट स्लो का,
उनकी राह मुश्किल हुई।

ऑनलाइन शिक्षा का करें सदुपयोग,
यदि होगा दुरुपयोग तो समाज और स्वास्थ्य को
भुगतना पड़ेगा खामियाजा।"

■ **भारती काल्या,** कोटा राजस्थान

उबरते रंग ऑनलाइन स्कूल

पिछले कुछ वर्षों से हम डिजिटल कक्षा, ऑनलाइन या आभासी कक्षा आदि शब्द सुन रहे हैं। अब तक, यह ऑनलाइन नमक, जो कार्यालय की बैठकों तक सीमित था, किंडर गार्डन तक पहुंच गया है। अब इन ऑनलाइन स्कूलों का उद्देश्य पहली नजर में घर पर छात्रों को उच्चतम गुणवत्तापूर्ण और कौशलतापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। क्योंकि अब पारंपरिक तरीके से स्कूलों को भरने की सीमाएं हैं। जब स्कूल को अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग नहीं करना पड़ता है, तो अन्य खर्चों में स्वचालित रूप से कटौती की जाती है। हालांकि, सामान्य माता-पिता की लागत बढ़ गई है। ऑनलाइन शिक्षा का मतलब है इंटरनेट। उसमें बहुत कठिनाइयां हैं। कहीं इंटरनेट नेटवर्क नहीं है, कहीं स्पीड नहीं है, तो कुछ जगहों से आने वाली आवाज, तस्वीर स्पष्ट नहीं है। मुख्य कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई माता-पिता की वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है। कोरोना की वजह से पहले ही वित्तीय कठिनाई से जूझ रहा है। ऑनलाइन शिक्षा भले ही अच्छी हो। लेकिन सवाल यह है कि कितने माता-पिता इसे वहन कर सकते हैं। लगभग 45 प्रतिशत बच्चों के पास स्मार्टफोन खरीदने के लिए वित्तीय साधन तक नहीं हैं।

■ **अनिता ईश्वरदयाल मंत्री,** अमरावती

अन्य विकल्प अपनाएं

कोरोना काल के बाद शिक्षा प्रणाली जारी रखने के लिए पर्यायी व्यवस्था के रूप में डिजिटल शिक्षा की ओर रुख किया गया है। इसके फायदे कम नुकसान ज्यादा हैं। जहां अभिभावक अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहते हैं, वहीं ऑनलाइन कक्षाओं के लिए बच्चों को मोबाइल देना पड़ रहा है। फोन के दुष्परिणामों को ध्यान में रखकर उसे स्कूल में प्रतिबंधित किया गया था, आज उसी फोन को शिक्षा का आधार बना दिया गया। फोन से कम उम्र के बच्चों का शारीरिक, मानसिक व नैतिक पतन होने की आशंका बनी रहती है। वर्चुअल प्लेटफॉर्म बच्चों को यौन शोषण की तरफ ले जा सकता है। स्क्रीन टाइम बढ़ने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है। जिससे पलकें झपकाने का पैटर्न भी बिगड़ सकता है। यौन संबंधी समस्याएं, तनाव व चिड़चिड़ापन भी आ सकता है। इसलिए ई शिक्षा को बंद कर देना चाहिए। पढ़ाई के लिए हम इंटरनेट की मदद ले सकते हैं, पर नई शिक्षा व्यवस्था के तौर पर ई-शिक्षा ही एकमात्र विकल्प नहीं है। छोटे बच्चों के लिए होम स्कूलिंग एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। जिसमें अभिभावक अपने बच्चों को स्वयं घर पर ही पाठ्यक्रम तथा खेल, संगीत, कला आदि सभी तरह की शिक्षा दे सकते हैं। वहीं बड़े बच्चों के लिए सेल्फ स्टडी का विकल्प है। इसमें बोर्ड या विद्यापीठों द्वारा सुझाई गई किताबों से विद्यार्थी खुद अध्ययन कर परीक्षा दे सकता है।

■ **अनुश्री तरण मोहता,** खामगांव

भावी पीढ़ी के लिए हानिकारक

वर्तमान में कोविड-19 वैश्विक महामारी ने शिक्षा को डिजिटल बना दिया। 3 वर्ष के शिशु से लेकर हर उम्र का विद्यार्थी शिक्षा के इस माध्यम का प्रयोग कर रहा है। इसके लिए उनको घंटों मोबाइल, लैपटॉप के सामने बैठना पड़ता है। अतः इसे उचित कैसे कहा जा सकता है? बच्चे जो देश का भविष्य हैं। उनका खुद का भविष्य अंधेरे की ओर जा रहा है। आंखों पर इस ऑनलाइन शिक्षा का ऐसा असर हो रहा है कि बच्चों की आंखें तक टेढ़ी हो गई हैं। इसके अतिरिक्त उनमें चिड़चिड़ापन व अन्य मानसिक विकार भी उत्पन्न हो रहे हैं। मेरा मानना है कि इस वैश्विक आपदा के समय अगर पढ़ाई ना भी हो पाती तो क्या फर्क पड़ता? जिस दिन माहौल सही हो जाता है, उस दिन पाठ्यक्रम को कम करके भी सत्र पूरा करवाया जा सकता है। कहा जाता है कि पहला सुख निरोगी काया। जब तन मन ही स्वस्थ नहीं होंगे तो भविष्य को कैसे संवारेंगे? ऐसी शिक्षा व्यवस्था उन लोगों के लिए भी बाधक है जिनके पास मोबाइल/लैपटॉप सुविधा नहीं है या फिर जहां नेटवर्क कमजोर है। बेशक इस व्यवस्था ने विश्वव्यापी द्वार खोले हैं लेकिन आधुनिकता का अंधानुकरण स्वास्थ्य की कीमत पर कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है।

■ **स्वाति मानधना,** बालोतरा

खुश रहे - खुश रखें

शांति का अच्छा साधन है मौन

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

मौन के वृक्ष पर शांति के फल लगते हैं। परिवार में मौन शांति के साथ ही स्नेह व सम्मान की भावना भी पैदा करता है। गुरु-शिष्य की ही बात की जाए तो आज भी कई गुरु दीक्षा देते समय अपने शिष्यों से कहते हैं हमारे और तुम्हारे बीच मौन घटना चाहिए। इसका सीधा सा अर्थ है कि आप अपने गुरु से कम से कम बात करें। गुरु से जितना मौन होगा, शिष्य को शांति की उपलब्धि उतनी अधिक होगी।

गौतम बुद्ध मौन पर बहुत जोर देते थे। एक दिन अपने शिष्यों के बीच एक फूल लेकर बैठ गए और एक शब्द नहीं बोले नही। सारे शिष्य बेचैन हो गए। शिष्यों की मांग रहती है कि गुरु बोलें फिर हम बोलें। कई बार तो शिष्य लोग गुरु के नहीं बोलने को उनका अहंकार बता देते हैं। यह मान लेते हैं कि हमारे गुरु हमसे दूर हो गए। दरअसल, गुरु बोलकर शब्द खर्च नहीं करते बल्कि मौन रहकर अपने शिष्य का मन पढ़ते हैं।

बुद्ध का एक शिष्य महाकश्यप जब हँसने लगा तो बुद्ध ने वह फूल उसको दे दिया और अन्य शिष्यों से कहने लगे, "मुझे जो कहना था मैंने इसे कह दिया, अब आप लोग इसी से पूछ लो।" सब महाकश्यप की ओर मुड़े तो उनका जवाब था, "जब उन्होंने कहा ही नहीं तो मैं कैसे बोलूं।" सारी बात आपसी समझ की है। मौन की वाणी इसी को कहते हैं। इसे मौन का हस्तांतरण भी माना गया है। इसका यह मतलब नहीं है कि गुरु से जो ज्ञान प्राप्त हो वह मौन के बाद नाम पर पचा लिया जाए। गुरु के मौन से शिष्य को जो बोध होता है उसे समय आने पर वाणी दी जा सकती है। पर वह वाणी तभी प्रभावशाली होगी जब गुरु और शिष्य के बीच गहरा मौन घटा हो।

यह बात परिवार पर भी लागू होती है। मौन का हस्तांतरण पति-पत्नी के बची, बाप-बेटे के बीच भी बिल्कुल ऐसे ही हो सकता है। इससे परिवार में शांति के साथ परस्पर संबंधों में सम्मान, गरिमा व प्रेम प्रकट होगा। मौन की भाषा बोलना चाहें तो एक काम करें-जरा मुस्कराइए...।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का
अन्त नहीं बल्कि उन्हें
साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है
खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
की पुस्तक
"खूबसूरती से जीएँ
55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon
जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है -
"ऐसा क्यों?" लेकिन इसका
उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन
अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन
90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

KHANA KHAZANA

मुखशुद्धि

खट्टी-मीठी जीरागोली

सामग्री- 50 ग्राम भुना हुआ जीरा पाउडर, 50 ग्राम अमचूर पाउडर, 50 ग्राम पिसी शक्कर, एक से दो (आवश्यकता नुसार) नींबू का रस, एक चम्मच काली मिर्ची पाउडर, एक चम्मच नमक।

विधि- सारी सामग्री अच्छे से मिलाकर उसका डो बना लेना। फिर उसकी छोटी-छोटी गोलियां बनाकर एयरटाईट डब्बे में रख देना।

-रजवाड़ी खारक-

सामग्री- 250 ग्राम खारक, 150 ग्राम पीसी शक्कर, 50 ग्राम सोंठ पाउडर, 50 ग्राम अमचूर पाउडर, 50 ग्राम किसा हुआ नारियल।

विधि- खारक पानी में 24 घंटा भीगा के रखना, फिर उसके बीज निकाल लेना और हवा में सूखने के लिए रख देना। इधर दूसरे बाउल में सारी सामग्री को मिलाकर तैयार कर ना। खारक सूखने पर यह सामग्री उसमें भर देना। यह रजवाड़ी खारक कांच की बरनी में भरकर फ्रिज में रख देना।

पूनम राठी, नागपुर
9970057423

www.rathi.com

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E). Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676935 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

बच्चों रा संस्कार

खम्मा घणी सा हुकम आप बात कर रही है हां बच्चों री तो हुक्म बच्चों में संस्कार हमेशा आपरे घर में बड़ों ने देखने ही आवे इण वास्ते जरूरी है खुद का आचरण सही राखणो। हुक्म अगर गमले में ठीक सूं खाद डाली जाए तो पौधों भी सुंदर लागे ..संस्कार भी वो ही काम करें हुक्म अक्सर देखियों जावे ..कोई बच्चे रे खराब आदत पर लोग फब्तियां कस ने लाग जावें कि अच्छा संस्कार नहीं मिलीयां या पर आप बताओ कांई संस्कारों ने जबरन बच्चा पर थोपियाँ नही जावे? या कॉपी पेन लेने उन्हें रटाया नहीं जावे ....? नहीं न बब्बो में बचपन सूं ही अच्छा संस्कार पड़े इण वास्ते हमेशा यां बात बहुत ध्यान रखनी है कि कहीं अपना बच्चा संस्कारों से दूर तो नहीं हो रहा है?

हुकम बच्चों की परवरिश में कुछ बात बहुत ध्यान रखण री है हर चीज देवण री आदत ....बच्चे री हर जायज नाजायज जिद ने पूरी करणी... या आदत बच्चे ने आगे जाने हिंसक बणावे हुक्म बच्चो रे विकास वास्ते अपने बच्चे की गतिविधियों पर नजर रखनी री जरूरत है अगर दोनों माता-पिता कामकाजी है तो पूरो ध्यान देना मुश्किल है पर या आदत जरूर डालें कि बच्चों कोई भी काम बिना सहमति ना करें आज आपा सब तकनीकी विज्ञान में इता व्यस्त हूँ गया हां कि बचपन सूं ही सारा काम अंगुलियों रे इशारे पर जैसे लेपटोप पर गाणा सुणना कंप्यूटर पर गेम खेलना फेसबुक चलाणो व्हाट्सएप आजकल बच्चों रो सारा काम इंटरनेट पर हूँ ग्यो है वे खुद नहीं समझे कि कांई सही है और कांई गलत है वे वी ही सीखे जो दिखाई दे ... वाणे हाथ में तकनीकी खिलौनों देवणों भी बहुत जरूरी है पर ऊन पर नजर भी राखणी सबसे महत्वपूर्ण है हुकम बच्चों ने समझाणों वाणे नजरिए सूं चीजों ने देखो बच्चों रे साथे दोस्तों आदि के बारे में बातें करता रेवणो कम्युनिकेशन गेप सारी चीज खराब कर देवें आप बच्चों रे नजरिए ने देखते हुए कोई बात समझाओला तो ही बच्चा आपरी बात समझ पावेला ...समय परिवर्तन हूँ ग्यो है बच्चों रे साथे मित्र बन आप बच्चे में संस्कार रा बिज़ बोय सकों जिन्ही जड़ा मजबूत बन ने मीठा फल देवेला।

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- आसान नहीं है उस शख्स को समझ पाना जो जानता सबकुछ हो
  मगर तुम्हारी खुशी के लिए अंजान बने।
- मिल जाएंगे हमारी भी तारीफ करने वाले
  कोई हमारी मौत की खबर जरा फैला के तो देखें।
- दिल को छु जाते हैं अक्सर खामोश चेहरे
  हस्ते हुए चेहरों में फरेब नजर आता है।
- शौक से निकालिये कमी मेरे किरदार में,
  आप नहीं होंगे तो मुझे तराशे का कौन।
- दिल साफ कर के मुलाकात की आदत डालो,
  धुल हटती है तो आइने भी चमक जाते हैं।
- यूं तो कुछ अंदाज ओरों से हटके हैं मेरे भी
  यूं ही तो नहीं रकीबों की मात होती है।।
- शख्सियत मोहताज नहीं हवा के रुख की
  ये तो इत्र के मानिंद ... खुद ही महकती रहती है।

कार्टून कौतुक

ASHOK SOMANY

M/s. ASHOK SOMANY & Co.

Mining of Natural Stone & TIles

Khol House, Circular Road, Rewari - 123401 (Hry) Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel. : 01274-225385, Mob. : 981245677, Res. : 01274-260088, 260048
Email : accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

AAKASH SOMANY

SOMANY NATURAL STONES (I) Pvt. Ltd.

All Kind of Natural Stone & Tiles

Plot No.5, Delhi Rewari Road, Rewari-12340 1 (Hry)
Mobile : 9812345677, 9812028488
Email : mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY IMPEX

Exporter of All Kind of Natural Stoen &Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry), Unit-Khol Road, Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel.: 01274-225385, Mob. : 9812028488, 9215689102
Email: accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

DEVVRAT OVERSEASE

All Kind of Natural Stone & Tiles

Vil. Mehtawas, Mehtawas Road (Raj), Mobile : 9812345677, 9812025385
Email: mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY (P.G) INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT

Running B.Tech & M.Techinfidderent Discilines of Engineering

Near Delhi-Jaipur Highway No. 8, Beside 3 km, From Rewari City, Rewari (Hry) Tel. 01274-261239, 261781
Fax: 01274-261239, Mob. 9541069998
Email : Info@sitmrewari.com I admin@sitmrewari.com I accounts@sitmrewari.com

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए लाभकारी होगा। विशेष तौर से संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थी वर्ग के लिए विशेष सफलता के योग बनते हैं। यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। परिवर्तन संभावित है, स्थान परिवर्तन लंबी यात्रा धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे और इस अवधि में शत्रु परास्त होंगे। किसी विशिष्ट व्यक्ति से मुलाकात होगी घर में शुभ एवं मांगलिक कार्य संपन्न होने की योग बनेंगे। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत की प्राप्ति होगी। शुभ समाचार मिलेंगे।

वृषभ

यह माह आपको भययुक्त वातावरण से मुक्त कराएगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। नौकरी एवं कार्य व्यवसाय से संबंधित नए रास्ते खुलेंगे। विरोधी परास्त होंगे। मित्रों से सहयोग की प्राप्ति होगी। परिवार के साथ मौज मस्ती एवं आनंद में समय व्यतीत करेंगे। मानसिक तनाव जरूर रहेगा फिर भी सफलता कामयाबी चरण छुएगी। झूठे आरोप का सामना करना पड़ सकता है एवं पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के योग बने रहेंगे। विद्यार्थी वर्ग को सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन

भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्चा होगा। समय पर बात याद नहीं रह पाएगी। स्थायी संपत्ति में सफलता मिलेगी। नवीन निर्माण के योग बनेंगे। चुनौती भरे कार्य को हाथ में लेंगे एवं सफलता प्राप्त होगी। वाणी से लोगों को प्रभावित करने में सफलता अर्जित करेंगे। पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। धार्मिक कार्यों में सफलता मिलेगी तथा भाग लेंगे। झूठे आरोप का सामना करना पड़ सकता है एवं पांव में कष्ट के योग बने रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। शासन में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आय में अनुकूलता प्राप्त होगी।

कर्क

इस माह में आप मौज-मस्ती पूर्ण जीवन यापन करेंगे। स्थायी संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता प्राप्त होगी। चुनौती भरे कार्यों को करने में सफलता अर्जित होगी। मकान सुख की प्राप्ति के योग रहेंगे। पाचन तंत्र एवं पेट गैस से कष्ट के योग रहेंगे। मामा परिवार से वैचारिक मतांतर होंगे। प्रेम के क्षेत्र में सफलता एवं विवाह संबंध होने के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति के योग एवं अपने बलबूते पर प्रगति करते हुए जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता अर्जित होगी।

सिंह

यह माह स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम रहेगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग बनते हैं। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे। वाहन सुख की प्राप्ति के योग रहेंगे। संतान से संबंधित रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। यश मिलेगा, स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाएंगे। कार्यों में व्यवधान आएगा किंतु कार्य पूर्ण होंगे। पुराने मित्र से मुलाकात होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। आय के नवीन स्रोत की प्राप्ति होगी। जिद की वजह से खर्च अधिक करना पड़ेगा। विद्यार्थियों को परिश्रम के उपरांत सफलता मिलेगी।

कन्या

यह माह आपको वाणी के माध्यम से अपने रुके हुए कार्य पूर्ण करने में सफलता प्राप्त करवाएगा। संपत्ति से संबंधित रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। न्यायालयीन प्रकरण में सफलता प्राप्त होगी संतान से संबंधित कार्यों में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। यश मिलेगा, कर्ज के माध्यम से संपत्ति में वृद्धि होगी। राजनीतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। तेजी मंदी के धंधे में परेशानी या हानि उठाना पड़ सकती है। लंबी यात्रा के योग रहेंगे एवं भौतिक सुख-सुविधा मनोरंजन आदि पर खर्च करना पड़ेगा।

तुला

यह माह आपके लिए आर्थिक दृष्टि से श्रेष्ठ रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। भाई परिवार जनों का स्नेह प्राप्त होगा। सुस्वाद व्यंजन का लुत्फ उठाएंगे। दांपत्य जीवन में वैचारिक मतांतर आ सकते हैं। वाणी के कारण अपने कार्यों में व्यवधान उपस्थित होगा। राजनीतिक संपर्कों का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा को पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बने रहेंगे। प्रेम-प्रसंग बढ़ेंगे एवं विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। सामाजिक संगठनों में पद की प्राप्ति तथा सामाजिक कार्य में यश मिलेगा। विशिष्ट जनों से भेंट होगी।

वृश्चिक

यह माह आपको संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता प्रदान करने वाला होगा। धार्मिक एवं शुभ कार्य में भाग लेंगे। तीर्थ यात्रा के योग रहेंगे। चुनौती भरे कार्यों को करने में सफलता मिलेगी। भाई-परिवार जनों से स्नेह एवं सहयोग प्राप्ति के योग रहेंगे। किसी बड़े पद पर आसन्न होने के योग रहेंगे। रक्त विकार से संबंधित कष्ट रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। शेयर या तेजी मंदी से संबंधित कार्यों में परेशानी या हानि का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। दांपत्य जीवन सुखी रहेगा। मित्रों से स्नेह प्राप्त होगा भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे।

धनु

यह माह आपको शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सफलता तथा लेखन के क्षेत्र में लोकप्रियता प्रदान करने के लिए श्रेष्ठ रहेगा। संपत्ति निर्माण की रूपरेखा तैयार होगी। संतान से संबंधित कार्यों में यश मिलेगा। तकनीकी शिक्षा में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। नौकरी में पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि तथा नवीन नौकरी मिलने के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। मित्रों से स्नेह प्राप्त होगा। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे।

मकर

यह माह आपके लिए नवीन कार्य व्यवसाय के लिए प्रेरित करने वाला होगा किंतु कोई भी कार्य प्रारंभ करने से पहले उस पर लाभ हानि की विवेचना करना नितांत आवश्यक रहेगा। स्थायी संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। वाहन सुख की प्राप्ति के योग रहेंगे। वाणी की कारण अपने रुके हुए कार्य में बाधा उपस्थित होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यय के अधिकता रहेगी। शुभ एवं मांगलिक कार्यों में खर्च करना पड़ेगा तथा इन कार्य में भाग लेंगे। दांपत्य जीवन की अनुकूलता रहेगी। विवाह संबंध तय होने के योग बनते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

कुम्भ

इस माह में आपको कुछ मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, परंतु आप अपनी बौद्धिक कुशलता से निजात पाने में सफलता प्राप्त करेंगे। भाई तथा परिवारजनों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। चुनौती भरे कार्यों को आप हाथ में लेंगे और उसे युक्तियुक्त तरीके से पूर्ण करने में सफलता प्राप्त होगी। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ परेशानी के साथ अनुकूलता रहेगी। गले में खराश-खांसी-सर्दी-जुकाम से कष्ट आ सकता है। दांपत्य जीवन औसत रहेगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। खर्च पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा। सामाजिक संस्था तथा संगठन के माध्यम से आपको सम्मान प्राप्ति के योग रहेंगे।

मीन

यह माह आपको संपत्ति में वृद्धिदायक रहेगा। वाहन सुख मकान सुख में वृद्धि होगी किंतु वाणी के कारण अपने बनते हुए कार्य बिगाड़ बैठेंगे। संतान से संबंधित कार्य में अनुकूलता रहेगी। सांस संबंधी आंशिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पत्नी पक्ष से अनुकूलता रहेगी। दांपत्य जीवन श्रेष्ठ प्रेम संबंध में वृद्धि होगी। विवाह संबंध होने के योग रहेंगे धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। लाटरी, सट्टा तेजी मंदी शेयर मार्केट से लाभ होने के योग रहेंगे। प्रबंध की क्षमता का पूर्ण उपयोग करेंगे। आय के नित नए साधन की प्राप्ति के योग रहेंगे।

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले
वतन पर मरने वालों का यही बाक़ी निशाँ होगा

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

रानी लक्ष्मीबाई, चन्द्रशेखर आजाद, वीर सुरेन्द्र साए, भीमा नायक, शंकर शाह, रघुनाथ शाह, बरकतउल्ला भोपाली

रानी अवंतीबाई, टंट्या भील, तात्या टोपे, राणा बख्तावर सिंह, सीताराम कँवर, रघुनाथ सिंह मण्डलोई

" आत्मनिर्भर व्यक्ति
सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए
सभी व्यवस्थायें स्वयं कर लेता है।
आत्मनिर्भरता ही उन्नति का आधार है।
हम प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को
आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। "

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

आपका साथ मध्यप्रदेश का विकास

1. **संबल योजना** – गरीबों को फिर मिला संबल। एक अप्रैल से 31 जुलाई 2020 तक योजना के विभिन्न घटकों में 25 हजार से अधिक हितग्राहियों को 268 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता स्वीकृत।
2. **पथ व्यवसायी योजना** – आत्मनिर्भर भारत के तहत प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण पथ विक्रेताओं को कार्यशील पूंजी का ब्याज मुक्त ऋण।
3. **श्रम सिद्धि अभियान** – प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा रोज़गार अभियान। 61 लाख 34 हजार 426 श्रमिकों का नियोजन। 3536 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान।
4. **श्रमिक आयोग का गठन** – श्रमिकों को बेहतर जीवन दिलाने के एकाग्र प्रयासों की दिशा में अहम कदम।
5. **रोजगार सेतु पोर्टल** – रोजगार के अवसरों का नया आसमान। 13 लाख 10 हजार से अधिक श्रमिक और 31 हजार से अधिक नियोक्ता पंजीकृत। 38,900 से अधिक लोगों को रोज़गार मिला।
6. **श्रम कानूनों में संशोधन** – क्रांतिकारी संशोधनों से श्रमिकों के हितों का संरक्षण एवं औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन।
7. **पंच परमेश्वर योजना पुन: प्रारंभ** – 52 हजार से अधिक गांवों के विकास के लिये 14वें वित्त आयोग के 1555 करोड़ रुपये तथा 15वें वित्त आयोग के 996 करोड़ रुपये जारी।
8. **गेहूँ उपार्जन में सबसे आगे** – एक करोड़ 29 लाख 42 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन। देश में प्रथम स्थान।
9. **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** – 16 लाख किसानों को 3100 करोड़ रुपये की फसल बीमा राशि का एक क्लिक में भुगतान।
10. **मंडी अधिनियम में सुधार** – किसानों को घर बैठे देश की किसी भी मंडी में फसल बेचने की सुविधा। किसान एवं व्यापारी दोनों के लाभ की पहल।
11. **चंबल प्रोग्रेस-वे** – चंबल क्षेत्र को मिली विकास की अभूतपूर्व सौगात।
12. **बिजली बिलों में राहत** – 97 लाख बिजली उपभोक्ताओं को 623 करोड़ रुपये से अधिक की राहत।
13. **किल कोरोना अभियान** – कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए 15 दिन का डोर-टू-डोर सर्वे अभियान।
14. **उद्योगों को रियायतें** – कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत उद्योग संवर्धन नीति एवं निवेश प्रोत्साहन योजना में लाभ ले रही औद्योगिक इकाइयों को संचालन तथा भुगतान संबंधी रियायतें।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश से आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आरओ : म.प्र. माध्यम/2020

D-18014/2020

इम्युनिटी ही मेरा सुरक्षा कवच!
धूतपापेश्वर
१८७२ से आयुर्वेद सेवा
स्वर्ण समृद्ध च्यवनप्राश!
स्वामला
हर मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक
सुवर्ण से समृद्ध
६० वर्षों से आयुर्वेद विशेषज्ञों का विश्वसनीय सुवर्ण समृद्ध च्यवनप्राश
स्वस्थ रहे, उन्नत रहे, आयुर्वेद के रक्षाछत्र में रहे।
* मात्रा
बड़ों के लिए - १ बड़ा चम्मच (१५ ग्राम) दिन में २ बार
बच्चों के लिए - १ छोटा चम्मच (५ ग्राम) दिन में २ बार
सेहत का खजाना, दो चम्मच रोजाना!
सकारात्मक स्वास्थ्य के लिए
रोगप्रतिकारक्षमता बढ़ाएं!
आयुष क्वाथ
डिस्पर्सिबल टॅबलेटस्
का प्रतिदिन सेवन बढ़ाएगा
आपकी रोग प्रतिकार क्षमता
Ayush Kwath
Dispersible Tablets
घटक द्रव्य प्रति गोली:
तुलसी
त्वक् (दालचीनी)
शुंठी
मरीच
F20SDLAd6.5x9.25H005
श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड
For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 www.sdlindia.com Now available on amazon

Reaching 7500 villages, 9 million people.
Over 100 million Polio vaccinations.
5,000 medical camps / 20 hospitals:

1 million patients treated. 100,000 persons tested on 32 health parameters through Health Cubed. Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant. More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India.

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students. Mid-day meals provided to 74,000 children. Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland. Fostering the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas.

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets. 45,000 women empowered through 4500 SHGs. 200,000 farmers on board our agro-based training projects.

MODEL VILLAGES

We have adopted 300 villages for transformation into model villages. Of these over 90 villages have already reached the model village stature. And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spear-headed by Mrs. Rajashree Birla.

Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date-02 September, 2020

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com